* ओड़िशा संस्करण

www.epaper.azadsipahi.in

10 अगस्त, 2023
सावन, कृष्ण पक्ष, नवमी
संवत 2080
पृष्ठ : 14, मूल्य : ₹3.00

रांची
गुरुवार, वर्ष 08, अंक 291

कलम कलम बढ़ाये जा

आजाद सिपाही

गुरुजी का शिक्षा पर जोर, हेमंत ने की एक होने की अपील

झारखण्ड सरकार
GOVERNMENT OF JHARKHAND

समापन समारोह

पहले दिन की
झलकियां

झारखण्ड
आदिवासी महोत्सव
2023

समृद्ध
आदिवासी जीवन दर्शन
की झलकियां

मुख्य अतिथि
श्री हेमन्त सोरेन
माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड

विशिष्ट अतिथि
समस्त माननीय मंत्री, झारखण्ड सरकार
तथा
माननीय मंत्रीगण, माननीय सांसदगण,
माननीय विधायकगण एवं अन्य गणमान्य अतिथियों की
गरिमामयी उपस्थिति में

10 अगस्त 2023
समय: सायं 05:00 बजे से
बिरसा मुण्डा स्मृति उद्यान, रांची

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, झारखण्ड सरकार
P.R. 304311 (IPRD) 23-24

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
189200 Subscribers
VIEWERSHIP 3 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
YouTube Channel
1 Channel
Subscribe NOW

आजाद सिपाही
रांची, गुरुवार, 10 अगस्त, 2023
www.azadsipahi.in

आदिवासी संगठनों ने हर्षोल्लास के साथ मनाया विश्व आदिवासी दिवस

हजारों की संख्या में आदिवासी महिला एवं पुरुष पैदल मार्च करते हुए अल्बर्ट एक्का चौक पहुंचे

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। विश्व आदिवासी दिवस पर विभिन्न आदिवासी संगठनों में एकता देखने को मिली। हजारों की संख्या में आदिवासी महिला एवं पुरुष पैदल मार्च करते हुए अल्बर्ट एक्का चौक पहुंचे। इस दौरान उनके हाथों में तख्तियां भी देखने को मिली। जिसमें लिखा था कि हमें समान नागरिक संहिता कानून स्वीकार नहीं है। इस मौके पर समन्वय समिति के सदस्य प्रभाकर तिर्की ने कहा कि देश के पीएम और ग्रह मंत्री मणिपुर में हो रही हिंसा को जल्द रोकें।

झारखंड के वीर सपूतों को श्रद्धांजलि अर्पित की

अल्बर्ट एक्का चौक पहुंचने के बाद आदिवासी संगठनों ने झारखंड के वीर सपूतों को श्रद्धांजलि अर्पित कर उन्हें माल्यार्पण किया। इसके बाद नागपुरी गीतों के साथ विश्व आदिवासी दिवस का आगाज किया। इस दौरान महिलाएं लाल पाड़ साड़ी पहनकर मांदर की थाप पर थिरकती नजर आयीं। वहां मौजूद महिलाएं एवं पुरुष हाथ जोड़ाकर नाच-गान करती दिखीं। वहां मौजूद लोगों में काफी हर्षोल्लास देखने को मिला।

केंद्रीय सरना समिति और चडरी सरना समिति ने 10 हजार पौधा निशुल्क बांटा

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर केंद्रीय सरना समिति एवं चडरी सरना समिति ने अल्बर्ट एक्का चौक पर फलदार एवं छायादार पौधा वितरण किया। केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष बबलू मुंडा ने कहा कि विश्व आदिवासी दिवस को संकल्प दिवस के रूप में मनाया गया। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर 10,000 पौधा निशुल्क बांटे गये।

आज देश प्रदेश में विकास के नाम पर हजारों लाखों वृक्षों को कटाई कर दी गयी और वृक्ष लगाने का नाम पर सिर्फ सरकारी फंड का दुरुपयोग हुआ है। आज वृक्ष कटाई के कारण जलवायु परिवर्तन हुआ है जिसके कारण जीव जंतु एवं मानव जाति के जीवन में दुष्प्रभाव पड़ा रहा है। इसी को ध्यान में रखते हुए विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर संकल्प दिवस के रूप में मनाया और सभी मानव जाति के लोगों से पौधा लगाने के लिए आग्रह किया। मुख्य पहान जगलाल पहान ने कहा कि विश्व आदिवासी दिवस पर भी आने वाले पीढ़ी को अपनी धर्म संस्कृति रीति रिवाज रूढ़िवादी व्यवस्था एवं परंपरा को बताने की जरूरत है तभी आदिवासी संस्कृति बच पायेगी।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप से रांची के विधायक सीपी सिंह, रांची नगर निगम के पूर्व महापौर आशा लकड़ा, मुख्य पहान जगलाल पहान, केंद्रीय सरना समिति के महासचिव कृष्णकांत टोप्पो, पूजा समिति संरक्षक जितेंद्र सिंह, पूजा समिति अध्यक्ष सबलू मुंडा, केंद्रीय धुमकुड़िया अध्यक्ष सुनील टोप्पो, मुख्य सलाहकार कुमोद कुमार वर्मा, राहुल मुंडा, रामा मुंडा, प्रकाश मुंडा, सबलू खान, भोला केसरी, परवेज भाई, नौशाद भाई, राज मुंडा, संजू खलखो, नीरज चौधरी, काली उरांव, विक्की सोनी, मनीष वर्मा, विशाल मंडा, मुन्ना हेंब्रम सहित अन्य मौजूद थे।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने विश्व आदिवासी दिवस की दीं शुभकामनाएं

विश्व आदिवासी दिवस पर अपनी समृद्ध परंपरा को संजोकर रखने का संकल्प लें : बाबूलाल मरांडी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने विश्व आदिवासी दिवस पर बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह दिवस आदिवासी समुदाय के महत्व एवं संस्कृति को समझने का दिवस है। आदिवासी समाज की संस्कृति और परंपरा हमारी समृद्ध भारतीय एवं झारखंडी विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा है। श्री मरांडी ने कहा कि झारखंड की 32 जनजातियां यहां की विविधता एवं समृद्धि का प्रतीक हैं। आदिवासी संस्कृति में अनूठी भाषाएं, नृत्य, संगीत, कला और विशेष शैलियां शामिल हैं जिनका हमारी सांस्कृतिक विविधता में महत्वपूर्ण

योगदान है। कहा कि तेजी से बढ़ती तकनीकी और आर्थिक प्रगति ने आदिवासी समुदायों के सांस्कृतिक धरोहरों को कुछ हद तक छूने का प्रयास किया है। इसके परिणामस्वरूप उनकी पारंपरिक जीवन शैली, विशेषताएं और ज्ञान धीरे धीरे लुप्त हो रहे हैं। ऐसे में आदिवासी समुदाय का दायित्व और अधिक बढ़ जाता है। उन्होंने कहा कि हमें आदिवासी समुदाय के जीवन शैली एवं जरूरतों को समझ एवं साथ मिलकर संस्कृति और परंपराओं को संरक्षित रखने का प्रयास करना होगा। यह परंपरा हम सभी को प्रकृति के साथ मिलकर जीने का सबक सिखाती है। उन्होंने कहा कि सामूहिक प्रयास के साथ आगे बढ़कर हम आदिवासी समुदाय एवं अपने देश और राज्य को परम वैभव तक पहुंचा सकते हैं।

राज्यपाल ने विश्व आदिवासी दिवस पर दी शुभकामनाएं

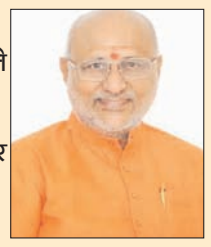

रांची (आजाद सिपाही)। राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने विश्व आदिवासी दिवस की राज्य वासियों को शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने बुधवार को कहा कि जनजातीय समाज का गौरवशाली इतिहास रहा है। ये प्रकृति के उपासक होते हैं तथा इनकी समृद्ध कला और संस्कृति की विश्वस्तरीय पहचान है। देश के स्वतंत्रता आंदोलन में जनजातीय समाज का योगदान अविस्मरणीय है।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने दी विश्व आदिवासी दिवस की शुभकामनाएं

रांची (आजाद सिपाही)। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने विश्व आदिवासी दिवस की शुभकामनाएं दी। उन्होंने बुधवार को कहा कि जनजातीय समाज का गौरवशाली इतिहास रहा है। ये प्रकृति के उपासक होते हैं तथा इनकी समृद्ध कला और संस्कृति की विश्वस्तरीय पहचान है।

आदिवासियों के पास डिजास्टर और डेवलपमेंट का अद्भुत ज्ञान है : डॉ तपन कुमार शांडिल्य

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय, रांची के टीआरएल विभाग के द्वारा विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर विश्वविद्यालय के सभागार में व्याख्यान सह सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति डॉ तपन कुमार शांडिल्य ने विश्व आदिवासी दिवस की महत्ता पर विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि प्रत्येक वर्ष 9 अगस्त को मनाया जाने वाला

डीएसपीएमयू में विश्व आदिवासी दिवस का आयोजन हुआ

यह दिवस विभिन्न आदिवासी समुदायों के सम्मान और उनके सांस्कृतिक धरोहर को याद करने का एक विशेष अवसर है। उन्होंने कहा कि आदिवासियों के पास डिजास्टर, डिफेंस और डेवलपमेंट का अदभुत ज्ञान है। इसी प्रकार आदिवासी समाज में एक मदद करने की परंपरा है जिसे हलमा कहते हैं। अन्य वक्ताओं में डॉ अभय सागर मिंज, डॉ जिंदर सिंह मुंडा, डॉ पीपी महतो ने भी मौके पर अपना व्याख्यान दिया। टीआरएल विभाग के समन्वयक डॉ विनोद कुमार ने अतिथियों का स्वागत किया। धन्यवाद ज्ञापन प्रो रामदास उरांव के द्वारा किया गया। मंच संचालन डॉ जय किशोर मंगल और डॉ डुमिनी माई मुर्मू ने किया। इस अवसर पर डॉ पीपी महतो, सुनील कुमार बादल सहित टीआरएल विभाग के सभी शिक्षक और विद्यार्थी मौजूद थे। यह जानकारी पीआरओ प्रो राजेश कुमार सिंह ने दी।

सहायक अध्यापक मामले को लेकर 10 अगस्त को होगी बैठक

रांची। राज्य के सहायक अध्यापक (पारा शिक्षक) सहित कई कर्मियों के मामले में गुरुवार को बैठक होगी। इस बाबत झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद् की राज्य निदेशक किरण कुमारी पासी संबंधित संगठनों को बुलाया है। उन्होंने एकीकृत सहायक अध्यापक संघर्ष मोर्चा, झारखंड प्रदेश सहायक अध्यापक संघ, टेट सफल सहायक अध्यापक संघ, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय कर्मी संघ, बीआरपी-सीआरपी महासंघ को पत्र लिखा है।

परियोजना निदेशक ने पत्र में लिखा है कि विभिन्न कर्मी संघों द्वारा बार-बार कल्याण कोष को लागू करने की मांग की जा रही है। राज्य परियोजना कार्यालय लगातार कर्मियों के बेहतर कल्याण कोष की स्थापना एवं बेहतर विकल्प के लिए प्रयासरत है। कल्याण कोष, इपीएफ एवं बीमा से संबंधित विभिन्न बैंकों के प्रावधान से संबंध में सहायक अध्यापकों के विभिन्न संघों, बीआरपी-सीआरपी महासंघ एवं कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय कर्मी संघ के दो-दो सदस्यों की बैठक 10 अगस्त को राज्य परियोजना कार्यालय के सभागार में आयोजित की गयी है।

देश-विदेश की खबरों के लिए क्लिक करें
www.azadsipahi.in

झारखण्ड सरकार
समृद्ध आदिवासी जीवन दर्शन की झलकियां
आदिवासी इतिहास, साहित्य, मानवशास्त्र आदि पर संगोष्ठियां
पैनल चर्चा
परिधान फैशन शो
आदिवासी व्यंजन
सांस्कृतिक कार्यक्रम
कला, शिल्प एवं प्रदर्शनी
राष्ट्रीय आदिवासी चित्रकला शिविर
आदिवासी फिल्म महोत्सव
ड्रोन तथा लेजर शो का भव्य आयोजन
झारखण्ड आदिवासी महोत्सव 2023
मुख्य कार्यक्रम
10 अगस्त 2023 (गुरुवार)
सांस्कृतिक कार्यक्रम — प्रातः 11:00 बजे - 12:40 बजे तक
उरांव आदिवासी समुदाय का लोक नृत्य,पाइका नृत्य, गोंड आदिवासी समुदाय का किहो नृत्य,कर्नाटक का दमनी लोक नृत्य
पद्मश्री एच. मधु मंसूरी की गायन प्रस्तुति — अपराह्न 12:40 बजे - 12:55 बजे तक
रमेश्वर मिंज द्वारा बांसुरी वादन — अपराह्न 12:55 बजे - 1:15 बजे तक
रंगारंग महोत्सव — अपराह्न 1:45 बजे - 3:55 बजे तक
अरुणाचल प्रदेश का रेखम पड़ा नृत्य, असम का लेवा टाना नृत्य, बिहु नृत्य, झारखण्ड रंगारंग महोत्सव, स्थानीय आदिवासी का डोमकुच लोक नृत्य, आदिवासी दिव्यांगों द्वारा प्रस्तुति, गुजरात के अफ्रीकन आदिवासी समुदाय द्वारा सिद्धि धमाल नृत्य
माननीय मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन का आगमन — अपराह्न 5:00 बजे
माननीय मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन द्वारा आदिवासियत-एक जीवन शैली पर परिचर्चा — अपराह्न 5:25 बजे से
श्री नंद लाल नायक की प्रस्तुति — सायं 6:05 बजे से
आदिवासी परिधान प्रदर्शन प्रस्तुति — सायं 6:40 बजे से
ड्रोन, लेजर एवं फायर शो (VFX) — सायं 7:30 बजे से
सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, झारखण्ड सरकार
P.R. 304314 (IPRD) 23-24

www.epaper.azadsipahi.in

10 अगस्त, 2023
सावन, कृष्ण पक्ष, नवमी
संवत 2080
पृष्ठ : 14, मूल्य : ₹3.00

रांची
गुरुवार, वर्ष 08, अंक 291

कलम कलम बढ़ाये जा

आजाद सिपाही

खुदरा मूल्य वृद्धि पर नियंत्रण के लिए बाजार में अतिरिक्त गेहूं और चावल उतारेगी सरकार, किया एलान

20 YEARS OF Excellence

CHAMP Square

Sharing Dreams - Nurturing Talents - Producing Champions
JEE (MAIN & ADVANCED) - NEET - FOUNDATION

Felicitation of JEE Main, JEE Advanced and NEET Toppers

Our Student as Chief Guest, IAS Manish Kumar, Felicitated Our Toppers at the Event "Shaurya"

Our Boys Topper

AIR-1382
PRATEEK RATAN
JEE ADVANCED

Our Girls Topper

AIR-2477
BHUMI PODDAR
JEE ADVANCED

ALL RANKS FROM GENERAL CATEGORY

AIR-120
YUGESH AJIT KOTHARI

AIR-147
VINAYAK TRIVEDI

AIR-150
MOHIT KUMAR GUPTA

AIR-172
ANIRUDH ANIL OJHA

AIR-194
AYUSH KUMAR

AIR-196
SANTANU

AIR-290
AKSHAT KUMAR

AIR-344
ADARSH RAJ

AIR-422
RUDRESH RAJ VERMA

AIR-651
B. ANSHUMAN

AIR-731
UJJAWAL DUBEY

AIR-830
OM SHUBHAM PATI

AIR-956
ABHAS JAIN

AIR-1092
SHUBHAM ANAND

AIR-1363
HARSHIT AGARWAL

Testimony of Our success

PRATEEK RATAN
JEE ADVANCED (AIR-1382)
JEE MAINS (AIR-613)

Hi
I am Pratik Ratan, secured AIR-1382 in JEE Advanced and AIR-613 in JEE Mains. I joined Champ Square in Class 9 for 4 year classroom program. This was the best decision of my life.
Best part of Champ Square is its most structured system that any student can achieve their goal easily. The faculty is the best they are the most helping and encouraging teachers I have ever seen. It is irrufutable that they are the most famous teachers in the town.
I did my schooling from DPS Ranchi. Course curriculum is so scientifically designed that it balance both school and IIT-JEE preparation.
Regular mocks and quizzes made me grasp the minutes of the chapters and rectify my mistakes. Test series is also very good and as per the standard of JEE.
My advice to anyone who are aspiring for ITT-JEE is that "Start early to beat the competition. Stay dedicated and follow your teachers.
"Join Champ Square and become a Champion"
Pratik Ratan
AIR-1382 (JEE Advanced)
AIR-613 (JEE MANS)

CHAMP CTSE

Talent Search Exam

On 15 Oct. 2023 for Class 6 to 10

www.champsquare.co.in/genesis / for offline visit our centres

Our NEET Topper

636 / 720
ISHA SHARMA
NEET

643 / 720
KRITIKA R. JHA
NEET

614 / 720
ISHITA ANAND
NEET

CHAMP Talent Search Exam CTSE | On 15 Oct. 2023 for Class 6 to 10 | Get Rank Recognition, Cash Prize, Laptop Mobile, Tablet and Scholarship

CHAMP SQUARE (LALPUR) : Sunrise Forum, 2nd Floor, (Debuka Nursing home Lane), Circular Road, Ranchi-1
CHAMP SQUARE (DORANDA) : Dashmesh Apartment, 1st Floor, Near A.G. Office, NOP, Doranda, Ranchi-2
Tel. : 7360016500, 7360016501, 9798131064

सर्राफा

सोना (बिक्री)	56,000 रु./10 ग्राम
चांदी	74,000 रु./प्रति किलो

आजाद सिपाही
रांची, गुरुवार, 10 अगस्त, 2023
www.azadsipahi.in

भारत को कमजोर करने की हो रही चौतरफा कोशिश

- चीन के साथ अमेरिकी धनाढ्यों का एक वर्ग दे रहा भारत विरोधी गतिविधियों को हवा
- नेविल रॉय सिंघम के बारे में खुलासे से हुआ है इस अंतरराष्ट्रीय साजिश का भंडाफोड़
- झारखंड से लेकर मणिपुर और हरियाणा तक के तनाव के पीछे भी हो सकती है साजिश

चीन की कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ चाइना की प्रोपेगेंडा शाखा से जुड़े अमेरिकी करोड़पति नेविल रॉय सिंघम के बारे में हाल में अमेरिकी अखबार न्यूयार्क टाइम्स में जो खबर प्रकाशित हुई है, उससे साफ हो गया है कि एक सोची-समझी साजिश को अंजाम दिया जा रहा है, जिससे भारत कमजोर हो सके। पिछले तीन साल में देश के अलग-अलग हिस्सों में हुई हिंसक वारदातों और सांप्रदायिक तनावों के दौरान बार-बार यह बात सामने आती रही है कि इस सबके पीछे कुछ अंतरराष्ट्रीय संगठनों की साजिश है, लेकिन अब यह बात लगभग प्रमाणित हो गयी है। इसी साल फरवरी में जॉर्ज सोरोस ने जिस तरह भारत विरोधी बयान देकर दुनिया भर में सुर्खियां बटोरी थी, उससे ही संकेत मिले थे कि भारत में हो रही घटनाएं अकस्मात नहीं हैं। इसके बाद अब नेविल रॉय सिंघम का मामला सामने आया है। वास्तव में मजबूत होता भारत केवल चीन और अमेरिका के धनाढ्य वर्ग को असहज बना रहा है। पहले ये दोनों अलग-अलग काम करते थे, लेकिन अब इन्होंने हाथ मिला लिया है, इसलिए भारत के लिए अधिक खतरा पैदा हो गया है। भारत के खिलाफ बनाये गये इस नापाक गठजोड़ के बारे में जो खुलासे हो रहे हैं, उनसे तो यही आशंका होती है कि झारखंड से लेकर मणिपुर और हरियाणा के साथ देश के अलग-अलग हिस्सों में हुई गड़बड़ियों के पीछे इस गठजोड़ की साजिश ही है। जिस तरह से यह नापाक गठजोड़ भारत विरोधी ताकतों को आर्थिक मदद दे रहा है, उससे इस आशंका को ही बल मिलता है। भारत के खिलाफ चल रही इस पूरी साजिश के बारे में बता रहे हैं आजाद सिपाही के विशेष संवाददाता राकेश सिंह।

आजाद सिपाही विशेष

राकेश सिंह

अमेरिकी अखबार द न्यूयॉर्क टाइम्स में शनिवार पांच अगस्त को एक लेख प्रकाशित कर अमेरिकी व्यवसायी नेविल रॉय सिंघम के साथ चीनी सरकार के रिश्तों और भारत की कतिपय मीडिया घरानों को मिल रही फंडिंग का खुलासा किया था। द न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार, यह बहुत कम लोगों को पता है कि गैर-लाभकारी संगठनों और शेल कंपनियों की आड़ में नेविल रॉय सिंघम चीन की सरकारी मीडिया के साथ मिलकर काम करता है और चीन के प्रोपेगेंडा को दुनिया भर में फैलाने के लिए फंडिंग कर रहा है। लेख में कहा गया है कि नेविल रॉय सिंघम भारत, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका और संयुक्त राज्य अमेरिका जैसे देशों में प्रगतिशील होने की वकालत करने के बहाने चीनी सरकार के मुद्दों को लोगों के बीच फैलाने में कामयाब रहा है।

इस लेख के बारे में भाजपा सांसद डॉ निशिकांत दुबे ने जब लोकसभा को बताया, तो एकबारगी लोग स्तब्ध रह गये। लोकसभा में उनके बयान के बाद पूरे देश में इस बात की चर्चा होने लगी कि आखिर पहले जॉर्ज सोरोस और अब नेविल रॉय सिंघम भारत के खिलाफ क्यों हैं। अमेरिका एक तरफ तो भारत को अपना मित्र बताता है, वहीं दूसरी तरफ इस तरह के लोग भारत विरोधी गतिविधियों को हवा देने में लगे हैं।

क्या है भारत के खिलाफ साजिश का कारण

दरअसल कई पश्चिमी और चीनियों की इच्छा विकासशील और अविकसित देशों पर शासन करने की है, जबकि वे स्वयं प्राकृतिक और मानव संसाधनों की चोरी और दोहन और स्थानीय संस्कृति को नष्ट करने के अपने गलत इरादों के परिणामस्वरूप ढह रहे हैं। यहां तक कि जब वे सभी मोर्चों पर पीड़ित हैं, तब भी उनका अहंकार और गलत इरादे वाली मानसिकता उन्हें भारत और उसके दिग्गजों के उत्थान को स्वीकार करने की अनुमति नहीं देती है। कई पश्चिमी लोग, विशेष रूप से एक ही विचारधारा के आंतरिक शत्रुओं के समर्थन से साम्यवाद और मार्क्सवाद के अनुयायी, भारतीय व्यवसायों के उत्थान, नैतिक साधनों के माध्यम से धन सृजन, तकनीकी और आध्यात्मिक रूप से युवा सशक्तिकरण, सांस्कृतिक जुड़ाव और भारत बनने की दिशा में आगे

नहीं बढ़ पाये हैं। ऐसे लोगों और संगठनों को भारत को जी 20 की अध्यक्षता मिलना, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विश्व के शीर्ष नेता के रूप में स्वीकार्यता, भारत में बढ़ता विदेशी निवेश और निर्यात में वृद्धि, मजबूत रक्षा क्षमताएं और रक्षा उपकरणों के निर्यात में वृद्धि, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में प्रगति और लांचिंग दर में वृद्धि के हालिया घटनाक्रम, कोरोना वैक्सीन का विकास, एक सौ करोड़ से अधिक लोगों का टीकाकरण, टीकाकरण में कई देशों को सहायता, अर्थव्यवस्था का पांच ट्रिलियन डॉलर की ओर बढ़ना, अर्थव्यवस्था का 10वें से पांचवें स्थान पर पहुंचना, ऐसी कई सकारात्मकताओं ने विश्व स्तर पर कई नेताओं, संगठनों, उद्योगों और मीडिया घरानों के बीच घबराहट पैदा कर दी है, जिन्होंने यह मानसिकता विकसित कर ली है कि वे दुनिया के स्वामी हैं और वे जो सोचते हैं और जिसके लिए काम करते हैं, वह होना चाहिए।

इसलिए कई विपक्षी नेता विदेशी संगठनों और नेताओं की मदद से पीएम नरेंद्र मोदी की सरकार के खिलाफ काम कर रहे हैं, और कई कम्युनिस्ट और मार्क्सवादी नेता विकास चक्र, अंतरराष्ट्रीय संबंधों, विदेशी निवेश और एक विश्व नेता के रूप में नरेंद्र मोदी की स्वीकार्यता को नुकसान पहुंचाना चाहते हैं। उनकी स्वार्थी विचारधारा का समाज के कल्याण या मजबूत राष्ट्र के निर्माण से कोई लेना-देना नहीं है। मौजूदा हालात में उनका एकमात्र लक्ष्य मोदी सरकार को हटाना है। नतीजतन अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के साथ आंतरिक गुट लगातार फर्जी कहानियां बना रहा है और न केवल मोदी सरकार को पद से हटाने के लिए, बल्कि अंतरराष्ट्रीय मंचों पर सामाजिक आर्थिक विकास और प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने के लिए फर्जी आख्यानों का निर्माण कर रहा है।

देश के औद्योगिक माहौल से जुड़ा हालिया विवाद निवेशकों के बीच दहशत पैदा करने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेली गयी गंदी आर्थिक राजनीति को स्पष्ट रूप से दर्शाता है। यह दुनिया के शीर्ष तीन सबसे अमीर लोगों में भारतीयों के शामिल होने के प्रति ईर्ष्या को दर्शाता है।

पहले भी होती रही है साजिश

यह पहली बार नहीं है कि ऐसे मुद्दे उठे हैं। यदि हम पीछे मुड़ कर देखें, तो हम अंतरराष्ट्रीय फंडों और एजेंसियों जैसे पेगासस, न्यूयॉर्क टाइम्स, वाशिंगटन पोस्ट और कई अन्य की मदद से बनायी गयी फर्जी कहानियां या आख्यान देख सकते हैं। कई महीनों तक सीएए, एनआरसी, किसान बिल और सड़क पर हंगामे के साथ-साथ हिंसा को लेकर फर्जी कहानियों ने विश्व स्तर पर भारत की छवि को खराब किया और सामाजिक-आर्थिक रूप से गहरी क्षति पहुंचायी। भारत के लोगों को इस विनाशकारी योजना के बारे में जागरूक होना चाहिए और विश्वास नहीं खोना चाहिए।

क्या यह संयोग है कि इनमें से अधिकतर मुद्दे संसद का सत्र शुरू होने से ठीक पहले उठे हैं। हर बार, संसद को कई दिनों तक चलने नहीं दिया जाता था, महत्वपूर्ण विधेयकों को पारित होने से रोका जाता था और मोदी सरकार के कामकाज पर नकारात्मक प्रकाश डाला जाता था। व्यवधान भारतीय संसद के संचालन की एक स्थानिक विशेषता बन गयी है। इसने व्यापक सार्वजनिक आक्रोश को जन्म दिया है, जो दो मुद्दों पर केंद्रित है: पहला, लगातार बाधित और इस प्रकार गैर-कार्यशील संसद पर करदाताओं के पैसे की बर्बादी, और दूसरा, विधायी पंगुता, जिसने शासन को बाधित कर दिया है। हालांकि इस तरह के व्यवधानों के अंतर्निहित कारणों पर बहुत कम विचार किया गया है।

जो लोग नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार को धर्म, संप्रदाय या जाति की परवाह किये बिना सभी नागरिकों की उन्नति के लिए सनातन धर्म के सिद्धांतों पर काम करते हुए देखते हैं, वे व्यक्तिगत लाभ के लिए सरकार को अस्थिर करना और देश को कमजोर करना चाहते हैं। जैसे-जैसे अगले साल आम चुनाव नजदीक आयेगा, हम फर्जी कहानियों में वृद्धि देखेंगे।

विपक्षी दल, कई मोदी और सनातन विरोधी, और कुछ अंतरराष्ट्रीय संगठन और नेता विभिन्न एजेंसियों के सर्वेक्षणों से हिल गये हैं, जो स्पष्ट रूप से प्रचंड बहुमत के साथ मोदी सरकार के लिए 'समर्थक सत्ता' का संकेत देते हैं। उनका स्वार्थी एजेंडा, जिसे वे 2014 से पहले आगे बढ़ाने के लिए स्वतंत्र थे, अब अनुमति नहीं दी गयी है, और उनकी हताशा नयी ऊंचाइयों पर पहुंच गयी है, क्योंकि उन्हें एहसास हुआ कि यह सरकार सत्ता में वापस आ जायेगी। इसलिए भारतीयों को यह महसूस करने की आवश्यकता है कि हमारी वैश्विक स्थिति और जीवन के हर पहलू में प्रत्येक को मजबूत करने के हमारे कदमों को 'गुलामी मानसिकता' को हटाकर उच्च आत्मविश्वास के साथ आशावादी रूप से देखा जाना चाहिए। हम अब पश्चिमी लोगों की दया पर निर्भर नहीं हैं, और हम नहीं चाहते कि दुनिया में कोई भी हमारी दया पर निर्भर रहे। सभी को एक-दूसरे की सहायता करके नैतिक रूप से विकसित होने दें।

डुमरी विधानसभा क्षेत्र में आचार संहिता लागू, चार साल में छठा उपचुनाव

अब तक यूपीए का पलड़ा भारी, एनडीए प्रत्याशी के नाम पर सबकी नजर

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड एक बार फिर उपचुनाव की राह पर है। छह अप्रैल को शिक्षा मंत्री जगरनाथ महतो के निधन के बाद डुमरी विधानसभा सीट खाली हो गयी थी। चुनाव आयोग ने यहां उपचुनाव के तारीखों की घोषणा कर दी है। शिक्षा मंत्री के निधन के बाद खाली हुई सीट पर शिक्षक दिवस के दिन चुनाव होंगे। चुनाव आयोग की ओर से तारीखों की घोषणा किये जाने के बाद से डुमरी विधानसभा क्षेत्र में आचार संहिता लागू हो गयी है। इस घोषणा के साथ ही राज्य में साल 2019 के बाद यह छठा उपचुनाव होगा। तारीखों की घोषणा के साथ ही तैयारियां का दौर शुरू हो गया है।

अब तक हो चुके हैं पांच उपचुनाव

जेएमएम, कांग्रेस और आरजेडी गठबंधन में साल 2019 में हेमंत सोरेन के नेतृत्व में सरकार बनी। तब से लेकर अब तक पांच उपचुनाव हो चुके हैं। पांच उपचुनाव में से चार उपचुनाव में यूपीए गठबंधन ने जीत हासिल की। हाल में हुए रामगढ़ उपचुनाव में एनडीए गठबंधन ने जीत दर्ज की है। अब तक जो उपचुनाव हुए हैं वे दुमका, बेरमो, मधुपुर, मांडर और रामगढ़ में हुए।

उपचुनाव और उसके नतीजे

इसमें दुमका में जीत हासिल कर बसंत सोरेन, बेरमो में जीत हासिल कर अनुप सिंह, मधुपुर में जीत दर्ज कर हफीजुल हसन और मांडर में जीत हासिल कर शिल्पी नेहा तिर्की विधायक बनी हैं। एक सीट केवल रामगढ़ ऐसी है जहां एनडीए गठबंधन की जीत हुई है। यहां से आजसू पार्टी की सुनीता चौधरी विधायक हैं। सुनीता चौधरी गिरिडीह सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी की पत्नी हैं।

सहानुभूति की लहर पर सवार बेबी देवी

चुनावी जानकारों की मानें तो जेएमएम ने दिवंगत जगरनाथ महतो की पत्नी बेबी देवी को मंत्री बनाकर अपना मोर्चा खोल दिया है। वहीं इससे यूपीए गंठबंधन की ओर से उम्मीदवार कौन होगा यह भी स्पष्ट हो गया है। वैसे जेएमएम इस चुनाव में जीत को लेकर आश्वस्त है। इस उपचुनाव में जहां जेएमएम प्रत्याशी बेबी देवी सहानुभूति की लहर पर सवार हैं, वहीं एनडीए अपने गठबंधन को लेकर विचार में है। एनडीए की ओर से अभी प्रत्याशी के नाम की घोषणा नहीं की गयी है।

आजसू पेश कर सकता है दावेदारी

चर्चा है कि यहां आजसू अपनी दावेदारी पेश करने वाला है। आजसू ऐसा इसलिए करना चाह रहा है क्योंकि साल 2019 के चुनाव में आजसू दूसरी सबसे बड़ी पार्टी थी। जबकि भाजपा तीसरे नंबर पर थी। हालांकि यह भी है कि आजसू और भाजपा के बीच वोटों का अंतर महज 827 ही रहा है।

साल 2019 के चुनाव में वोटों का आंकड़ा

जगरनाथ महतो, जेएमएम : 71128, यशोदा देवी, आजसू : 36840, प्रदीप कुमार साहू, भाजपा : 36018

साहिबगंज के रांगा में कुएं में गिरे बकरे को बचाने उतरे पिता-पुत्र की हुई मौत

पतना (आजाद सिपाही)। साहिबगंज जिले के रांगा थाना क्षेत्र अंतर्गत केंदुआ चौक में कुएं में गिरे बकरे (खस्सी) को निकालने उतरे पिता-पुत्र की दम घुटने से मौत हो गयी। हालांकि, बकरे की जान बच गयी. जानकारी के अनुसार, केंदुआ चौक निवासी इकबाल शेख (46 वर्ष) के आंगन में स्थित कुएं में बुधवार की दोपहर उसका बकरा गिर गया। बकरे को निकालने के लिये इकबाल ने अपने 19 वर्षीय पुत्र मुस्ताकिम शेख को नीचे उतारा। नीचे उतरने के बाद मुस्ताकिम दम घुटने की बात करते हुए अंदर में बेहोश हो गया। जिसके बाद इकबाल कमर में रस्सी बांधकर खुद नीचे उतरा और पुत्र मुस्ताकिम तथा बकरे को रस्सी से बांधकर ऊपर खड़े परिजनों को खींचने को कहा। परिजनों ने आस-पास के ग्रामीणों के सहयोग से रस्सी में बंधे मुस्ताकिम व बकरे को खींचकर बाहर निकाला एवं उसे इलाज के लिये कल्याण अस्पताल केंदुआ ले गये, जहां चिकित्सक ने युवक को मृत घोषित कर दिया। लेकिन अंदर किसी प्रकार का कोई हरकत नहीं हुआ। लेकिन आधा अंदर जाते ही ऑक्सीजन की कमी होने का बात करते हुए वे लोग वापस बाहर आ गये। जिसके बाद परिजन शोर मचाने लगे तथा मामले की जानकारी प्रशासन को दी। मामले की जानकारी मिलते ही पतना बीडीओ सुमन कुमार सौरभ, रांगा थाना के एसआई उमेश महतो, एएसआई ननका उरांव मौके पर पहुंचे। करीब 2 घंटे बाद स्थानीय ग्रामीणों ने रस्सी के सहारे कुएं से इकबाल को बाहर निकाला।

अब हाइकोर्ट की शरण में आइएएस छवि रंजन: निचली अदालत के निर्णय को दी चुनौती, डिफॉल्ट बेल देने की लगायी गुहार

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। रांची लैंड स्कैम के आरोपी आइएएस छवि रंजन अब हाइकोर्ट की शरण में गये हैं। उन्होंने पीएमएलए कोर्ट के आदेश को चुनौती देते हुए डिफॉल्ट बेल देने की गुजारिश की है। दरअसल आइएएस छवि रंजन की ओर से निचली अदालत में सीआरपीसी

की धारा 167 के तहत याचिका दाखिल की गयी थी। इस याचिका के तहत पुलिस और जांच एजेंसी को चार्जशीट दाखिल करने के लिए समय तय किया गया है। जिसे निचली अदालत ने खारिज कर दिया। अब वे हाइकोर्ट से न्याय करते हुए डिफॉल्ट बेल का अनुरोध कर रहे हैं।

जमानत याचिका भी स्पेशल कोर्ट से खारिज

मंगलवार को इडी की स्पेशल कोर्ट ने आर्मी जमीन घोटाला मामले में जेल में बंद आइएएस अधिकारी छवि रंजन की ओर से दाखिल जमानत याचिका को खारिज कर दिया है। इडी की विशेष अदालत के विशेष न्यायधीश दिनेश राय की अदालत में सुनवाई हुई थी। पांच अगस्त को हुई सुनवाई के बाद कोर्ट ने फैसला रख लिया था। मंगलवार को कोर्ट ने अपना फैसला सुनाते हुए जमानत याचिका को खारिज कर दिया।

छवि रंजन के वकील ने कोर्ट से क्या कहा

इडी की गिरफ्तारी के खिलाफ कोर्ट में छवि रंजन ने याचिका दाखिल करते हुए जमानत की गुजारिश की थी। सुनवाई के दौरान प्रार्थी के वकील ने कहा था कि छवि रंजन मामले में निर्दोष हैं। उन पर मनी लाउंड्रिंग का केस नहीं बनता है, इसलिए उन्हें जमानत दी जाये। इसका विरोध इडी के वकील शिव कुमार काका ने किया था। उनकी ओर से कहा गया था कि छवि रंजन फर्जीवाड़ा कर भूमि खरीद-बिक्री मामले के मुख्य सूत्रधार हैं। इन्हें जमानत नहीं देनी चाहिए।

कैसे हुआ था आर्मी लैंड स्कैम का खुलासा

सेना के कब्जे वाली 4.55 एकड़ जमीन की खरीद-बिक्री में फर्जीवाड़ा का खुलासा सबसे पहले आयुक्त की जांच रिपोर्ट में हुआ था। रिपोर्ट में यह बात सामने आयी थी कि प्रदीप बागची नामक व्यक्ति ने फर्जी रैयत बनकर जगत बंधु टी इस्टेट प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक दिलीप कुमार घोष को उक्त जमीन बेची है। जमीन की खरीद-बिक्री के लिए रजिस्ट्री में प्रदीप बागची ने जिन होल्डिंग नंबर से संबंधित दो अलग-अलग कागजातों को लगाया था, वह जांच में फर्जी मिले थे।

www.epaper.azadsipahi.in

10 अगस्त, 2023
सावन, कृष्ण पक्ष, नवमी
संवत 2080
पृष्ठ : 14, मूल्य : ₹3.00

रांची
गुरुवार, वर्ष 08, अंक 291

कलम कलम बढ़ाये जा

आजाद सिपाही

यूपी विधानमंडल के मानसून सत्र में वित्तमंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि सरकार की पुरानी पेंशन योजना को लागू करने की कोई योजना नहीं है।

न्यूज रील्स

केजरीवाल ने आएनडीआइए सांसदों का धन्यवाद किया

नयी दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को भी चिट्ठी लिखी है। अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली सर्विस बिल पर आम आदमी पार्टी का समर्थन करने वाले विपक्षी सांसदों को चिट्ठी लिखी है। केजरीवाल ने चिट्ठी के जरिये विपक्षी गठबंधन आइएनडीआइए के सांसदों को धन्यवाद दिया है। उन्होंने खासकर पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह और झामुमो सुप्रीमो शिबू सोरेन का आभार व्यक्त किया।

आदिवासी भारत के पहले निवासी, भाजपा वनवासी मानती है: राहुल

बांसवाड़ा। विश्व आदिवासी दिवस पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी राजस्थान के मानगढ़ धाम पहुंचे। सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आदिवासी भारत के पहले मालिक हैं। यह जो हमारी जमीन है, जिसे आज हम भारत कहते है, यह जमीन आदिवासियों की जमीन थी। यह मुझे मेरी दादी इंदिरा गांधी ने बताया है, लेकिन भाजपा आदिवासियों को आदिवासी नहीं वनवासी कहती है। यह आदिवासियों और भारत माता का अपमान है।

उत्तराखंड में लैंडस्लाइड से दो बच्चों की मौत, होटल ढहा

नयी दिल्ली। उत्तराखंड में पिछले 24 घंटे से भारी बारिश जारी है। बुधवार सुबह लैंडस्लाइड से 2 बच्चों की मौत हो गयी। रामपुर में होटल बह गया और उत्तरकाशी में सड़क टूट गयी। पौड़ी गढ़वाल और काठगोदाम में फंसे करीब 165 लोगों को रेस्क्यू किया गया। जम्मू-कश्मीर में लैंडस्लाइड के चलते जम्मू-श्रीनगर नेशनल हाइवे बंद कर दिया गया। अमरनाथ यात्रा रोकनी पड़ी।

गुरुजी के साथ सीएम ने किया झारखंड आदिवासी महोत्सव 2023 का उद्घाटन

गुरुजी का शिक्षा पर जोर, हेमंत ने की एक होने की अपील

- मणिपुर हिंसा में मारे गये लोगों को दी गयी श्रद्धांजलि, रखा गया मौन
- डाक टिकट और आदिवासियों पर केंद्रित 35 पुस्तकों का लोकार्पण

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। राज्य समन्वय समिति के अध्यक्ष और सांसद शिबू सोरेन ने कहा है कि सभी आदिवासी समुदाय की संस्कृति एक जैसी है। आदिवासियों से मेरा आग्रह है कि वे अपने बच्चे-बच्चियों को शिक्षित जरूर करें। जब बच्चे शिक्षित होंगे, तभी आदिवासी समुदाय उन्नति के मार्ग पर आगे बढ़ेगा। दिशोम गुरु बुधवार को यहां विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर झारखंड आदिवासी महोत्सव 2023 के उद्घाटन समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे । उन्होंने कहा कि आदिवासी महोत्सव पूरे उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। यह महोत्सव आदिवासी समुदाय की एकजुटता और आपसी भाईचारा को दर्शाता है। आने वाली पीढ़ी भी इसी तरह अपनी संस्कृति और सभ्यता से जुड़ी रहे, इसके लिए उन्हें प्रेरित करने की आवश्यकता है।

आदिवासी जीवन दर्शन और लोक संस्कृति को अलग पहचान देने का प्रयास

इस अवसर पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि आज विश्व आदिवासी दिवस है। इस अवसर पर दो दिवसीय झारखंड आदिवासी महोत्सव-2023 के उद्घाटन समारोह में शामिल होने का मौका मिला है। इस महोत्सव के अपने मायने हैं। इस कार्यक्रम में देश के विभिन्न राज्यों से आये हुए आदिवासी समूह अपना नृत्य एवं गायन तो प्रस्तुत करेंगे ही, साथ ही आदिवासी समाज की समस्या एवं अन्य सम-सामयिक विषयों पर विमर्श का भी कार्यक्रम रखा गया है। इस महोत्सव से आदिवासी जीवन दर्शन और लोक संस्कृति को एक अलग और विशिष्ट पहचान मिलेगी।

एकजुट होकर लड़ें और आगे बढ़ें : हेमंत

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर मैं देश के 13 करोड़ से ज्यादा आदिवासियों भाइयों-बहनों से एक होकर लड़ने एवं बढ़ने की अपील करता हूं। गोंड, मुंडा, भील, कुकी, मीणा, संथाल, असुर, उरांव, चेरो आदि सभी को एकजुट होकर सोचना होगा। आज देश का आदिवासी समाज बिखरा हुआ है। हम जाति-धर्म-क्षेत्र के आधार पर बंटे हुए हैं, जबकि सबकी संस्कृति एक है। खून एक है, तो समाज भी एक होना चाहिए। हमारा लक्ष्य भी एक होना चाहिए। हमारी समस्या की बनावट लगभग एक जैसी है, तो हमारी लड़ाई भी एक होनी चाहिए।

नृत्य, संगीत के साथ-साथ संघर्ष आदिवासी समाज की है पहचान

मुख्यमंत्री ने कहा कि नृत्य, संगीत के साथ-साथ सदैव संघर्ष आदिवासी समाज की मुख्य पहचान है। आज जब मैं आदिवासी महोत्सव के मंच से बोल रहा हूं, तो बिना झिझक कहना चाहूंगा कि देश के विभिन्न क्षेत्रों में हमारे आदिवासी भाई-बहन प्रताड़ना झेलने को विवश हैं, अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ने को मजबूर हैं। क्या मध्य प्रदेश, क्या मणिपुर, क्या राजस्थान, क्या छत्तीसगढ़, क्या गुजरात, क्या तमिलनाडु, हर जगह आदिवासी संघर्षरत है। मणिपुर में हजारों घर जल कर तबाह हो गये हैं, सैकड़ों लोगों को मारा गया है, महिलाओं की इज्जत के साथ खिलवाड़ किया गया है। दरअसल यह सदियों से चले आ रहे संघर्ष का ही विस्तार है। संघर्ष है वर्चस्ववादी ताकतों और समानता तथा भाइचारे की ताकतों के बीच। संघर्ष है धार्मिक कट्टरपंथियों और 'जियो और जीने दो' की उदार ताकतों के बीच। संघर्ष है भविष्यवादी, भाग्यवादी चिंतकों और वर्तमान को समृद्ध करने वाली शक्तियों के बीच। संघर्ष है प्रकृति पर कब्जा करने वाली विनाशकारी शक्तियों एवं प्रकृति का सहयोगी-सहभोगी बन कर रहने वाली श्रमजीवी एवं साहसी शक्तियों के बीच।

देखें आखिरी पेज भी...

संसद का मानसून सत्र : मोदी सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर हुई चर्चा

एक वोट से गिरी थी अटलजी की सरकार, हमारा वह चरित्र नहीं: अमित शाह

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। कांग्रेस द्वारा मोदी सरकार के खिलाफ लाये गये अविश्वास प्रस्ताव पर लोकसभा में लगातार दूसरे दिन बहस जारी रही। गृह मंत्री अमित शाह ने चर्चा के दौरान विपक्ष को जमकर घेरा, खरीखोटी सुनायी। शाह ने कहा कि अविश्वास प्रस्ताव संवैधानिक प्रक्रिया है, हमें इसमें कोई आपत्ति नहीं है। इससे राजनीतिक दलों और पार्टियों के चरित्र उजागर होते हैं। मैं तीन प्रस्तावों का जरूर जिक्र करना चाहूंगा। दो प्रस्ताव हम लेकर आये थे। एक एनडीए सरकार के खिलाफ आया। जुलाई

1993 में नरसिंह राव जी की सरकार थी, अविश्वास प्रस्ताव आया। कांग्रेस का मूल सिद्धांत है, येन-केन प्रकारेण सत्ता में बने रहना। नरसिंह राव जी की सरकार जीत गयी, लेकिन बाद में कई लोगों को जेल की सजा हुई, क्योंकि झारखंड मुक्ति मोर्चा को घूस देकर यह जीत हासिल की गयी।

गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर भी जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि इस सदन में एक ऐसे नेता हैं, जिन्हें आज तक 13 बार राजनीति में लांच किया गया है और वह हर बार फेल हुए हैं।

अमित शाह ने कहा कि मोदी सरकार ने पूर्वोत्तर राज्यों के लिए काफी अहम कदम उठाये हैं। कांग्रेस के साथी कहते हैं कि हम पूर्वोत्तर राज्यों के लिए कुछ नहीं कर रहे। वहां सिर्फ हिंसा ही हिंसा हो रही है। मैं बताना चाहूंगा कि यूपीए के समय पूर्वोत्तर राज्य जल रहे थे। हमनें उस पर लगाम लगाने का काम किया है। वहां उग्रवादी घटनाएं कम हुई हैं।

शाह ने कहा कि मणिपुर में हिंसा का तांडव हुआ। हिंसक घटनाएं हुईं। वहां जो कुछ भी हुआ, वह शर्मनाक है। उस पर राजनीति करना उससे भी ज्यादा शर्मनाक है। यह भ्रांति देश की जनता के सामने फैलायी गयी है कि सरकार चर्चा के लिए तैयार नहीं है। मैं यह साफ करना चाहता हूं कि सत्र आहूत होने से पहले मैंने स्पीकर को पत्र लिखकर मणिपुर पर चर्चा के लिए कहा था।

मणिपुर में भारत माता की हत्या हुई: राहुल गांधी

नयी दिल्ली (आजाद सिपाही)। संसद के मानसून सत्र में अविश्वास प्रस्ताव पर दूसरे दिन की बहस राहुल गांधी के भाषण से शुरू हुई। राहुल ने अपने 35 मिनट के भाषण में भारत जोड़ो यात्रा और मणिपुर पर बात की। राहुल ने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री आज तक मणिपुर नहीं गये। उनके लिए मणिपुर हिंदुस्तान नहीं है। मैं रिलीफ कैंप गया। महिलाओं-बच्चों से बात की। प्रधानमंत्रीजी ने आज तक ऐसा नहीं किया। उन्होंने कहा कि सेना एक दिन में वहां शांति ला सकती है। आप ऐसा नहीं कर रहे हो, क्योंकि आप हिंदुस्तान में मणिपुर को मारना चाहते हो। आप भारत माता के रखवाले नहीं, आप भारत माता के हत्यारे हो। उन्होंने कहा कि भारत एक आवाज है। जनता की आवाज है, दिल की आवाज है। उस आवाज की हत्या

कांग्रेस ने संकेत दे दिया कि किसके मन में गद्दारी है: स्मृति इरानी

नयी दिल्ली (आजाद सिपाही)। केंद्रीय मंत्री स्मृति इरानी ने कहा कि पहली बार राष्ट्र के इतिहास में भारत मां की हत्या की बात की गयी। कांग्रेस पार्टी यहां तालियां बजाती रही। जो भारत की हत्या की बात पर तालियां पीटते हैं, इस बात का संकेत पूरे देश को दिया कि मन में गद्दारी किसके है। मैं आज हिंदुस्तानी होने के नाते कहती हूं कि मणिपुर खंडित-विभाजित नहीं है, मेरे देश का अंग है। इन्हीं के अलायंस के सदस्य ने तमिलनाडु में कहा कि भारत का मतलब मात्र उत्तर भारत नहीं है। राहुल के अंदर हिम्मत हो, तो वे अपने साथी के बयान का खंडन करें। कांग्रेस के एक साथी ने कश्मीर में रेफरेंडम की बात की। आप में हिम्मत हो तो कश्मीर को देश से अलग करने की साजिश में उसका क्या रोल है, आप बतायें। आप भारत नहीं हैं।

भ्रष्टाचार, वंशवाद और तुष्टिकरण भारत छोड़ो: मोदी

- भारत छोड़ो आंदोलन दिवस पर प्रधानमंत्री ने दिया संदेश

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नौ अगस्त को भारत छोड़ो आंदोलन दिवस के मौके पर वीडियो संदेश जारी किया। इसमें उन्होंने भारत छोड़ो आंदोलन में भाग लेने वाले स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि देश के विकास में कुछ बुराइयां रुकावट बन रही हैं। इसलिए आज भारत एक स्वर में कह रहा है कि भ्रष्टाचार भारत छोड़ो, वंशवाद भारत छोड़ो और तुष्टिकरण भारत छोड़ो। प्रधानमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार बुधवार से मेरी माटी-मेरा देश अभियान की भी शुरुआत कर रही। 30 अगस्त तक चलने वाले इस अभियान के तहत देशभर में शहीदों के सम्मान में कार्यक्रम होंगे। शहीदों की याद में स्मारक पट्टिका लगायी जायेंगी, जिनमें प्रधानमंत्री मोदी का संदेश भी होगा। इसके अलावा तीनों सेनाओं के जवान देशभर की ग्राम पंचायतों का दौरा करेंगे। प्रधानमंत्री ने कहा कि नौ अगस्त की तारीख भारत के सबसे बड़े आंदोलनों की साक्षी रही है।

सीएम की 'आदिवासियत' दिखी झारखंड आदिवासी महोत्सव में

देश स्तर पर आदिवासियों का बड़ा चेहरा बन कर उभरे हेमंत सोरेन

अजय शर्मा

रांची (आजाद सिपाही)। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन आदिवासी दिवस के मौके पर पूरी तरह 'आदिवासी रंग' में नजर आये। झारखंड आदिवासी महोत्सव के उद्घाटन समारोह में अपने संबोधन में आदिवासियों को अपने हक अधिकार और संस्कृति के लिए एक सूत्र में बंधे रहने का आह्वान कर गये। बुधवार को आयोजित कार्यक्रम में आत्मविश्वास से लबरेज मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में जो कुछ कहा, उससे साफ था कि यह आवाज दूर तलक जायेगी। सीएम आदिवासियों के दर्द को समझते हैं। उनके हक और आवाज के लिए समय-समय पर हर फोरम में आवाज उठाते रहते हैं। मुख्यमंत्री सबसे ज्यादा आहत मणिपुर की घटना से थे। एक घटना का जिक्र कर वह यह बताने की कोशिश कर रहे थे कि देश भर के आदिवासी इसी तरह के प्रताड़ना को झेलने के लिए मजबूर हैं। इसलिए संघर्ष का समय आ गया है। इसके लिए देश भर के

आदिवासियों को एकजुट होना होगा। तभी उनका हक मिल सकता है। हाल के दिनों में हेमंत सोरेन देश भर में बड़ा आदिवासी चेहरा बन कर तेजी से उभरे हैं। आदिवासी दिवस के मौके पर उनका दर्द छलक कर उस समय सामने आ गया, जब उन्होंने कहा कि केंद्र तथा राज्य में सरकार किसी की भी हो, हमारी व्यवस्था कितनी निर्दयी है कि कभी पता भी नहीं लगाया गया कि विस्थापित हुए लोग आखिर कहां गये, किसका पलायन हुआ। सीएम ने किसी दल का नाम लिये बगैर जो कुछ कहा, राजनीतिक विशेषज्ञ भले ही उसके मायने निकालते रहेंगे, लेकिन इतना साफ है कि वह आदिवासियों के बीच यह संदेश देने में कामयाब हो गये कि उन्हें एकजुट होना ही होगा और एकजुट रहना ही होगा। बकौल सीएम, संघर्ष है धार्मिक कट्टरपंथियों और जियो एवं जीने दो जैसी उदारवादी सोच के बीच। संघर्ष है प्रकृति का विनाश करने वाले तत्व एवं प्रकृति की रक्षा में लगे लोगों के बीच। अपने संबोधन में उन्होंने आदिवासी समुदाय से कहा कि हमारी समस्या अगर एक है, तो लड़ाई भी एक होनी चाहिए। सीएम चाहते हैं कि आदिवासियों को उनका हक और अधिकार हर हाल में मिले। देश के किसी भी कोने में उन्हें प्रताड़ना नहीं झेलना पड़े।

आजाद सिपाही
रांची, गुरुवार, 10 अगस्त, 2023
www.azadsipahi.in

हजारीबाग और कोडरमा में मना आदिवासी दिवस

आजाद सिपाही संवाददाता

हजारीबाग। जिला कांग्रेस कार्यालय कृष्ण बल्लभ आश्रम में अगस्त क्राति दिवस तथा अंतरराष्ट्रीय आदिवासी दिवस आदिवासी गौरव पर्व के रूप में धूम-धाम से मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जिला अध्यक्ष शैलेन्द्र कुमार यादव ने कहा कि विश्व आदिवासी दिवस आदिवासियों के सम्मान में मनाया जाता है। सन 1994 में संयुक्त राष्ट्र में 09 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस घोषित किया था। विश्व के स्वदेशी लोगों का अंतरराष्ट्रीय दिवस या विश्व आदिवासी दिवस विश्व की स्वदेशी आबादी के बारे में जागरूकता बढ़ाने और उनके अधिकारों की रक्षा करने के लिए प्रत्येक वर्ष 09 अगस्त को मनाया जाता है । उन्होंने कहा कि अगस्त क्राति दिवस में हमारे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने भारत छोड़ो आंदोलन का अहवान किया था। कार्यक्रम का संचालन इंटक के जिला अध्यक्ष मिथिलेश दूबे व महानगर अध्यक्ष मनोज नारायण भगत तथा धन्यवाद ज्ञापन वरिष्ठ कांग्रेसी अशोक देव ने किया। कार्यक्रम में जिला उपाध्यक्ष सह प्रवक्ता निसार खान, युवा कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष कुमार रौशन, शिला टोप्पनो, मनिषा टोप्पो, रूप कुमारी टोप्पनो, सुमन मिंज, कुमारी बाखला, सिमरोला एक्का, विन्नी प्रिस्का टोप्पनो, शंकर टुडू, ओलेनसिया एक्का मुक्ति लता तिडू, प्रिती टोपनो, सुमंती बास्के, सुखराम टोप्पो, जॉन पाल, सुखराम टोप्पो, असगरी अंजूम, बेबी देवी प्रखंड अध्यक्षों में विकास यादव, अब्बास अंसारी, राम जन्म राय, नरसिंह प्रजापति, नौशाद आलम, अब्दुल मनान वारसी, सत्यनारायण प्रसाद, बिनोद सिंह, दिलीप कुमार रवि, लाल बिहरी सिंह, मकसूद आलम, डॉ. प्रकाश कुमार, सरयु यादव, कृष्णदेव प्रसाद सिंह, ललितेश्वर प्रसाद चौधरी, मो. मुस्ताक, प्रकाश यादव, अंतत मेहता, निजामुद्दीन अंसारी, परवेज अहमद, देवधारी प्रसाद मेहता, सलीम रजा, नरेश गुप्ता, चन्द्र शेखर आजाद, रविंद्र प्रताप सिंह, सुनिल अग्रवाल, भैया असीम कुमार समेत कई कांग्रेसी उपस्थित थे।

सेक्रेड हार्ट स्कूल में प्रतियोगिता का आयोजन

कोडरमा। आदिवासी दिवस के अवसर पर सेक्रेड हार्ट स्कूल में बुधवार को विविध प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इसमें झारखंड की संस्कृति पर आधारित पेंटिंग, मॉडल, पोस्टर मेकिंग और भाषण प्रतियोगिता शामिल है। प्रतियोगिता में सभी वर्गों से लगभग 100 से अधिक बच्चों ने हिस्सा लिया था। यह कार्यक्रम एकेडमिक डायरेक्टर प्रमोद शर्मा के निर्देशन में हुआ। कार्यक्रम में कुंतल जेठवा, अलका सिंह, प्रियंका सिंह और रजनी बाला का काफी सहयोग रहा। मौके पर प्राचार्य नवीन कुमार ने कहा कि झारखंड की अपनी अलग संस्कृति और प्रकृति है। यहां का खानपान, भाषा, रंग-रूप, पहनावा देश भर में विख्यात है। वर्ग 6 के बच्चों में रिया यादव और और रोली यादव ने झारखंडी कल्चर पर मॉडल बनाया था, जिसे काफी सराहा गया। वहीं आयुषी प्रगति, रूपा पांडेय, दिव्यानी कुमारी, राजनंदिनी, अनिंदिता कुमारी, इशिका सिंह, सादिया मसूद, जीतू कुमार, शौर्य कुमार, सौम्या कुमारी, प्रियांशी, आयुषी, उज्ज्वल, पायल, गौरी गुंजन, सुभिक्षा, स्वस्तिका, मोनिका, वंशम राज, प्रथम श्री, सौम्य प्रभात, सोमेश कुमार और श्वेता कुमारी के द्वारा बनाये गये पेंटिंग्स को काफी सराहा गया।

क्रांति दिवस पर डोमचांच में निकला तिरंगा यात्रा

डोमचांच। नगर पंचायत में इस वर्ष भी डोमचांच युवा शक्ति-एक नई सोच की पूरी टीम ने 9 अगस्त को तिरंगा यात्रा निकाला। डोमचांच हाई स्कूल मैदान से शहीद स्मारक, गिरिडीह रोड होते हुए महेशपुर चोक, काली मंडा, ढाब रोड, पुनः शहीद स्मारक होते हुए हाईस्कूल मैदान समाप्त हुआ। कार्यक्रम में डोमचांच के विभिन्न विद्यालयों ने अपने बच्चों के साथ उपस्थित होकर एक से बढ़कर एक झांकियों का प्रदर्शन किया। इस कार्यक्रम में स्कूल के बच्चों ने अलग अलग झांकियां प्रस्तुत करते हुए भारत माता, महात्मा गांधी, स्वामी विवेकानंद, रानी लक्ष्मी बाई के मंगल पांडे, खुदीराम बोस के अलावे अन्य झांकियों को प्रस्तुत किया। तिरंगा यात्रा में जिला परिषद अध्यक्ष रामधन यादव, पूर्व जिप अध्यक्ष शालिनी गुप्ता, प्रमुख सतनारायण यादव, जिप सदस्य शांतिप्रिया, महेंद्र प्रसाद वर्मा, बसंत मेहता, रोहित मेहता, भारत नारायण मेहता, कुमोद देवी, कामिनी देवी, पप्पू मेहता के अलावे कई लोग शामिल हुए।

उरेज गांव में आदिवासी दिवस मनाया गया

बड़कागांव। प्रखंड के अति सुंदर ग्रामीण क्षेत्र उरेज गांव में अंतरराष्ट्रीय आदिवासी दिवस मनायी गयी। जिसकी अध्यक्षता खरवार भोक्ता समाज विकास संघ के जिला उपाध्यक्ष जागेश्वर गंझु व संचालन एतवा गंझू ने किया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि खरवार भोगता विकास संघ के केंद्रीय कोषाध्यक्ष कोलेश्वर गंझु व उपस्थित सदस्यों के द्वारा बिरसा मुंडा की तस्वीर पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दिया गया तत्पश्चात कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

मौके पर कालेश्वर गंझू ने कहा कि देश के आजादी में हम आदिवासियों का सबसे बड़ा योगदान रहा है, देश को आजाद कराने में हजारों आदिवासियों ने कुर्बानी दी थी। विकास के मामले में आदिवासी आज भी काफी पिछड़े हुए हैं हमें शिक्षा पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से खरवार भोगता समाज विकास संघ के केंद्रीय कोषाध्यक्ष कालेश्वर गंझू, बड़कागांव प्रखंड के संगठन मंत्री महावीर गंझू, जागेश्वर गंझू, खेतवा गंझू, छोटा मुंडा, गोवर्धन गंझू, नागेश्वर गंझू, कामेश्वर गंझु, रुदल गंझू, रविंद्र गंझू, रितु गंझू, अजय कुमार गंझू, दिलीप गंझू, सहित अन्य शामिल थे।

आदिवासी सेंगेल अभियान ने मनाया विश्व आदिवासी दिवस

विष्णुगढ़। आदिवासी सेंगेल अभियान के हजारीबाग जिला अध्यक्ष सह मड़मो पंचायत समिति सदस्य बहराम हंसदा के नेतृत्व में मड़मो पंचायत के डुमारिया गांव में विश्व आदिवासी दिवस का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि आदिवासी सेंगेल अभियान के बोकारो जोनल हेड आनंद टुडू, सेंगेल ओनोलिया वीरेंद्र कुमार बास्के,खेमलाल सोरेन और अन्य उपस्थित थे।

मुख्य रुप से उपस्थित आदिवासी सेंगेल अभियान बोकारो जोनल हेड आनंद टुडू सेंगेल राइटर बिरेंदर बास्के हजारीबाग जिलाध्यक्ष बहराम हांसदा जिला सरना धर्म माड़वा अध्यक्ष बहराम मरांडी मुखिया प्रतिनिधि अजय मिर्धा वार्ड सदस्य रेशमी देवी खेमलाल सोरेन सनीचर सोरेन सोमार हेमब्रोम अर्जुन मरांडी सिताराम सोरेन बसंती टुडू फूलचंद मरांडी काजल हांसदा नेहा हांसदा रुपमानी सोरेन के साथ सेकड़ो उपस्थित थे।

नवादा में फुटबॉल टूर्नामेंट

विष्णुगढ़ (आजाद सिपाही)। प्रखंड के नवादा स्थित चरनखिया में शहीद निर्मल महतो के शहीद दिवस के मौके पर काजी नगर स्पोर्टिंग क्लब टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। उद्घाटन फीता काटकर व किक मारकर मांडू विधानसभा के झामुमो युवा नेता गौरव पटेल ने किया। टूर्नामेंट में कुल 16 टीमें भाग लिया। मौके पर मुख्य अतिथि गौरव पटेल ने खिलाडियों को बेहतर खेलने व जितने कि बात कही। साथ ही कहा कि स्वस्थ जीवन में खेल की अहम भूमिका है। इस अवसर पर मुखिया प्रतिनिधि निजाम अंसारी, पंसस इबरार अंसारी, सदर इसाक अंसारी, दिलेर आजाद, मनौवर आलम, बीस सूत्री उपाध्यक्ष छोटेलाल बेसरा, राणा इकबाल खान, राजू श्रीवास्तव, विष्णुगढ़ उपमुखिया अनुराग बर्मन, देवीराम हेंब्रम, तनवीर आलम, जहांगीर अंसारी, अफजल अंसारी, रफीक अंसारी, एजाज अंसारी उपस्थित थे।

आइ फ्लू से बचाव के लिए सावधानी बरतें: डॉ आरसी मेहता

हजारीबाग (आजाद सिपाही)। बरसात के मौसम में हवा में नमी होने के कारण कंजेक्टिवाइटिस आइफ्लू की समस्या इपिडेमिक रूप से मौसमी आइफ्लू फैल रहा है। आमतौर पर आइफ्लू या आंख आना एक वायरश बैक्टीरिया जनीत संक्रमक रोग है, जो ज्यादातर एक संक्रमित रोगी के संपर्क में आने पर दूसरे व्यक्ति को होता है। कंजेक्टिवाइटिस से बचाव हेतु संक्रमित व्यक्ति के संपर्क वाले सामानों से दूरी बनावे। स्वच्छता पर ध्यान रखें आंखों को साफ सुथरा रखें, अपनी आंखों को अपने हाथ से बिना हाथ धोवे न छुए। जब भी जरूरी हो हाथ धोकर आंख छुयें। अपनी निजी चीजों जैसे तालियां तकिया कंघी रुमाल कलम मोबाइल इत्यादि को सझा ना करें क्योंकि बिना निकट संपर्क के आंख में संक्रमण नहीं होता है आम गलतफहमी है कि किसी की आंखों में देखने से आइफ्लू हाता है जब तक आप प्रतक्ष्य-प्रतक्ष्य रुप से आंखों से निकलने वाले स्राव के संपर्क में नहीं आते हैं तब तक संक्रमण का जोखिम नहीं होता है। यह बातें मेहता हॉस्पिटल के निदेशक डॉ आरसी प्रसाद ने मेहता हॉस्पिटल के कार्यालय में कहा। उन्होंने आम जनता को सुझाव देते हुये कहा की आईफ्लू का इंफेक्शन होने से बचाव बेहतर है। सुझावों का पालन करते हुये बचाव हेतु आइटोन नाम की दवा सभी प्रतिष्ठित दवाखाना में मिलती है। दोनों आंख में एक-एक बूंद से बचाव हेतु लगावे। यदि बीमारी हो जाता है उस परिस्थिति में परिवार के सदस्यों से दूरी बनाते हुए काला चश्मा का प्रयोग करें।

केरेडारी में सहायक अध्यापक संघ की बैठक

केरेडारी (आजाद सिपाही)। सहायक अध्यापक संघ प्रखंड केरेडारी की एक आवश्यक बैठक कन्या मध्य विद्यालय केरेडारी में बुधवार को आयोजित किया गया। इस बैठक की अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष केशव राणा और संचालन प्रखंड के सचिव चंदन कुमार ने किया इस बैठक में पूर्व बैठक की समीक्षा करते हुये वर्तमान समय में जो सहायक अध्यापक सेवानिवृत हो रहे हैं उनके लिए विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन करना है तथा एक सहायक अध्यापक विनोद कुमार ठाकुर गुड़गुटिया विद्यालय के सहायक अध्यापक का सड़क दुर्घटना हो गई जो रांची प्राइवेट अस्पताल में इलाजरत हैं उनके आर्थिक सहयोग पर विचार किया गया इसके साथ ही सीआरसी केरेडारी का पुनर्गठन किया गया इसमें सर्व सम्मति से राजेंद्र प्रसाद साव को अध्यक्ष, चंचला देवी को सचिव, विराज महतो को उपाध्यक्ष तथा मोहन महतो को कोषाध्यक्ष के रूप में दायित्व सौंपा गया है सहायक अध्यापक के प्रति सरकार की वादा खिलाफी पर भी असंतोष व्यक्त किया गया और यह भी चर्चा किया गया कि सरकार अभिलंब वेतनमान देने पर विचार करें नहीं तो सहायक अध्यापक गण राज्य स्तरीय आंदोलन करने को मजबूर होंगे इस बैठक में मुख्य रूप से प्रखंड कोषाध्यक्ष महेश राम, अक्षयवट दुबे, संजय कुमार साह, झनकू मिस्त्री, मिथिलेश कुमार, मुकेश कुमार, बालकिशुन महतो, उर्मिला देवी, प्रेमलता कुमारी, सुनीता कुमारी, ललिता कुमारी, कालेश्वर कुमार सहित कई सहायक अध्यापक मौजूद थे।

मतदाता सूची पुनरीक्षण को लेकर बीडीओ ने किया डोर टू डोर निरीक्षण

जयनगर (आजाद सिपाही)। प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों में प्रखंड विकास पदाधिकारी अरुण कुमारी और पंचायती राज पदाधिकारी वीरेंद्र कुमार ने डोर टू डोर मतदाता पुनरीक्षण कार्य को लेकर जांच और निरीक्षण किया। प्रखंड विकास पदाधिकारी अरुणा कुमारी ने सभी तरह के विद्यालय और घर-घर जाकर बीएलओ के द्वारा किये जा रहे मतदाता सूची में अंकित पन्ना की बारीकी से जांच की और त्रुटि पूर्ण सूची को सही ढंग से निष्पादित करने का निर्देश दिया। उन्होंने फॉर्म 6, 7, 8 भरने में ग्रामीणों से सहयोग करने की अपील की। उन्होंने मतदाता सूची में नये मतदाताओं का नाम जोड़ने के साथ धुंधला पड़ चुके फोटो में साफ फोटो लगाने का निर्देश दिया। साथ ही मृत हो चुके लोगों का नाम हटाने जिनका भी नाम दो स्थानों पर चल रहे, उसे हटाने को भी कहा। मौके पर उप मुखिया कुंदन गुप्ता, समाजसेवी वीरेंद्र कुमार सहित कई लोग मौजूद थे।

पुलिस ने 81 किलो अवैध अफीम का डोडा किया जब्त

बड़कागांव (आजाद सिपाही)। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर बड़कागांव पुलिस अनुमंडलीय पदाधिकारी अमित कुमार सिंह के नेतृत्व में बड़ी करवाई करते हुए बड़कागांव प्रखंड के 13 माइल से 81 किलो अवैध अफीम का डोडा तथा एक सफेद रंग का मारुति बेन (बीआर 33 E 9977) पकड़ाकर बड़कागांव थाना परिसर लाया गया। जिसके विरुद्ध बड़कागांव थाना कांड संख्या 260/23 के तहत धारा 15(C),22(C) स्वापक औषधि और मनप्रभावी पदार्थ अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। बताते चलें कि कुछ अज्ञात मनचल लोग मारुति बेन में 6 प्लास्टिक बोरी में अवैध अफीम का डोडा बाहर लें जा रहा था लेकिन पुलिस ने मनचले लोग का नापाक मंसूबों पर पानी फेर दिया। पुलिस को आतें देख मनचले लोग गाड़ी छोड़ भाग गयें। करवाई एस आयी प्रदीप कुमार महतो के अलावे पुलिस जवान के सशस्त्र दल शामिल थे।

धनबाद महापड़ाव में सीटू के सैकड़ों लोग हुए शामिल

झुमरीतिलैया (आजाद सिपाही)। केंद्र सरकार की मजदूर किसान विरोधी, जनविरोधी व राष्ट्रविरोधी विनाशकारी नीतियों के खिलाफ तथा वैकल्पिक नीतियों के लिए कॉरपोरट लुटेरों भारत छोड़ो के नारों के साथ केंद्रीय ट्रेड यूनियनों के आह्वान पर बुधवार 9 अगस्त को रणधीर वर्मा चौक स्थित गांधी सेवा सदन मैदान धनबाद में मजदूर कर्मचारियों के क्षेत्रीय महापड़ाव में कोडरमा जिला से सीटू से संबद्ध झारखंड राज्य निर्माण कामगार यूनियन, माईका वर्कर्स यूनियन और आंगनबाड़ी यूनियन से सैकड़ों की संख्या में मजदूर कर्मचारियों ने हिस्सा लिया। धनबाद रेलवे-स्टेशन से जुलूस निकाल कर कॉरपोरट लुटेरों भारत छोड़ो, निजीकरण पर रोक लगाओ, मजदूर विरोधी लेबर कोड वापस लो, महंगाई पर रोक लगाओ, मोदी सरकार मुदार्बाद आदि नारे लगाते हुए आंदोलन स्थल पर पहुंचे। जुलूस का नेतृत्व सीटू प्रदेश सचिव संजय पासवान, जिला संयोजक रमेश प्रजापति, आंगनबाड़ी यूनियन की प्रदेश अध्यक्ष मीरा देवी, निर्माण कामगार यूनियन के राज्य संयुक्त सचिव प्रेम प्रकाश, माईका वर्कर्स यूनियन के महेन्द्र तुरी ने किया। सीटू नेता संजय पासवान ने कहा कि देश की भाजपानीत मोदी की सरकार किसानों, मजदूरों, नौजवानों के साथ धोखा तो कर ही रही है। आज महंगाई की मार इस कदर देश के गरीबों पर पड़ रहा है कि लोग भूखे सोने को मजबूर हैं। ऐसी स्थिति में मोदी सरकार समस्याओं के समाधान के बदले देश में नफरतों का बीज बोकर हिंदू और मुसलमान को लड़ाने का काम में लगी हुई है। जिस तरीके से मणिपुर में सांप्रदायिक उन्माद किये गये, औरतों के साथ जिस दरिंदगी से दंगाई पेश आये, वह देश की जनता को झकझोर कर रख दिया है। इस सरकार में संविधान और लोकतंत्र खतरे में है। ऐसी स्थिति में देश के किसान मजदूरों, छात्र नौजवानों तथा महिलाएं सड़क पर संघर्ष कर रहे हैं। आज देश को बचाने के लिए 2024 के आम चुनाव में मोदी सरकार को सत्ता से बेदखल करना होगा। महापड़ाव को सीटू से मीरा देवी ने भी सम्बोधित किया। महापड़ाव में शम्भु पासवान, नागेश्वर दास, अशोक रजक, राजेन्द्र पासवान, बद्री तुरी, बालेश्वर राम, रविन्द्र भारती, शिवनंदन भूइयां, सहदेव दास, नीलम पासवान, रेखा देवी, उषा देवी, मुनीया देवी, बारीक अंसारी, यशोदा देवी, गुड़िया देवी, गीता देवी, बिन्दवा देवी, सुमा देवी, नरेंद्र दास, काली तुरी, गुड़िया देवी, फुलवा देवी, सुनीता देवी, गिरधारी दास, अनीता देवी, गायत्री देवी, गुंजा कुमारी सहित पांच सौ से ज्यादा महिला पुरुष कोडरमा जिला से शामिल हुए।

मेरा माटी मेरा देश कार्यक्रम को लेकर बीडीओ ने की बैठक

पीएम आवास नहीं बनाने वालों पर एफआइआर करें: बीडीओ

आजाद सिपाही संवाददाता

बड़कागांव। बड़कागांव प्रखंड मुख्यालय में आजादी का अमृत महोत्सव मेरा माटी मेरा देश को लेकर बैठक हुई। इसकी अध्यक्षता प्रखंड विकास पदाधिकारी जितेंद्र कुमार पांडेय ने किया। इस बैठक में प्रखंड के मुखिया, पंचायत सेवक रोजगार सेवक और अन्य मनरेगा कर्मी भाग लिए। प्रखंड विकास पदाधिकारी जितेंद्र कुमार पांडेय ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि मेरा माटी मेरा देश कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए हर पंचायत में 75 -80 पौधे लगाना है। क्षेत्र में हरियाली बनाये रखने के लिए तालाबों के किनारे पेड़ पौधे लगाना है। स्वतंत्रता की लड़ाई लड़ने वाले स्वतंत्रता सेनानी व आंदोलनकारी, देश के जांबाज सिपाहियों आर्मी के नाम पेड़ पौधे लगाना है और शिलापट्ट में नाम अंकित किया जाना है।आप सभी मुखिया और पंचायत सेवक अपने-अपने पंचायतों में यह कार्यक्रम को सफल बनावे।

प्रखंड विकास पदाधिकारी पांडेय ने पंचायत सचिवों को निर्देश दिया कि 2016-17 एवं 18 में अधूरे पीएम आवास को पूरा नहीं करने वाले लोगों पर एफआइआर दर्ज करें। मौके पर प्रमुख फुलवा देवी मुखिया संघ के प्रखंड अध्यक्ष रंजीत कुमार मेहता, सीकरी पंचायत के मुखिया प्रभु महतोसिन्दवारी पंचायत के मुखिया करम राम, हरली पंचायत के मुखिया कविता देवी, महुगाई कला के मुखिया बेबी कुमारी, रोजगार सेवक सुबोध कुमार सिंह, युगेश्वर राम, सुरेंद्र कुमार, शंभू रविदास, तूफानी कुमार, पंकज कुमार, राजू कुमार, चंद्रशेखर आजाद, अजय कुमार, दीपक कुमार प्रजापति, दशरथ कुमार, संदीप कुशवाहा, मुकेश महतो, अशोक साव, संतोष कुमार, फजलुर रहमान, पंचायत सचिव खुश नारायण मेहता, अशोक नारायण तिवारी, विशेश्वर मेहता, पंकज कुमार गुप्ता, धनेश्वर प्रसाद, जगन्नाथ यादव अमित अन्य मौजूद थे।

पैसरा गांव में धोती-साड़ी का वितरण

बरकट्ठा (आजाद सिपाही)। प्रखंड क्षेत्र के पैसरा गांव सोना सोबरन योजना के तहत लाभुकों के बीच धोती साड़ी वितरण किया गया। यह कार्यक्रम राशन डीलर दुलारचंद महतो के यहां आयोजन किया गया। मौके पर मुख्य रूप से बीससुत्री प्रखंड अध्यक्ष प्रदीप कुमार मंडल, मुखिया चिंतामणि देवी, पूर्व मुखिया अशोक रविदास उपस्थित थे। मौके पर प्रदीप कुमार मंडल ने कहा झारखंड सरकार का यह महत्वाकांक्षी योजना है इससे गरीब लोगों को काफी फायदा होगी। इस योजना का लाभ सभी लोगों को आवश्यक रूप से लेना चाहिए। मौके पर जुगल राम, शंकर दयाल प्रसाद, कैला महतो, नारायण महतो, विमल महतो, भीखन पंडित, शांति देवी, राधा देवी, सेवली देवी, गौरी देवी, नंदिया देवी, रेनू देवी, सुमन देवी, लक्ष्मी देवी, मंजू देवी, गीता देवी समेत सैकड़ों लाभुक उपस्थित थे।

पूर्व विधायक ने क्रिकेट मैच का किया उद्घाटन

चलकुशा (आजाद सिपाही)। प्रखंड के सेवाटांड़ ग्राम पंदनाटांड़ में विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर एसटीएचबी क्लब पंदनाटांड़ के तत्वावधान में फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। फुटबॉल टूर्नामेंट मैच में पूर्व विधायक जानकी प्रसाद यादव के आगमण पर पंदनाटांड़ के आदिवासी भाइयों ने मांदर बजाकर तथा झूमर गाकर भव्य स्वागत किया। झूमर का मनोरंजन लेकर पूर्व विधायक भी ग्रामीणों के साथ खूब झूमर गये। पूर्व विधायक जानकी यादव ने मैच में सम्मलित होकर बिरसा मुंडा और सिधो-कान्हू के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर खिलाड़ियों से मिलकर हौसला को अफजाई किया। यह मैच प्रथम पाली आजाद हिंद क्लब गड़गी बनाम शांति निकेतन क्लब बेड़ोकला के बीच खेला गया। मौके पर मुखिया संघ अध्यक्ष आलोक सिंह, पूर्व मुखिया संघ अध्यक्ष चलकुशा दशरथ यादव, पंसस बाबूलाल यादव, दिनेश सिंह, तुलसी यादव, रविन्द्र यादव, अरुण यादव, गोविंद चौधरी, महेश मांझी आशीष पंडित, पवन मोदी, तथा सैकड़ो की संख्या में खेलप्रेमी उपस्थित थे।

डाकघर से 25 रुपये में तिरंगा खरीद कर घर में फहरायें

आजाद सिपाही संवाददाता

कोडरमा। आजादी के अमृत महोत्सव को लेकर स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर नागरिकों में देशभक्ति की भावना जागृत करने के लिए चलाये जा रहे हर घर तिरंगा अभियान को सफल बनाने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी देश के सर्वाधिक नेटवर्क वाले डाक विभाग को सौंप गई है। विभाग ने इसको लेकर तैयारी भी की है। फहराने के लिए घर-घर तिरंगा पहुंचे और इसीलिए विभाग ने सभी डाकघरों में झंडे की बिक्री शुरू कर दी है। कोडरमा जिले के अंतर्गत 96 ब्रांच डाकघर 13 उप -डाकघर और एक मुख्य डाकघर झुमरीतिलैया में पहले फेज में 2500 झंडे उपलब्ध कराये गये हैं और यह मात्र 25 रुपये में डाकघर के काउंटर पर खरीदे जा सकते हैं। ग्राहक काउंटरों से तिरंगा खरीदारी कर रहे हैं, तिरंगे कपड़े का बना हुआ है और उसका साइज मानक के अनुरूप है और इसके अलावा डाक विभाग ऑनलाइन तिरंगा भी सुनिश्चित करा रहा है। इंडिया पोस्ट की वेबसाइट पर जाकर कोई भी व्यक्ति तिरंगा की बुकिंग कर सकता है और दो-तीन दिनों के अंदर डाकिया उनके घर में तिरंगा पहुंचा देगा। अभियान का लक्ष्य है कि 13 अगस्त को हर घर पर तिरंगा लहराता दिखे। इधर हर घर तिरंगा को लेकर मुख्य डाकघर झुमरीतिलैया से एक जागरूकता रैली निकाली गयी इसमें डाक निरीक्षक अशोक मंडल के अलावा झुमरीतिलैया मुख्य डाकघर के पोस्टमास्टर ओम प्रकाश, नारायण घोलक के अलावा वरुण कुमार, बालमुकुंद यादव, टिंकू अवध्या, मंटू वर्मा, दीपक कुमार सिंह, रोशन कुमार, बाबूलाल सिंह, सौरभ कुमार, सुमन कुमार, वीरेंद्र कुमार मेहता, खुशबू कुमारी, नवनीता कुमारी आदि उपस्थित थे। कोडरमा के डाक निरीक्षक अशोक मंडल ने कहा कि हर घर तिरंगा फहराने में तिरंगा की उपलब्धता में बाधा ना आये इसलिए ऑनलाइन तरीके से भी तिरंगा उपलब्ध कराने की व्यवस्था डाकघर ने की है। ताकि जिले के हर घर में तिरंगा फहरा सके। उन्होंने कहा कि किसी संस्था राजनीतिक दल स्कूल कॉलेज को थोक में झंडे चाहिए तो वह एडवांस बुकिंग नगद राशि देकर करा सकता है ।

पूरे राज्य में 108 एंबुलेंस सेवा ठप, लोग परेशान

आजाद सिपाही संवाददाता

हजारीबाग। अपने 5 महीने का बकाया वेतन की मांग को लेकर झारखंड के 337 (108 एंबुलेंस) चालक दल के लगभग 1500 लोग 8 अगस्त से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गये हैं। इस संबंध में चालक लोग संबंधित जिले के उपायुक्त सिविल सर्जन और राज्य सरकार से वेतन भुगतान करने की गुहार लिखित रूप से की है, पर इसका कोई असर नहीं हुआ तो यह लोग अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने को बात हुई। इस संबंध में सीपीएम नेता गणेश कुमार सीटू ने मुख्यमंत्री, झारखंड को फैक्स के माध्यम से मांग पत्र सौंप कर मांग की है, कि झारखंड में लगभग 24 सदर अस्पताल है। इन अस्पतालों में प्रतिदिन सैकड़ों की संख्या में मरीज रेफर होकर सरकार के छः सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल, एक एम्स और दो निजी मेडिकल कॉलेज अस्पताल मैं जाते हैं। कई मेडिकल कॉलेज के मरीज भी रिम्स रांची जाते हैं। सिर्फ हजारीबाग के शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल से प्रतिदिन 20 से 25 मरीज रिम्स रेफर होते हैं। सड़क दुर्घटना हो या प्राकृतिक आपदा में घायल होने वाले लोगों को भी तत्काल 108 एंबुलेंस लेकर संबंधित अस्पताल में जाते हैं। इससे सैकड़ों लोगों की जान प्रतिदिन बच जाती थी, लेकिन 108 एंबुलेंस चालकों के दल के हड़ताल पर चले जाने के कारण पूरे झारखंड में स्थिति चिंता जनक हो गई है। यह कोई मामूली एंबुलेंस नहीं है एक एंबुलेंस में दो इमरजेंसी मेडिकल टेक्नीशियन और दो पायलट रहते हैं। जो मरीज को ऑक्सीजन जरूरी साल्ट इंजेक्शन रास्ते में देते रहते हैं। इस विकट स्थिति में सरकार इस पर तत्काल संज्ञान लेकर इनका 5 महीने का बकाया वेतन तत्काल भुगतान कर हड़ताल को समाप्त करवायें, ताकि 108 एंबुलेंस की सेवा का लाभ आम आदमी को पूर्व की भांति मिलते रहे।

20 को कोडरमा में जिला फुटबॉल लीग का आयोजन

कोडरमा (आजाद सिपाही)। जिला फुटबॉल एसोसिएशन और टीम जेजे के संयुक्त तत्वावधान में जिला फुटबॉल लीग कराने को लेकर बुधवार को झुमरी तिलैया के सूर्या बैंक्विट हॉल में बैठक आयोजित की गयी। फुटबॉल एसोसिएशन के सचिव नवनीत ओझा (बंटी) ने बताया कि कई वर्षों के बाद जिला फुटबॉल लीग टूर्नामेंट 20 अगस्त से शुभारंभ किया जायेगा। इस में भाग लेने वाले सभी टीमों को अपने-अपने क्लब का रजिस्ट्रेशन और प्लेयर रजिस्ट्रेशन कराना आवश्यक होगा। नवनीत ने कहा कि यह उनका सचिव बनने के बाद पहला आयोजन होगा जिसे वे सब के सहयोग से ऐतिहासिक बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। जिला फुटबॉल लीग को सफलतापूर्वक अंजाम देने के बाद अब से जिले में स्कूल टूर्नामेंट, बेबी गोल्डन लीग और जिला गर्ल्स फुटबॉल टीम का गठन कर टूर्नामेंट कराए जाएंगे। बैठक को जिला फुटबॉल एसोसिएशन के संरक्षक राजेंद्र जयसवाल और उत्तम दासपाल ने भी संबोधित करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन होने से जिले में खिलाड़ियों की प्रतिभा भी दिखेगी साथ-साथ उनको एक प्लेटफार्म भी मिलेगा। बैठक को जिला फुटबॉल एसोसिएशन के उपाध्यक्ष राजीव रंजन शुक्ला और कोषाध्यक्ष मोहम्मद हुसैन अली, गर्ल्स फुटबॉल विंग की मैनेजर अनिता कुमारी ने भी कहा कि भविष्य में यहां से कई प्रतिभाएं न सिर्फ राज्य बल्कि देश का मान बढ़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ेगी। बैठक में भारत बक्शी, सुरेंद्र यादव, उमेश यादव, अरुण कुमार, गतेंद्र कटारिया, श्रीकांत शर्मा (कांता), रोहित कुमार रघु, राहुल यादव, शशि पांडे, सूरज कुमार यादव, विवेक सोनी, युसूफ अंसारी, सुधीर कुमार, इंद्रजीत कुमार पांडे, शिव शंकर, आजाद राणा, सीताराम, बादल कुमार राणा, राजू सिंह, अमित सिंह, विक्रम सिंह आदि मौजूद थे।

विश्व आदिवासी दिवस पर जिला स्तरीय सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन, डीसी हुए शामिल

आदिवासी समाज के विकास में युवाओं की भूमिका अहम: चंदन कुमार

आजाद सिपाही संवाददाता

रामगढ़। विश्व आदिवासी दिवस छत्तरमांडू स्थित टाउन हॉल भवन में जिला स्तरीय सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ डीसी चंदन कुमार, डीडीसी रोबिन टोप्पो, वन प्रमंडल पदाधिकारी नीतीश कुमार सहित अन्य अतिथियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इससे पूर्व अतिथियों के आगमन पर पौधा व अंग वस्त्र देकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम को संबंधित करते हुए डीसी चंदन कुमार ने कहा कि आदिवासी समाज हमारे समाज की जड़ की तरह है और किसी भी समाज के विकास के लिए उसकी जड़ का मजबूत होना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि आदिवासी और प्रकृति एक दूसरे के पूरक हैं। अगर हम ध्यान दें तो हम जानेंगे कि आदिवासी समाज के रीति रिवाज, पर्व त्यौहार सहित धार्मिक मान्यताएं भी प्रकृति के संरक्षण से जुड़ी हुई है। डीसी ने कहा कि इस दिन को मनाने का उद्देश्य है कि समाज के विकास में आदिवासी समूह के योगदान को समझने व यह आकलन करने की वर्तमान में आदिवासी समूह के लोगों की स्थिति कैसी हैं, कहीं वे किसी परेशानी में तो नहीं है या किस प्रकार से हम उनके जीवन को और भी बेहतर बना सकते हैं यह समझने की है। कहा कि वर्तमान समय में आदिवासी युवाओं पर यह बड़ी जिम्मेदारी है कि वे आत्मनिर्भर बनकर किस प्रकार से आदिवासी समाज का विकास सुनिश्चित करेंगे। आदिवासी समूह के कल्याण के लिए कई योजनाएं चलाई जा रही हैं

मौके पर डीसी में कार्यक्रम में उपस्थित विभिन्न विद्यालयों के बच्चों सहित जिले के सभी आदिवासी समूह के युवाओं से आदिवासी संस्कृति को संरक्षित कर और आगे ले जाने व समाज से विभिन्न कुरीतियां, अंधविश्वास, डायन प्रथा, हड़िया सेवन आदि को दूर करने में अपना महत्वपूर्ण योगदान निभाने की अपील की।

साथ ही सरकार द्वारा आदिवासी समूह के कल्याण के लिए कई योजनायें चलाई जा रही हैं। अगर जिले के किसी भी क्षेत्र में लोगों को लगता है कि सरकार की योजनायें धरातल पर कार्य नहीं कर पा रही है या कोई अन्य समस्या है तो लोग इसकी जानकारी डीसी कार्यालय आकर सीधे उन तक पहुंचा सकते हैं। जिला प्रशासन द्वारा इस दिशा में जरूर कार्य किया जायेगा।

पर्यावरण संरक्षण का रखे विशेष ध्यान: कार्यक्रम के दौरान अपने संबोधन में वन प्रमंडल पदाधिकारी नीतीश कुमार ने सभी को विश्व आदिवासी दिवस की शुभकामनायें देते हुये सभी से विकास कार्यों के दौरान पर्यावरण संरक्षण का विशेष ध्यान रखने की अपील की। कार्यक्रम के दौरान जिला जनसंपर्क कार्यालय द्वारा प्रस्तुत नुक्कड़ नाटक की सराहना करते हुए उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित सभी से नुक्कड़ नाटक से प्रेरणा लेने, वृक्षों व पर्यावरण संरक्षण के महत्व को समझने तथा गलत आदतों से दूर रहने की अपील की।

आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों के आदर्शों से प्रेरणा लेने की जरूरत कार्यक्रम के दौरान डीडीसी रोबिन टोप्पो ने विश्व आदिवासी दिवस की शुभकामनाएं देते हुए जल, जंगल, जमीन के संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आदिवासी संस्कृति, जीवन पद्धति तथा देश की स्वतंत्रता में अपना महत्वपूर्ण योगदान देने वाले कई आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों, भगवान बिरसा मुंडा, सिदो कान्ह, चांद भैरव आदि को स्मरण कर सभी को उनके आदर्शों से प्रेरणा लेने की अपील की।

डीसी ने कलाकारों को प्रशस्ति पत्र देकर किया सम्मानित

सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान जिले के विभिन्न विद्यालयों, महाविद्यालयों, आवासीय विद्यालयों आदि के छात्र छात्राओं, कला दल के कलाकारों ने स्वागत गान, नृत्य, नुक्कड़ नाटक सहित अन्य कार्यक्रम प्रस्तुत किये। वही, बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले कलाकारों, छात्र-छात्राओं व विद्यालयों को डीसी सहित अन्य अधिकारियों के द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का स्वागत भाषण जिला कल्याण पदाधिकारी रामेश्वर चौधरी व धन्यवाद ज्ञापन प्रखंड कल्याण पदाधिकारी कृपाल कच्छप ने किया। जबकि मंच संचालन दिलीप कुमार साहा ने किया।

झामूमो ने शहीदों को किया नमन

रामगढ़। झारखंड मुक्ति मोर्चा जिला कार्यालय रामगढ़ के प्रांगण बुधवार को विश्व आदिवासी दिवस धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष बिनोद किस्कू और संचालन जिला सचिव विनोद कुमार महतो ने किया। मौके पर अतिथियों और आदिवासी नेताओं ने आंदोलनकारी योद्धाओं के शहीद बेदी पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दिया गया।

आदिवासी समाज स्वाभिमानी : बिनोद किस्कू

जिलाध्यक्ष बिनोद किस्कू ने कहा कि आदिवासी समाज स्वाभिमानी है, यह किसी से भीख नहीं मांगता है। हम इस देश के मूल वासी हैं। हमारे पूर्वजों ने जंगल बचाया, पहाड़ बचाया है। हमें जंगल में गरीब के रूप में ना देखें। विकास की पूरी कहानी हमारे पूर्वजों के पास है। जरूरत है कि आदिवासी समाज के प्रति सम्मान और सहयोग पैदा किया जाये। आज जो हम विभाजित और असंगठित हैं यही वजह है कि एक राज्य से दूसरे राज्य के आदिवासी का विषय एक साथ नहीं मिल पा रहा है। जब लड़ाई अस्तित्व को वजूद की हो तो सामने आना ही पड़ता है। मिट कर भी उसे हासिल करना ही पड़ता है। आदिवासी नाचने गाने वाले हैं लेकिन जब गुस्सा होते हैं जो जबान नहीं तीर चलता है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिला कोषाध्यक्ष भुनेश्वर प्रसाद महतो और भुन्नु, जिला उपाध्यक्ष महेश ठाकुर, जिला उपाध्यक्ष चित्रगुप्त महतो, संतोष कुमार, दिलीप कुमार शर्मा, रामकिशन गिरी, अरुण बनर्जी, मुखेनद्र महतो, गुलाम नबी, खुदीराम महतो, विमल करमाली, विनय मुन्ना, आशु कुमारी, राजू साव, मिथुन मुंडा, शिव कुमार करमाली, चंदू मुंडा, बबलू यादव, सूरज बेदिया, कमलेश पांडे, सकलदेव करमेल, जावेद आलम, सुशील कुमार, शुसांत भारती, राजनाथ महतो, शिवलाल हसदा, मुमताज अंसारी, अभय यादव, चंद्र मोहन गंझु, विशाल कुमार, मोहम्मद एनामुल अंसारी, मुरलीधर कोठारी, राजा खान, मो सोएब अंसारी, मो मनोवर आलम, अंकित कुमार सहित अन्य उपस्थित थे।

पतरातू घाटी के जंगलों में शूटिंग

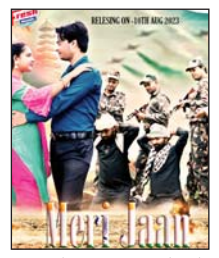

पतरातू (आजाद सिपाही)। झारखंड राज्य की विख्यात पतरातू घाटी के घने जंगलों व रांची में शूटिंग हुआ ये देश भक्ति गीत मेरी जान हिन्दुस्तान जिसको देवेश शाक्य व अभिषेक कुमार ने अपनी मधुर आवाज से सजाया है और जिसके गीतकार है राहुल कुमार ठाकुर, संगीतकार-देवेश शाक्य व राहुल कुमार ठाकुर हैं। कलकत्ता के मशहूर स्टूडियो (श्यामलोक स्टूडियो-उदय डे) से ये गीत की रिकॉर्डिंग हुई है। इस गीत का निर्देशन देवेश शाक्य के द्वारा हुआ है। ये गीत झारखंड व उत्तर प्रदेश के प्रतिभावान कलाकारों (राहुल कुमार ठाकुर, मुकेश कुमार भारती, शिव नारायन, विजय कुमार महतो, रंजीत प्रसाद कुशवाह व बिनोद कुमार महतो) ने अपनी कला से सुसज्जित किया है। ये गीत को 10 अगस्त को सुबह 10 बजे पटना की प्रसिद्ध म्यूजिक कंपनी फ्रेश म्यूजिक हिट अपने यूट्यूब चैनल से रिलीज करेगी।

केंद्रीय विद्यालय में वॉलीबॉल प्रतियोगिता

पतरातू (आजाद सिपाही)। केंद्रीय विद्यालय पतरातू में दो दिवसीय संभागीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। प्रतियोगिता का उद्घाटन बतौर मुख्य अतिथि विद्यालय के प्राचार्य रूसिया चंद्र गोंड के द्वारा मसाला जलाकर किया गया। प्रतियोगिता में रांची संभाग के 10 विद्यालयों ने भाग लिया है। बालक वर्ग अंडर 14 और अंडर-17 की प्रतियोगिताएं केंद्रीय विद्यालय पतरातू में हो रही हैं। यह प्रतियोगिता 9 और 10 अगस्त को होंगी इस प्रतियोगिता में केंद्रीय विद्यालय जामताड़ा, धनबाद, मधुपुर, भुरकुंडा पतरातू, बरकाकाना, दीपाटोली, हिनू आदि के छात्रों ने भाग लिया है। यह प्रतियोगिता लीग स्तर के मैचों में हो रही है। प्रतियोगिता की शुरूआत केंद्रीय विद्यालय पतरातू और केंद्रीय विद्यालय भुरकुंडा के लीग मैच से हुई जिसमें केंद्रीय विद्यालय पतरातू के अंडर फोर्टीन के छात्रों ने भुरकुंडा के विद्यार्थियों को हरा दिया। दूसरे लीग मैच में अंडर-17 के छात्रों छात्रों में दीपाटोली के विद्यार्थियों ने मैच जीता। मैच को निष्पक्ष संपादित करने के लिए छः से ज्यादा रेफरी की टीम लगी हुई है। इस मौके पर अमोद कुमार सिंह, नमिता हीरो प्रवीण कुमार माथुर, अरुण कुमार, कमल सिंह, राहुल नीलम श्रीवास्तव, जैनेंद्र कुमार सिंह, ओम प्रकाश गुप्ता, डॉ विनीता परमार आदि शिक्षक उपस्थित थे।

खराब सड़क से नाराज ग्रामीणों ने की सड़क पर धान रोपाई

हंटरगंज/चतरा (आजाद सिपाही)। प्रखंड मुख्यालय से उरैली पंचायत के पंडरी कला,पंडरी खुर्द, खुटेहरा, भिखनाहु और गोसाईं डीह पंचायत के सुगी और मादा गांव को जोड़ने वाली मुख्य सड़क की स्थिति इन दिनों बंद से बदतर हो गयी है। सड़क की सबसे अधिक दुर्दशा उरैली गांव के नया सुर्यमंदिर से पंचायत भवन तक और खुटेहरा में डुमरिया पुल से पंडरी खुर्द तक विलकुल जर्जर स्थिति में है। इन पदों पर आवागमन पूरी तरह बाधित रहने के कारण बच्चों की पढ़ाई भी बाधित है। छोटे-छोटे बच्चे स्कूल जाना छोड़ दिए हैं। निजी विद्यालय के वाहन बच्चों को स्कूल नहीं ले जा रहे हैं। जिसके कारण बच्चे स्कूल जाना भी बंद कर दिया है। इतना ही नहीं प्रसूति महिलाओं को अस्पताल ले जाने में काफी जोखिम उठाना पड़ रहा है। सड़क की दुर्दशा को देखकर ग्रामीणों द्वारा विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया है। बुधवार को सैकड़ो की संख्या में सुग्गी, मादा, पंडरी कला एवं पंडरी खुर्द, खुटेहरा, भीखनाहु आदि गांव के ग्रामीण बीच सड़क पर धन रोपनी का कार्य कर विरोध प्रदर्शन किया तथा इसका वीडियो बनाकर स्थानीय सांसद और विधायक को भेजा है वही इसका विरोध स्थानीय जनप्रतिनिधि को भी झेलना पड़ जा रहा है। पंचायत से कालीकरण के लिए फंड आवंटित नहीं है। जिसके कारण पंचायत द्वारा मरम्मत करना मुश्किल हो रहा है। इस संबंध में पंचायत समिति सदस्य और स्थानीय मुखिया के पहल पर प्रखंड विकास पदाधिकारी अभिषेक पांडे ने कनीय अभियंता को भेजकर सड़क की स्थिति से अवगत होकर सड़क मरम्मत कराने का आश्वासन दिया है।

पूर्व तट रेलवे

निविदा सूचना सं. 20-SBP-TRD-OT-2023-24, दिनांक : 04.08.2023

कार्य का नाम : संबलपुर डिवीजन के लाखोली - टिटिलागढ़ अनुभाग में 22 संख्यक ह्यूम पाइप पुलों के पुनर्निर्माण के कार्य के संबंध में TRD से संबंधित कार्य (ब्रिज. नं. 62, 64, 69, 70, 71, 73, 75, 78, 79, 82, 85, 86, 98, 105, 109, 111, 112, 127, 132, 149, 154 एवं 173 ।

अनुमानित लागत (₹): 25,45,577.61, EMD (₹) : 50,900/-, पूरा होने की अवधि : 12 महीने।

निविदा बंद होने की तिथि व समय : 28.08.2023 को 1530 बजे ।

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक / कूरियर / फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को अवैध माना जायेगा तथा उसके बारे में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा।

उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : http://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।

द्रष्टव्य : प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन / शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने की कम से कम 15 (पंद्रह) दिन पहले वेबसाइट का पुन: अवलोकन करें।

वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियन्ता (TRD), सम्बलपुर

PR-432/O/23-24

बरकाकाना के घुटुवा में हर्षोल्लास से मनाया गया विश्व आदिवासी दिवस

बरकाकाना (आजाद सिपाही)। रामगढ़ पतरातू मुख्य मार्ग घुटुवा के केंद्रीय कर्मशाला बरकाकाना के मुख्य द्वार के निकट मैदान में आदिवासी सेवा समिति के बैनर तले विश्व आदिवासी दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि उप विकास आयुक्त रामगढ़ रोबिन टोप्पो उपस्थित रहे। समारोह के दौरान बरकाकाना ओपी के विभिन्न क्षेत्रों से आदिवासी समुदाय के लोगों ने पारंपरिक वेश भूषा में गाजे बाजे के साथ जुलूस निकालकर समारोह स्थल में उपस्थित हुये। कार्यक्रम में सर्वप्रथम भगवान बिरसा की विधिवत पूजा अर्चना की गयी। इसके पूर्व समिति के लोगों ने मुख्य अतिथि व अन्य अतिथियों को पर्यावरण संरक्षण का प्रतीक सखुआ का पौधा भेंटकर उनका स्वागत किया। मौके पर वार्ड पार्षद गीता देवी, डॉ मनोज अगरिया, समिति के अध्यक्ष गोविंद बेदिया, मुख्य संरक्षक छोटेलाल करमाली, सचिव पंचदेव करमाली, कार्यकारी अध्यक्ष सुभाष ओरांव, कोषाध्यक्ष मुकेश मुंडा, रमण बेदिया, दिवाकर बेदिया, मदन बेदिया, रवींद्र मुंडा, जितेन्द्र मुंडा सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

ट्रकों की टक्कर में चालक की मौत

चतरा (आजाद सिपाही)। चतरा गया एन एच 22 मुख्य पथ पर स्थित संघरी घाटी में ट्रकों के आपसी टक्कर में एक चालक की मौत हो गयी। जबकि एक चालक तथा दो उप-चालक गंभीर रूप से घायल हैं। जानकारी के अनुसार देर रात संघरी घाटी में ट्रकों के परिचालन के दौरान एक ट्रक के अनियंत्रित होते ही तीन ट्रक आपस में टकराकर दुघर्टना ग्रस्त हो गया। जिसमें एक ट्रक के चालक की मौत घटनास्थल पर ही हो गई। घटना की सूचना मिलते ही सदर थाना की पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घायलों को इलाज के लिए सदर अस्पताल ले आया। भीषण दुर्घटनाग्रस्त ट्रक में मृतक के शव को पुलिस ने कटर से काटकर बाहर निकाला और पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। मृतक बिहार के नवादा जिले का रहने वाला बताया जा रहा है।

अवैध पोड़ा कोयला लोड कर रहे ट्रक को पुलिस ने पकड़ा, चालक गिरफ्तार

कुजू (आजाद सिपाही)। ओपी क्षेत्र के कुजू लोहगेट डायवर्सन के निकट बुधवार की दोपहर अवैध रूप से पोड़ा कोयला लोड कर भाग रहे ट्रक को कुजू पुलिस ने पीछा कर नयामोड़ से पकड़ने में सफलता पायी है। साथ ही, ट्रक चालक को गिरफ्तार किया है। ट्रक पर लगभग एक सौ बोरा अवैध पोड़ा कोयला लदा था। बताया जाता है कि गुप्त सूचना के आधार पर रामगढ़ एसपी के निर्देश के बाद कुजू पुलिस लोहागेट डायवर्सन पहुंची। जहां ट्रक संख्या डब्लूबी 11ई-7423 पर कोयला लोड करते देखा। जिसके बाद नवादा, बिहार निवासी ट्रक चालक सह मालिक साहेब यादव पिता स्वरूप यादव ने अपनी ट्रक को रामगढ़ की ओर तीव्रगति से लेकर भगाने लगा। ट्रक को भागता देख कुजू पुलिस ने पीछा कर नयामोड़ के पास घेराबंदी कर ट्रक को पकड़ा। साथ ही, चालक को गिरफ्तार कर ट्रक और चालक को कुजू ओपी परिसर लाया गया। इधर, पुलिस मामले को लेकर मामला दर्ज करने की प्रक्रिया की जा रही है। वही, पुलिस ने अवैध कोयले पर अंकुश लगाने को लेकर कार्रवाई करते हुए डायवर्सन के आसपास सड़क के किनारे छापेमारी अभियान चलाया। जहां सड़क के किनारे झाड़ियां में छुपा कर बोरियों में रखे लगभग डेढ़ सौ बोरी अवैध पोड़ा कोयला को जब्त कर ओपी परिसर लायी है। अभियान में कुजू ओपी प्रभारी विनय कुमार, अवर निरीक्षक कुमुद बागे, सुमित कुमार, सअनि सुजीत कुमार सिंह, वीरेंद्र कुजूर सहित सशस्त्र बल के जवान शामिल रहे।

कान्हाचट्टी में मनाया गया विश्व आदिवासी दिवस

जिप उपाध्यक्ष मांदर की थाप पर जमकर थिरके

आजाद सिपाही संवाददाता

चतरा। कान्हाचट्टी प्रखंड स्थित सायल बगीचा में विश्व आदिवासी दिवस मनाया गया। इस मौके पर जिला परिषद के उपाध्यक्ष बृजकिशोर तिवारी उर्फ बिरजू तिवारी ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस मौके पर आयोजकों द्वारा अंगवस्त्र प्रदान कर तथा आदिवासी परंपरा के अनुसार मुख्य अतिथि का स्वागत किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि बिरजू तिवारी ने कहा कि यह दिन आदिवासी लोगों को वैश्विक मंच पर अपने विचार और चिंताओं को व्यक्त करने का अवसर प्रदान करता है। इसका उद्देश्य सरकारी और गैर-सरकारी संगठनों और आम जनता के बीच आदिवासी मुद्दों की बेहतर समझ को बढ़ावा देना है। पिछले कुछ वर्षों में आदिवासी अधिकारों और कल्याण के विशिष्ट पहलुओं पर ध्यान केंद्रित करने के लिए विभिन्न विषयों को चुना गया है। हम जानते हैं कि हमारा भविष्य आज के निर्णय पर निर्भर करता है। ऐसे में आज आदिवासी युवा जो काम कर रहे हैं, वह मानवता के सामने मौजूद सबसे गंभीर समस्याओं से उबरने के लिए सबसे प्रभावी प्रेरणा के मिसाल है। उन्होंने कहा कि इतिहास गवाह है कि समय आने पर वे देश की रक्षा के लिए डटे रहे और अपना सर्वोच्च बलिदान भी दिया। जिप उपाध्यक्ष ने आदिवासी समाज के शहीद बिरसा मुण्डा, वीर नारायण सिंह, वीर गुंडाधूर, रानी दुर्गावती, जैसे असंख्य क्रांतिवीरों को नमन करते हुए कहा कि देश के विकास में आदिवासी समाज का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। हर दिवस का एक उद्देश्य होता है। विश्व आदिवासी दिवस का भी महत्वपूर्ण उद्देश्य है। जिसमें आदिवासी समुदायों के अधिकारों के प्रति जागरूकता फैलाना और उन्हें सम्मान दिलाना है। इस दिन को समर्पित करने का मकसद सामाजिक न्याय, समरसता और समानता को प्रोत्साहित करना है। यह अवसर विश्व भर के लोगों को एक साथ मिलकर आदिवासी समुदायों के संघर्षों और उनकी सांस्कृतिक धरोहर के प्रति सम्मान दिखाने का अवसर है। विश्व आदिवासी दिवस की घोषणा दिसंबर 1994 में संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा ऐलान किया गया था। मूसलाधार बारिश में भी बिरजू तिवारी ने मांदर के थाप पर आदिवासी बालाओं के साथ खूब थिरके। मौके पर प्रखंड विकास पदाधिकारी हूलास महतो, भाजपा जिलाध्यक्ष अशोक शर्मा, भाजपा नेता रामदेव सिंह भोक्ता, दिलीप उरांव, सिकंदर सिंह खैरवार, नरेश सिंह खैरवार, सुरेंद्र उरांव, विजय उरांव समेत काफी संख्या में आदिवासी समुदाय के गणमान्य लोग उपस्थित थे।

संजीव बेदिया को झामुमो का केंद्रीय सचिव बनाये जाने पर सम्मान समारोह का आयोजन

कार्यकर्ता पार्टी के रीड होते है,झामुमो में सभी वर्गो के लोगो मिलता है मान सम्मान : संजीव बेदिया

आजाद सिपाही संवाददाता

भुरकुंडा। झारखंड मुक्ति मोर्चा पतरातू प्रखंड कमेटी की ओर से संजीव बेदिया को पुनः झामुमो का केंद्रीय सचिव बनाए जाने पर कार्यकर्ताओं में हर्ष का माहौल है। बताया गया कि पदाधिकारी नियुक्ति की घोषणा पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष शिबू सोरेन द्वारा किया गया है। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर बुधवार को झामुमो के प्रधान कार्यालय भुरकुंडा में स्वागत सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें पार्टी के दर्जनों कार्यकर्ताओं द्वारा केंद्रीय सचिव संजीव बेदिया को बुके देकर स्वागत किया गया। साथ ही फूल माला पहनाकर और अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। मौके पर वक्ताओं ने कहा कि रामगढ़, हजारीबाग जिला में संजीव बेदिया हमेशा गरीब-असहाय, आदिवासी, मूलवासी व मजदूरों के हक-अधिकार के लिए आवाज बुलंद करते रहे हैं। साथ ही लोगों के लिए मसीहा बनकर निरंतर सेवाभाव से वर्षों से पार्टी के लिए काम करते आये हैं। हमलोगों के लिए गर्व की बात है कि संजीव बेदिया जैसे साफ छवि के नेता हमारे पास है। समारोह को संबोधित करते हुए केंद्रीय सचिव संजीव बेदिया ने कहा कि पार्टी ने हमें सबकुछ दिया है, जिसका कर्ज मैं नहीं चुका सकता। उन्होंने कहा कि दिशोम गुरू शिबू सोरेन और हेमंत सोरेन ने मुझे पार्टी का केंद्रीय सचिव और झारखंड राज्य परिवहन प्राधिकार सदस्य और हजारीबाग जिला का संयोजक बनाया है यह पूरे झामुमो के लिए सम्मान है। उन्होंने कहा कि झामुमो हमेशा गरीब, वंचित, असहायों के हक-अधिकार के लिए संघर्ष करती रही है। सीएम हेमंत सोरेन की सरकार सभी क्षेत्रों में कई विकास के कार्य की है जो इतिहास है। हमलोगों को आने वाले विगत वर्षों के चुनाव में भाजपा एवं आजसू गठबंधन को धूल चटाते हुए केंद्र सरकार को उखाड़ फेंकना है। जिसकी तैयारी में झामुमो कार्यकर्ता अभी से ही एकजुट होकर लग जायें। मौके पर पार्षद जयराम बेदिया, प्रखंड प्रमुख कौशल्या देवी, प्रखंड सचिव उदय अग्रवाल, संजय वर्मा, हरिलाल बेदिया, रोहन बेदिया, बीरेन्द्र यादव, मुकेश राउत, उदय मालाकार, चरेंद्र बेदिया, शौकत अंसारी, मो. इसलाम, सीताराम बेदिया, गुदरिया बेदिया, टिंकु बेदिया, किशोर प्रजापति, सत्यनारायण यादव, चरकू गंझू, शशिकांत प्रसाद, कामेश्वर करमाली, बिहारी बड़ाईक, राजेश प्रसाद, रमेश प्रसाद, मुकेश पासवान, तुला खान, बासदेव उरांव सहित झामुमो के दर्जनो लोग मौजूद थें।

अखिल झारखंड कोयल श्रमिक संघ ने मांगों को लेकर की बैठक

भुरकुंडा(आजाद सिपाही)। अखिल झारखंड कोयला श्रमिक संघ बरका-सयाल क्षेत्रीय कमेटी की 33 सूत्री मांग-पत्र को ले महाप्रबंधक कार्यालय में बुधवार को प्रबंधन के साथ एजेंडा बैठक हुई। इसकी अध्यक्षता बरका-सयाल महाप्रबंधक अजय कुमार सिंह ने की। बैठक में मुख्य रूप से यूनियन के केंद्रीय अध्यक्ष रोशन लाल चौधरी उपस्थित थें। 33 सूत्री मांगों में नयी परियोजनाओं में विस्थापित स्थानीय बेरोजगारों को काम देने, अक्टूबर माह से सयाल परियोजना में रोड सेल चालू करने, आदर्श क्षेत्रीय अस्पताल में कंप्यूटराइज एक्स रे मशीन लगाने, कटेगरी-1 के मजदूरों को इस बजट में प्रमोशन व रेगुलराइजेशन करने, दोमुहानी दामोदर शानदार घाट पर विद्युत शव दाहगृह बनाने, सभी पानी टंकी का सफाई करने, बरका-सयाल क्षेत्र के सभी परियोजनाओं में सर्विस तार को बदलने, सेवानिवृत कर्मी का बकाया पेमेंट का भुगतान 13 दिनों में करने, क्षेत्र में हो रही चोरी की घटनाओं पर रोक लगाने के लिए विशेष गार्डो की व्यवस्था करने सहित अन्य मांगों पर जीएम के साथ विस्तृत चर्चा की गयी। वार्मा में प्रबंधन की ओर से जीएम अजय कुमार सिंह, डॉ. एचके सिंह, एसओपी अजय कुमार, एसओसी बरका-सयाल, पीओ भुरकुंडा मनोज पाठक, विवेक कुमार, वंदना लाल, अमरेंद्र कुमार व बिरसा व उरीमारी के पीओ मौजूद थें। वहीं यूनियन की ओर से केंद्रीय सचिव संजय मिश्रा, इंद्रदेव राम, गुरुदयाल ठाकुर, विकास सिन्हा, शिवनंदन दास, विनोद कुमार, धर्मेंद्र मिश्रा, अजीत सिन्हा, शैलेंद्र सिंह, मोनू ओझा, कमलेश कुमार, शंकर कुमार, रणधीर साहू, रंजन दास, जितेंद्र कुमार, दिनकर सिन्हा, सनी कुमार, कमल सिंह, सुरेश दुसाध आदि मौजूद थें।

भारतीय रेल

भारत सरकार
रेल मंत्रालय
(रेलवे बोर्ड)

सं. 2023/Track-III/MC/1 — नई दिल्ली, दिनांक : 09.08.2023

शुद्धिपत्र -VII

विषय : सेल्फ प्रोपेल्ड अल्ट्रासोनिक रेल टेस्टिंग कार (SPURT CAR) की आपूर्ति के लिए दिनांक 10.08.2023 को खोली जाने वाली निविदा संख्या टी एम – 2301

निविदा शर्तों में संशोधन और निविदा खोलने की तारीख में विस्तार से संबंधित शुद्धिपत्र-VII वेबसाइट http://ireps.gov.in पर अपलोड कर दिया गया है।

(विजय सिंह)
निदेशक, रेलपथ (मशीन)
रेलवे बोर्ड
दूरभाष न. 011-47845531
ईमेल: vijay.singh.2017@gov.in

आज़ादी का अमृत महोत्सव

2462/2023

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

हटिया स्टेशन में 01 कैटरिंग यूनिट जीएमयू कैटेगरी के लिए ठेका प्रदान करना

निविदा अधिसूचना सं. सीएटीजी-स्टॉल-18-जीएमयू-एचटीई-3

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, दक्षिण पूर्व रेलवे, राँची के द्वारा निम्नलिखित कार्य के निष्पादन हेतु खुली ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। विवरण निम्नानुसार है: **कैटरिंग यूनिट :** सीएटीजी. स्टॉल-18, **स्टेशन :** हटिया, **स्थान:** प्लेटफॉर्म नं. 1 (लोको पायलट बुकिंग लॉबी के पास)। **आरक्षित कैटेगरी :** जीएमयू, **न्यूनतम वार्षिक आरक्षित मूल्य:** रु. 6,21,254/-, **बयाना राशि :** रु. 1,61,600/-, **निविदा का मूल्य :** प्रत्येक कैटरिंग यूनिट के लिए निविदा हेतु रु. 2,500 साथ में 18% जीएसटी। **समापन अवधि :** 5 वर्ष। संपूर्ण बोली प्रक्रिया ऑनलाइन (ई-टेंडरिंग) होगी। दिनांक 08.08.2023 की इस निविदा सूचना के संबंध में सभी सूचनाएँ वेबसाइट www.ireps.gov.in पर ऑनलाइन प्रकाशित की गई हैं। बोली कागजात को **दिनांक 08.08.2023 से 31.08.2023 तक** वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखा और अपलोड किया जा सकता है। बोली को **दिनांक 08.08.2023** से वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर इलेक्ट्रॉनिक रूप में जमा किया जा सकता है। बोली जमा करने की अंतिम तिथि **08.08.2023 को 15.00 बजे तक** है और **दिनांक 31.08.2023 को 15.30 बजे खोली जाएगी।**

(PR-490) — वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, राँची

दक्षिण पूर्व रेलवे
मुस्कान के साथ सेवा

मणिपुर को इंसाफ मिले

मणिपुर में हिंसा और महिलाओं पर हुए घृणित यौन हमलों के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को जिस तरह के कदमों की घोषणा की, वह राज्य प्रशासन की अक्षमता और लापरवाही पर बेहद तल्ख टिप्पणी तो है ही, सर्वोच्च अदालत की संवेदनशीलता और तत्परता का भी सटीक उदाहरण है। जब मणिपुर में दो महिलाओं को निर्वस्त्र घुमाए जाने का विडियो वायरल हुआ था, तभी सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले का स्वतः संज्ञान लेते हुए केंद्र और राज्य सरकारों से स्पष्ट कहा था कि या तो आप जरूरी कदम उठाइए या हम उठाएंगे। हैरत और दुख की बात है कि राज्य प्रशासन इस मोर्चे पर बुरी तरह नाकाम साबित हुआ। न केवल वायरल विडियो से जुड़े उस मामले में बल्कि महिलाओं के साथ हुए वैसे ही अन्य मामलों में भी जांच का काम ना के बराबर हुआ। राज्य से हिंसात्मक घटनाओं की खबरें आनी अब भी बंद नहीं हुई हैं। यही नहीं, राहत और पुनर्वास के काम में भी काफी शिकायतें मिल रही हैं। राज्य की आबादी के अलग-अलग हिस्सों में स्थानीय पुलिस प्रशासन को लेकर विश्वास का संकट भी बना हुआ है। इन सबके मद्देनजर सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट की पूर्व महिला जजों की एक समिति बनाई जो राहत, पुनर्वास के कार्यों की निगरानी करेगी और जहां जरूरी होगा, वहां तत्काल हस्तक्षेप करेगी। इसके अलावा राज्य में मई से जुलाई के बीच दर्ज हुए साढ़े छह हजार से ज्यादा एफआईआर से जुड़े मामलों की जांच पर नजर रखने के लिए महाराष्ट्र कैडर के रिटायर्ड आईपीएस ऑफिसर की नियुक्ति करने और सीबीआई को भेजे गए मामलों में भी डीएसपी/एसपी लेवल के अन्य राज्यों के ऑफिसर तैनात करने का आदेश सुप्रीम कोर्ट ने दिया। ऐसे और भी कदमों के जरिए सुप्रीम कोर्ट ने यह सुनिश्चित करने की कोशिश की है कि जांच कार्यों में स्थानीय पुलिस की भूमिका जरूर हो लेकिन इसे उन पूर्वाग्रहों से प्रभावित न होने दिया जाए, जो ऐसे माहौल में पुलिस फोर्स में भी विकसित हो जाते हैं और जिनके अघोषित प्रभावों के कारण ही वहां अब तक जांच-प्रक्रिया ढंग से आगे नहीं बढ़ पा रही थी। निश्चित रूप से ये सारे कदम अभी घोषणा के स्तर पर ही हैं। इन पर आगे किस तरह से अमल होता है और जमीन पर ये कदम कितने प्रभावी साबित होते हैं, यह देखने वाली बात होगी। लेकिन इसमें दो राय नहीं कि सुप्रीम कोर्ट ने इन कदमों के जरिए यह स्पष्ट कर दिया कि मणिपुर में पिछले तीन महीनों से भी ज्यादा समय से जारी अराजकता की स्थिति से निपटने में राज्य सरकार के प्रयास कितने अपर्याप्त थे और वहां किस तरह से दखल देने की जरूरत थी। जो कुछ सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को किया वह मूलतः कार्यपालिका की ही जिम्मेदारी थी, लेकिन वह एक अलग पक्ष है जिस पर लोकसभा में मंगलवार को पेश किए गए अविश्वास प्रस्ताव पर तीन दिनों की विस्तृत चर्चा के दौरान रोशनी पड़ने की उम्मीद की जा सकती है।

मणिपुर हिंसा को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने जिस तत्परता से कदम उठाए, वह राज्य सरकार की अक्षमता जाहिर करती है। वायरल वीडियो पर अदालत ने केंद्र व राज्य सरकार से साफ कहा था कि या तो आप कुछ कीजिए या हम करेंगे।

केंद्र सरकार के 'दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र शासन संशोधन विधेयक 2023' पर आम आदमी पार्टी और उसके साथ खड़े सभी राजनीतिक दलों को मुंह की खानी पड़ी। याद रखें कि आम आदमी पार्टी ने इस विधेयक को पारित होने से रोकने के लिए ऐड़ी-चोटी का जोर लगाया था। आप के सर्वेसर्वा एवं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सभी गैर-भाजपा सरकारों के मुख्यमंत्रियों एवं भाजपा विरोधी राजनीतिक दलों से बिल पर समर्थन जुटाने के लिए 'भारत भ्रमण' तक कर लिया था।

केजरीवाल की अहंकारी राजनीति का खामियाजा दिल्ली को भुगतना पड़ रहा है

ललित गर्ग

आखिरकार केजरीवाल सरकार के अधिकार सीमित करने वाला दिल्ली सर्विस बिल राज्यसभा में भी पास हो गया। सोमवार को राज्यसभा में बिल के समर्थन में 131 व विरोध में 102 वोट पड़े। बहरहाल, अब संसद के दोनों सदनों से पारित होने के बाद बिल राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के उपरांत कानून का रूप ले लेगा। केंद्र सरकार ने केजरीवाल सरकार की मनमानी, भ्रष्टाचार एवं अनियमिताओं पर नियंत्रण लगाने के लिये इस बिल को सफलतापूर्वक पारित कर लिया है, इससे विपक्ष और विशेषकर कांग्रेस की भी हार एवं किरकिरी हुई है। आम आदमी पार्टी की जिद, अहंकार एवं राजनीतिक महत्वाकांक्षा लोकतंत्र के मंदिर 'संसद' में संविधान के सामने परास्त हो गई। क्योंकि संविधान केवल अधिकार नहीं देता, शुद्ध आचरण की अपेक्षा भी करता है। निःसन्देह यह भाजपा सरकार की ऐतिहासिक जीत इसलिये है क्योंकि पहले कयास लगाये जा रहे थे कि राजग के सभी सहयोगियों के वोट मिलने के बावजूद केंद्र सरकार राज्यसभा में बिल को पारित नहीं करवा पायेगी। वह भी तब जब एक-दूसरे पर लगातार हमलावर रहने वाले आप व कांग्रेस समेत इंडियन नेशनल डिवेलपमेंटल इन्क्लुसिव अलायंस 'इंडिया' के सभी घटक दल बिल के खिलाफ एकजुट हो चुके थे।

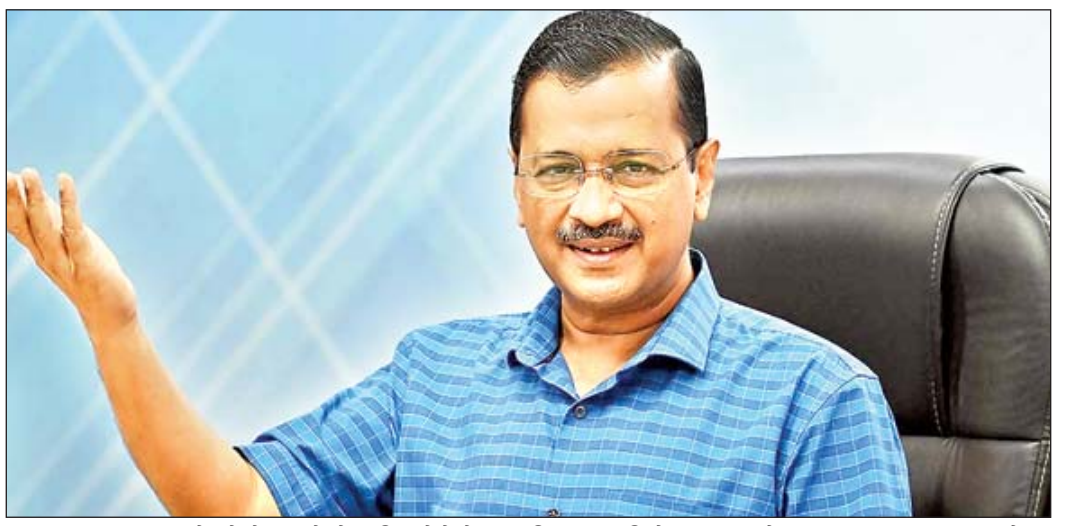

बहरहाल, अब संसद के दोनों सदनों से पारित होने के बाद बिल राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के उपरांत कानून का रूप ले लेगा। केंद्र सरकार ने केजरीवाल सरकार की मनमानी, भ्रष्टाचार एवं अनियमिताओं पर नियंत्रण लगाने के लिये इस बिल को सफलतापूर्वक पारित कर लिया है, इससे विपक्ष और विशेषकर कांग्रेस की भी हार एवं किरकिरी हुई है।

आम आदमी पार्टी की जिद, अहंकार एवं राजनीतिक महत्वाकांक्षा लोकतंत्र के मंदिर 'संसद' में संविधान के सामने परास्त हो गई।

दरअसल, लोकसभा में बहुमत होने के चलते राजग सरकार ने बिल आसानी से पास करा लिया था, लेकिन राज्यसभा में बहुमत न होने ने उसकी चिंता बढ़ा दी। ऐसे वक्त में ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के बीजू जनता दल तथा जगन मोहन रेड्डी की पार्टी वाईएसआरसीपी ने राजग की नैया पार लगा दी। निश्चित रूप से यह 'इंडिया' गठबंधन की बड़ी नाकामी है। भ्रष्टाचार एवं अन्य लोकतांत्रिक मूल्यों के हनन के कारण इस तरह की पराजय नये भारत के लिये जरूरी भी है, दिल्ली के राष्ट्रीय राजधानी होने के बावजूद आम आदमी पार्टी और उसके नेता अरविन्द केजरीवाल ने अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं के लिये दिल्ली की जनता के प्रति निरन्तर संवेदनहीनता का प्रदर्शन किया है, जिसका खामियाजा उनको प्राप्त अधिकारों के पर कतरने के रूप में सामने आया है, और इन्हीं कारणों के चलते यह संशोधन लाना पड़ा है।

केंद्र सरकार के 'दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र शासन संशोधन विधेयक 2023' पर आम आदमी पार्टी और उसके साथ खड़े सभी राजनीतिक दलों को मुंह की खानी पड़ी। याद रखें कि आम आदमी पार्टी ने इस विधेयक को पारित होने से रोकने के लिए ऐड़ी-चोटी का जोर लगाया था। आप के सर्वेसर्वा एवं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सभी गैर-भाजपा सरकारों के मुख्यमंत्रियों एवं भाजपा विरोधी राजनीतिक दलों से बिल पर समर्थन जुटाने के लिए 'भारत भ्रमण' तक कर लिया था। दिल्ली कांग्रेस के विरोध के बाद भी कांग्रेस के राष्ट्रीय नेतृत्व को मजबूर कर दिया कि वह लोकसभा और राज्यसभा में इस विधेयक के खिलाफ आम आदमी पार्टी का साथ दे। इसके बाद भी आप पार्टी के हाथ जब कुछ नहीं आया, तो उसके नेताओं ने अन्य अनैतिक एवं अलोकतांत्रिक रास्ते भी अपनाने का प्रयास किया। राज्यसभा में आप के सांसद राघव चड्ढा ने इस बिल को सिलेक्ट कमेटी के पास भेजे जाने का प्रस्ताव रखा। सत्ता पक्ष के पांच सदस्यों ने कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा कि उनकी सहमति के बिना प्रस्ताव में उनके नाम डाले गए, जिसे हद दर्जे की मनमानी, फर्जीवाड़ा और अपराध मानते हुए इस मामले को विशेषाधिकार समिति के पास भेजे जाने की मांग की गयी, उपसभापति हरिवंश ने इसकी जांच की बात कही है। संभव है इस पर आप के सांसद राघव चड्ढा को सजा हो। दिल्ली सरकार में तरह-तरह के भ्रष्टाचार एवं जालसाजी के किस्से आम बात हो गयी थी, विडम्बना है कि देश की भोलीभाली जनता को इन भ्रष्टाचारों को भाजपा की चाल करार देकर सहानुभूति जुटाने में माहिर आप सरकार ने संसद को भी नहीं बख्शा। संसद के भीतर जालसाजी के आरोपों में फंसी आप पार्टी ने खेद प्रकट करने की जगह कार्रवाई के डर से, अभी से शोर मचाना शुरू कर दिया है कि भाजपा अब उसके सांसद राघव चड्ढा के पीछे पड़ गई है। आप पार्टी एवं उसके नेता केजरीवाल की राजनीति एवं सोच विकृत है, उनका व्यवहार झूठा है, चेहरों से ज्यादा नकाबें उन्होंने ओढ़ रखे हैं, उन्होंने सारे लोकतांत्रिक एवं राजनीतिक मूल्यों को धराशायी कर दिया है। वक्त आ गया है कि देश की राजनीतिक संस्कृति की गौरवशाली विरासत को सुरक्षित रखने के लिये सतर्क एवं सावधान होना होगा। संभवतः दिल्ली सर्विस बिल का संसद में सफलतापूर्वक पारित होना, इस दिशा में एक सार्थक पहल है, एक सबक है, एक सन्देश है कि सावधान हो जाओ देश को गुमराह करने वालो, लूटने वालों।

राजनैतिक वितंडावाद को ही राजनीति समझने वाले आप के नेताओं को समझना चाहिए कि संसद जैसा मंच इस प्रकार की ओछी, संकीर्ण एवं स्वार्थी हरकतों के लिए नहीं है। संसद के किसी भी पटल पर, कोई भी बात गंभीरता से, जांच-पड़ताल करने के उपरांत ही रखनी चाहिए। परंतु जिन्होंने दिल्ली की विधानसभा को ही अपनी राजनीतिक जागीर मानकर अपनी खुन्नस निकालने एवं मनमानी करने का अखाड़ा बना लिया हो, उनसे संसद की गरिमा की अपेक्षा करना कितना उचित होगा? आप पार्टी एवं उनके सहयोगी बने दलों के प्रश्नों एवं आरोपों का अमित शाह ने इस विधेयक पर सरकार का पक्ष रखते हुए बहुत ही तार्किक एवं तथ्यपरक ढंग से उत्तर दिया। शाह ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद जिस तरह से दिल्ली की केजरीवाल सरकार ने अधिकारियों के तबादले शुरू किए थे, जांच की फाइलों को रातोंरात गायब किया, उसको देखते हुए विधेयक लाना जरूरी हो गया था। दिल्ली सरकार के विरुद्ध कई मामलों की जांच कर रही विजिलेंस को अपने अधीन रखने के लिए आप सरकार बेचैन थी ताकि भ्रष्टाचार न उजागर हो।इस बिल के पारित होने से दिल्ली की जनता का अधिक नुकसान हुआ। केन्द्र सरकार ने देश की राजधानी दिल्ली की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, संविधान सभा में दिल्ली के अधिकार और कार्यों के बारे में चर्चा के साथ सीमित अधिकारों वाली विधानसभा के साथ 1993 में इसे राज्य का दर्जा दिए जाने का पूरा ब्यौरा दिया। जाहिर है दिल्ली पूर्ण राज्य नहीं है और केंद्र सरकार को संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार दिल्ली के किसी भी विषय पर कानून बनाने का अधिकार है। दक्ष, अनुभवी एवं परिपक्व मुख्यमंत्री इन बातों के आलोक में ही केंद्र के साथ रचनात्मक सहयोग करके अपना शासन चलाता है। अपने आपको राजनीति का चाणक्य मानने वाले केजरीवाल अपने अल्प राजनीतिक जीवन में इस बात को समझ नहीं पाए।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं)

जमशेदपुर की खबरें

अवैध कारोबारी को चिन्हित किया जा रहा है सूचना मिलते ही कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जायेगी : विमला

सरायकेला (आजाद सिपाही)। सरायकीला खरसावां जिले के उत्पाद अधीक्षक विमला लकड़ा ने पदभार संभालते ही एक्शन मोड में दिखने लगी हैं। बुधवार को उत्पाद अधीक्षक विमला लकड़ा ने जानकारी देते हुए कहा क्षेत्र में अवैध कारोबारी को चिन्हित किया जा रहा है। सूचना मिलते ही कड़ी से कड़ी कार्यवाही की जायेगी। उन्होंने सरायकेला क्षेत्र में सरकारी काउंटर में भी अवैध रूप से नकली शराब बचने व सरकारी दर से अधिक मूल लेने पर भी कार्रवाई करने की बात कही। वैसे सरायकेला जिले में अवैध शराब भट्टी का कारोबार कई दिनों से फल-फूल रहा था। जिसमें अवैध कारोबार करने वाले व्यक्ति हर दिन जहरीली शराब बेच कर लाखों रुपए का मुनाफा कमा रहे थे। जिसमें कुछ नकली शराब भी सरकारी दुकान के कर्मी द्वारा बेचा जाता था। जहां एक तरफ सरायकेला जिले के नए एसपी डॉ विमल कुमार द्वारा कार्रवाई किया जा रहा था। वहीं बीते दिनों उत्पाद अधीक्षक विमला लकड़ा के निर्देश पर अवैध शराब भट्टी में छापेमारी की गई। गुप्त सूचना के आधार पर चौका थाना क्षेत्र के चुटिया खाल में अवैध शराब भट्टी को ध्वस्त किया गया था।छापामारी टीम ने 5 टन जावा महुआ को नष्ट किया। वही 250 लीटर महुआ को जब्त किया गया था। उन्होंने कहा जिले में आगे भी यह कार्रवाई जारी रहेगा।

ट्रेन से गिरने से बुजुर्ग घयाल

जमशेदपुर। टाटानगर रेलवे स्टेशन में स्टील एक्सप्रेस में चढ़ने के दौरान बुजुर्ग आदमी गिर कर बुरी तरह घायल हो गए। बताया जा रहा है घायल व्यक्ति प्रदीप शर्मा प्लेटफॉर्म नंबर एक पर स्टील पकड़ने गए थे। वहीं ट्रेन खुल गयी तो वह चढ़ने लगा। चलती ट्रेन में चढ़ने की कोशिश में पैर फिसल कर प्लेटफार्म के नीचे यानी ट्रैक पर जा गिरा। घटना की सूचना जीआरपीएफ को दी गयी। जीआरपीएफ ने घायल को एमजीएम अस्पताल पहुंचाया। अधेड़ की उम्र 65 साल बताया जा रहा है। वह

विधायक के कुशल नेतृत में आजसू के दर्जनों कार्यकर्ता झामुमो का थामा दामन

हेमंत सरकार के कार्य से प्रभावित होकर आमजनों के सहयोग से क्षेत्र का हो रहा विकास : कालिंदी

आजाद सिपाही संवाददात

जमशेदपुर। पूर्वी सिंहभूम जिले में जमशेदपुर प्रखंड के मध्य हलुदबनी पंचायत अंतर्गत कोचाकुल्ही में झामुमो का एक दिवसीय कार्यकर्ता मिलन समारोह का आयोजन किया गया। बुधवार को मिलन समारोह में मुख्य अतिथि जुगसलाई विधायक मंगल कालिंदी शामिल हुए। मौके पर ग्रामीणों ने गाजा बाजा के साथ हर्ष उल्लास से विधायक का भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के विकास कार्य व जुगसलाई विधायक मंगल कालिंदी के कुशल नेतृत्व से प्रभावित होकर दिनेश सांडिल के नेतृत्व में आजसु पार्टी छोड़कर दर्जनों कार्यकर्ताओ ने झारखंड मुक्ति मोर्चा का दामन थामा। विधायक कालिंदी ने सभी नए सदस्यों को माला पहनाकर झामुमो के नीति व सिद्धांत के साथ सदस्यता दिलाई। नए सदस्यों में दिनेश सांडिल, सुजय स्वर्णकार, सूरज दास, राहुल मल्लिक, मधुसुधन मल्लिक, राजा दास, निरंजन दास, शिव दास, दिलीप दास, श्यामल, नेपाल दास, बापी स्वर्णकार, सुनील हेमब्रम, दीपक हेमब्रम शामिल रहे। वही विधायक कालिंदी ने कहा हेमंत सरकार के कार्य से प्रभावित होकर आमजनों के सहयोग से जुगसलाई विधानसभा का तेजी से विकास हो रहा है। जुगसलाई विधानसभा क्षेत्र की जनता के स्नेह व आशीर्वाद से पूरे विधानसभा झामुमोमय होने लगा है। जिसको देख विरोधियों में खलबली मच गयी है। विधायक कालिंदी ने सभी नेता व कार्यकताओं को सीधे जनता से जुड़ने का आग्रह किया। ताकि उनके समस्याओं का समाधान हो सके।

साथ ही सरकार के योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुच सके। मौके पर मुखिया संघ जिला अध्यक्ष सह झामुमो जमशेदपुर प्रखंड सचिव पलटन मुर्मु, झामुमो नेता मिथुन चक्रवर्ती, जितेंद्र सिंह, गोविंदो स्वर्णकार, राकेश चक्रवर्ती, कार्तिक मछुआ, विकाश स्वर्णकार, प्रेम तिवारी, बिमल पाल, विक्की शर्मा, शिव शंकर कालिन्दी झामुमो के नेता कार्यकर्ता सहित सैकड़ो ग्रामीण शामिल रहे।

पदाधिकारी की उपस्थिति में चला सघन वाहन जांच अभियान, सड़क सुरक्षा यातायात नियमों की दी जानकारी

आजाद सिपाही संवाददात

सरायकेला। सरायकेला जिला परिवहन पदाधिकारी शंकराचार्य सामद ने सरायकेला- कांड्रा मुख्य सड़क पर सघन वाहन जांच व जागरूकता अभियान चलाया। बुधवार को सामद ने जिले में बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं में नियंत्रित, सड़क सुरक्षा व यातायात नियमों के प्रति लोगो को जागरूक किया। अभियान के दौरान बिना हेलमेट दो पहिया वाहन व बिना सीटबेल्ट के बड़े वाहन चला रहें लोगो को जुमार्ना लगाते हुए सड़क सुरक्षा व यातायात नियमों के संबंध में जानकारी दी गई। जिला परिवहन पदाधिकारी शंकराचार्य सामद ने बताया वाहन चलाते समय सुरक्षा के दृष्टिकोण से हेलमेट व सीट बेल्ट का उपयोग अत्यंत आवश्यक है। किसी भी परिस्थिति में ओवरस्पीड, ड्रंक एंड ड्राइव ना करे। साथ ही ओवरस्पीड व ड्रंक एंड ड्राइव के मामले में जुमार्ना व चालक अनुज्ञप्ति भी निलंबित हो सकती है। इससे बड़े हादसे का शिकार भी हो सकते है। मौके पर उन्होंने विभिन्न दुर्घटनाओं से संबंधित उदाहरण प्रस्तुत की। साथ ही स्वास्थ्य पर पड़ने वाले दुष्प्रभाव, परिवार पर आर्थिक व मानसिक रूप से होने वाली परेशानी से अवगत कराया। साथ ही जिले वासियों से यातायात नियमों के नियमित अनुपालन सुनिश्चित करने की अपील की। वहीं पेरेंट्स को भी नसीहत देते हुए कहा कम उम्र वाले बच्चों को वाहन चलाने ना दे। पकड़े जाने पर हो सकती है वाहन मालिक पर कार्रवाई।

विश्व आदिवासी दिवस पर खेलकूद प्रतियोगिता में शामिल हुए सैकड़ों ग्रामीण, विजयी प्रतिभागी हुए पुरस्कृत

जमशेदपुर (आजाद सिपाही)। गोबिंदपुर गधडा तेतुल बगान मैदान में झारखंड आंदोलनकारी नेता जेना जमुदा के नेतृत्व में विश्व आदिवासी दिवस हर्ष उल्लास के साथ धूमधाम से मनाया गया। मौके पर मुख्य अतिथि सामाजिक सेवा संघ के अध्यक्ष राजेश सामंत, विशिष्ट अतिथि विश्वजीत भगत, सम्मानित अतिथि बिरजु पात्रो शामिल हुए। मौके पर ग्रामीणों ने अतिथियों का आदिवासी परंपरा के अनुसार स्वागत किया। बुधवार को कार्यक्रम का उद्घाटन अतिथियों के द्वारा संयुक्त रूप से धरती आबा बिरसा मुंडा व लाखों बोदरा के तस्वीर पर मालार्पण कर,धूप दिखा कर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए किया गया। मौके पर वनडे फुटबॉल टूर्नामेंट, आदिवासी पारंपरिक नाच गाना के साथ पत्ता थाली व डोना बनाने का प्रतियोगिता आयोजित की गई। ग्रामीणों ने प्रतियोगिता में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। वही जितने वाले प्रतिभागीयों को अतिथियों के द्वारा पुरस्कृत कर हौसला अब जाए की गई। इस अवसर पर सैकड़ो ग्रामीण उपस्थित रहे।

डीसी के निर्देश पर 'मेरी माटी मेरा देश' अभियान का उप विकास आयुक्त ने की समीक्षा

'एक मुट्ठी माटी' व 'एक दीया' के साथ अपने मोबाइल से सेल्फी खींच कर वेबसाइट पर करें अपलोड : मनीष कुमार

आजाद सिपाही सवांददाता

जमशेदपुर। पूर्वी सिंहभूम जिले के डीसी मंजूनाथ भजन्त्री के निर्देश पर 'मेरी माटी मेरा देश' अभियान का उप विकास आयुक्त मनीष कुमार ने समीक्षा बैठक की। बुधवार को बैठेक में 30 अगस्त तक चलने वाले अभियान को पूर्ण उत्साह के साथ सफल बनाने के निर्देश दिए। **पंचायतों में होगा पौधरोपण, वीरों का शिलालेख पर होगा उल्लेख।** अभियान के तहत अमृत सरोवर के पास स्मारक स्थल का निर्माण,सरोवर के चारों तरफ पौधा रोपण व संरक्षित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा यदि अमृत सरोवर नहीं हो तो स्कूल, आंगनबाड़ी केंद्र, पंचायत भवन सहित अन्य सरकारी भवन के आसपास अभियान के तहत 75 पौधारोपण किये जाने का निदेश दिए। वही वीरों का वंदन में स्वतंत्रता सेनानियों व कर्तव्य पर रहते शहीद हुए वीरों व उनके परिवारों का स्मरण, सम्मान करने की की बात कही। उन्होंने स्मारक स्थल पर पंच प्रण की शपथ लेनेय के उपरांत ली गयी सेल्फी को पोर्टल पर अपलोड करने के निर्देश दिए। साथ ही शिलालेख पर वीरों का उल्लेख करने की बात कही। मौके पर उन्होंने जिलेवासियों से एक मुट्ठी माटी' अथवा 'एक दीया' के साथ अपने मोबाइल से सेल्फी खींच कर पर अपलोड करने की अपील की। जिला प्रशासन के द्वारा जनप्रतिनिधियों और समस्त जिलेवासियों से सहभागिता निभाने की अपील की गयी।

कहा, जिलेवासियों से अभियान के सफलता में सहयोग अपेक्षित

विश्व आदिवासी दिवस : गढ़वा में झारखंड आदिवासी महोत्सव का आयोजन

आदिवासियों के हित में बेहतर कार्य कर रही है हेमंत सरकार : मंत्री

झारखंड निर्माण का उद्देश्य तभी पूरा होगा जब आदिवासियों को मिलेगा पूरा हक व अधिकार : मिथिलेश ठाकुर

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। विश्व आदिवासी दिवस के मौके पर गढ़वा में झारखंड आदिवासी महोत्सव का आयोजन किया गया। शहर के नवादा मोड़ स्थित उत्सव गार्डेन में बुधवार को आयोजित इस कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित गढ़वा विधायक झारखंड सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर ने भगवान बिरसा मुंडा, स्वतंत्रता सेनानी जेठन सिंह खरवार व फेतल सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर एवं दीप प्रज्वलित कर किया। इस दौरान मंत्री सहित सभी आदिवासी नेताओं व समाज के प्रबुद्ध लोगों का पगड़ीपोशी कर स्वागत किया गया। इससे पूर्व आदिवासी समाज के लोग टाउन हॉल के मैदान से आदिवासी नृत्य के साथ जुलूस निकाल कर कार्यक्रम स्थल उत्सव गार्डेन पहुंचे। यहां मंत्री श्री ठाकुर का भव्य स्वागत किया गया। कार्यक्रम में मंत्री ने स्वतंत्रता सेनानी जेठन सिंह खरवार व फेतल सिंह के वंशजों को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया।

मौके पर मंत्री श्री ठाकुर ने आदिवासी समुदाय को विश्व आदिवासी दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि दिशोम गुरु शिबु सोरेन ने आदिवासी एवं मूल वासियों के हित की रक्षा के लिए ही अपना सर्वस्व न्यौछावर कर झारखंड को अलग राज्य बनवाया। झारखंड निर्माण का उद्देश्य तभी पूरा होगा जब आदिवासियय्यों को उनका पूरा हक व अधिकार मिलेगा। मंत्री ने कहा कि हेमंत सरकार आदिवासियों के हित में बेहतर कार्य कर रही है। आदिवासियों के बच्चों को विदेशों में निःशुल्क पढ़ाई, यूपीएससी, जेपीएससी आदि प्रतियोगी परीक्षाओ की निःशुल्क कोचिंग, शिक्षा, ऋण आदि कई तरह की योजनाएं चला रही है। राज्य में आदिवासी हित एवं झारखंड वासियों के लिए बेहतर कार्य कर रहे आदिवासी के बेटे हेमंत सोरेन को केंद्र सरकार पचा नहीं पा रही है। इन्हें सत्ता से हटाने के लिए हर तरह के हथकंडे अपना रही है। केंद्र की यह करतूत पूरे झारखंड की जनता का अपमान है। उन्होंने कहा कि पूरे देश में आदिवासियों की दो प्रतिशत आबादी है। परंतु एक राजनीतिक दल के लोग आदिवासियों का उपयोग वोट बैंक के रूप में करते हैं। वे लोग सत्ता में आते ही आदिवासियों को भूल जाते हैं। झारखंड सरकार आज पूरे राज्य में धूमधाम से विश्व आदिवासी दिवस मना रही है। मंत्री ने कहा कि झारखंड सरकार सभी जरूरतमंदों को वन पट्टा उपलब्ध करायेगी। यदि इस कार्य में कोई अधिकारी लापरवाही बरतते हैं, तो उनके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। मंत्री ने कहा कि झारखंड सरकार आदिवासियों के हित की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। आगामी 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के मौके पर गवर्नर के साथ भोज में शामिल होने के लिए गढ़वा से भी आदिवासी समुदाय के लोगों का नाम भेजा गया है। मंत्री श्री ठाकुर ने कहा कि पलामू की धरती से कई वीर सपूत पैदा हुए। जिन्होंने आजादी की लड़ाई में अंग्रेजों के दांत खट्टे कर दिये। मौके पर हेमंत लकड़ा, चैतु सिंह खरवार, हिरामन कोरवा, ज्योति लकड़ा, रामसागर उरांव, जिप अध्यक्ष शांति देवी आदि ने विचार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन संजय सिंह खरवार छोटू ने किया। मौके पर मुख्य रूप से जिला बीस सूत्री उपाध्यक्ष नितेश सिंह, झामुमो के केंद्रीय प्रवक्ता धीरज दुबे, झामुमो जिलाध्यक्ष तनवीर आलम, सचिव मनोज ठाकुर, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष रेखा चौबे, चंदा देवी, अनिता दत्त, रजनीगंधा, ताहिर अंसारी, बनारसी सिंह खरवार, नवीन तिवारी, दिलीप गुप्ता, राजकिशोर यादव, मंदीप सिंह खरवार, कमता सिंह खरवार, बेलाश सिंह खरवार, नितेश सिंह खरवार, प्रमिला देवी, सुनैना देवी, लीलावती देवी, रतन सिंह खरवार, बसंती पन्ना, शिवलखन लकड़ा, गजाधर सिंह खरवार, बागेश्वर सिंह, कपिल देव सिंह, बंधन उरांव, मंगरू सिंह सहित काफी संख्या में आदिवासी समाज के लोग उपस्थित थे।

मांदर बजा कर मंत्री ने किया आदिवासी नृत्य, उपहार देकर आदिवासी समुदाय को किया सम्मानित

विश्व आदिवासी दिवस के मौके पर गढ़वा के उत्सव गार्डेन में आयोजित आदिवासी महोत्सव के दौरान गढ़वा विधायक झारखंड सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर ने मांदर बजा कर आदिवासी नृत्य किया। इस दौरान कई आदिवासी नेताओं ने भी मंत्री के साथ मांदर बजा कर नृत्य किया। इस कार्यक्रम में आदिवासी परंपरा के अनुसार मंत्री श्री ठाकुर का भव्य स्वागत किया गया। कार्यक्रम के दौरान कलाकारों की कई टोलियों ने आदिवासी नृत्य व गीत प्रस्तुत किया। मंत्री श्री ठाकुर ने कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाली टोलियों को उपहार स्वरूप दो-दो मांदर दिया। साथ ही कार्यक्रम में उपस्थित सभी आदिवासियों को उपहार में धोती एवं साड़ी प्रदान किया।

गढ़वा जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति के सदस्य बनाये गये भोला चंद्रवंशी

आजाद सिपाही संवाददाता

सदस्य मनोनीत किये जाने के बाद भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने भोला चंद्रवंशी को दी बधाई

गढ़वा। भारत सरकार के ग्रामीण विकास विभाग द्वारा मझिआंव विधायक के प्रतिनिधि भोला चंद्रवंशी को गढ़वा जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति का सदस्य बनाया गया है। पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने बताया कि भारत सरकार ने उनके ऊपर विश्वास जताते हुए जो दायित्व सौंपा है, उसपर वे खरा उतरते हुए व अपने कर्तव्यों की पूरी निष्ठा के साथ निर्वहन करेंगे। उन्होंने कहा यह जिम्मेवारी मिलना उनके लिए बड़ी मायने रखती है। उन्होंने कहा कि आज भारत देश जिस तीव्र गति से विकास की दिशा में अग्रसर है उसका पूरा श्रेय भारत सरकार को जाता है। गढ़वा जिला के विषय में बात करते हुए श्री चंद्रवंशी ने कहा कि वर्तमान में अपना जिला विभिन्न समस्याओं से जूझ रहा है।

यहां की जनता को रोजमर्रा के जीवन में कई परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। यह जिम्मेवारी मिल जाने के बाद अब उनका मुख्य उद्देश्य गढ़वा के विकास में हाथ बंटाने के साथ लोगों के जीवन में आ रही समस्याओं से सरकार को अवगत कराते हुए उसका समाधान कराना होगा। मनोनीत किए जाने के बाद भारतीय जनता पार्टी के जिला सांसद प्रतिनिधि प्रमोद चौबे, जिला उपाध्यक्ष राजीव रंजन तिवारी, गढ़वा सांसद प्रतिनिधि चंदन जयसवाल, विधायक प्रतिनिधि संजय कमलापुरी सहित कई भाजपा नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने श्री चंद्रवंशी को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

आदिवासी दिवस के अवसर पर आश्रम आवासीय बालिका उवि में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित

हरिहरपुर (आजाद सिपाही)। आदिवासी दिवस के अवसर पर आश्रम आवासीय बालिका उच्च विद्यालय मझिगावां में एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय की प्रभारी अनुप्पा टोप्पो ने किया। इस अवसर पर विद्यालय की छात्राओं ने एक से बढ़कर एक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। जिसमें गायन, भाषण, नाटक तथा नृत्य के माध्यम से कार्यक्रम में उपस्थित सभी का दिल मोह लिया। विद्यालय की कक्षा सातवीं की छात्राओं ने ₹झारखंड की धरती तोर कोरा केतना महान₹ गीत पर पारंपरिक परिधान पहन कर नृत्य प्रस्तुत किया जिसने कार्यक्रम में उपस्थित विद्यालय की सभी छात्राओं को झूमने पर मजबूर कर दिया। छात्राओं ने कार्यक्रम में हिंदी, नागपुरी व संथाली गानों पर नृत्य किया। कार्यक्रम में सभी ने एकल तथा सामुहिक नृत्य पस्तुत किया। विद्यालय की छात्राओं ने 'पेड़ लगाओ-जंगल बचाओ' नामक नाटक प्रस्तुत कर सभी को पेड़ का महत्व बताया। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक बिरबल मेहता ने उपस्थित बच्चों को आदिवासी दिवस का महत्व बताया। मंच संचालन विद्यालय की नवीं की छात्रा अंजली उरांव ने किया। मौके पर विद्यालय की शिक्षिका सुबानी कुजूर, सुमंती कुमारी, शिक्षक सुरेश चंद्र महतो सहित विद्यालय की सभी छात्रा उपस्थित थीं।

बाइक दुर्घटना में घायल युवक की मौत

मेराल (आजाद सिपाही)। थाना गेट के सामने एन एच 75 पर बुधवार को बाइक दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल युवक की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार मेराल थाना गेट के सामने एक बाइक सवार को दूसरे बाइक सवार ने पीछे से धक्का मार दिया जिससे अगला बाइक सवार सड़क पर गिर गया, इसी दौरान तेज गति से आ रही तीसरी अज्ञात बाइक सवार ने उसे अपनी चपेट मे ले लिया जिससे वह बुरी तरह से घायल हो गया। दुर्घटना की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी नीतीश कुमार अविलंब घटनास्थल पर पहुंचे तथा घायल युवक को उठाकर मेराल अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान मेराल थाना क्षेत्र के अरंगी पंचायत के सेमरदोहरी गांव निवासी रामचंद्र राम का 30 वर्षीय पुत्र विनय राम के रूप में की गई। पहचान के बाद इसकी सूचना मेराल थाना पुलिस द्वारा मृतक के परिजनों को दी गई। सूचना मिलने पर पहुंचे परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल था। परिजनों के अनुसार विनय राम राजमिस्त्री का काम करता था। दोपहर में वह मेराल बस स्टैंड स्थित बैंक से पैसा निकासी करने गया था। जहां से वह घर वापस लौट रहा था की मेराल थाना गेट के पास बाइक दुर्घटना हो गई। थाना पुलिस ने पंचनामा के बाद शव को अंत्य परीक्षण के लिए गढ़वा सदर अस्पताल भेजा दिया।

जिला कांग्रेस ने आदिवासी गौरव पर्व सह सम्मान समारोह का किया आयोजन

आदिवासी समाज के लिए बेहतर कार्य करने वाले लोगों को कांग्रेस कमेटी की ओर से किया गया सम्मानित

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। गढ़वा जिला कांग्रेस कमिटी के द्वारा विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर तसरार पंचायत भवन के प्रांगण में आदिवासी गौरव पर्व सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष ओबैदुल्लाह हक अंसारी ने की वहीं कार्यक्रम का संचालन गढ़वा प्रखंड कांग्रेस के अध्यक्ष योगेन्द्रनाथ चौबे ने किया।

कार्यक्रम में बोलते हुए ज़िला अध्यक्ष ओबैदुल्लाह हक अंसारी ने कहा कि शुरू से ही आदिवासियों की हितैषी कांग्रेस पार्टी रही है। आज इस महत्वपूर्ण दिन को मनाकर हम आदिवासी समुदायों के महत्व एवं उनकी संस्कृति समझने का संदेश देते हैं। तेजी से बढ़ती तकनीकी और आर्थिक प्रगति ने आदिवासी समुदायों के सांस्कृतिक धरोहर कुछ हद तक छूने का प्रयास किया है, इसके परिणाम स्वरूप उनकी पारम्परिक जीवनशैली और ज्ञान धीरे धीरे विलुप्त हो रहे हैं। प्रदेश सचिव प्रभात कुमार दुबे उर्फ बड्डू दुबे ने कहा कि आदिवासी समुदायों की संस्कृति और परम्पराएं हमें एक महत्वपूर्ण सबक सिखाती हैं, प्रकृति से मिलकर जीने की एक कला। युवा नेता दिनेश कुमार सिंह ने कहा कि इस विश्व आदिवासी दिवस पर हम सभी को समझने की आवश्यकता है कि हमारी समृद्ध संस्कृतिक विरासत का एक महत्वपूर्ण हिस्सा आदिवासी संस्कृति और परम्पराएं हैं। युवा नेता जफर एकबाल ने कहा कि हमें आदिवासी समुदायों की संस्कृति और परम्पराओं को संरक्षित रखने का प्रयास करना होगा। जिला महासचिव त्रिपुरारी सिंह ने कहा कि आदिवासियों के उत्थान के लिया कांग्रेस की सरकार ने कई कार्य किये। कार्यक्रम में आदिवासी समाज के लिए बेहतर कार्य करने वाले दिनेश कुमार सिंह, खुशबू कुमारी, सरिता देवी, झरी कोरवा, मुनि देवी को कांग्रेस कमिटी की ओर से सम्मानित किया गया।

मौके पर जिला सचिव दिवाकर चौबे, आसिफ खान, डंडई 20 सूत्री अध्यक्ष केयामउद्दिन अंसारी, रारों पंचायत की मुखिया मुनिता देवी, फिरोज अंसारी, शरीफ अंसारी, रानी देवी, गौरी देवी, आइडियल स्कूल के निदेशक तौहीद अंसारी, मुखिया पति जितेंद्र कुमार सहित अन्य लोग मौजूद थे।

नीलांबर पीतांबर आदिवासी संघ ने आदिवासी दिवस पर किया कार्यक्रम का आयोजन

भवनाथपुर (आजाद सिपाही)। 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर नीलांबर पितांबर आदिवासी संघ के बैनर तले भवनाथपुर उच्च विद्यालय के मैदान में कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम से पूर्व सैकड़ों की संख्या में आदिवासी महिला पुरुष द्वारा उच्च विद्यालय के मैदान से रैली निकाली गई जो मुख्य बाजार होते हुए कर्पूरी चौक तक गई वहां से पुनः कार्यक्रम स्थल तक पहुंची, जिसमें आदिवासियों का शोषण बंद करो, जल जंगल जमीन अधिग्रहण बंद करो आदि नारे लगाए जा रहे थे। कार्यक्रम में पहुंचे वक्ताओं ने आदिवासियों के आबादी, उनके अधिकार को बढ़ावा देने के साथ ही उनके मुद्दे पर ध्यान आकृष्ट कराया गया। आदिवासी अनुसूचित जनजाति के तहत आते हैं, आदिवासी समाज को शिक्षित करने और उन्हें रोजगार से जोड़ने और आदिवासी समाज को देश स्तर पर उनके उत्थान के लिए परिचर्चा की गई। इस मौके पर बीडीओ जयपाल महतो, थाना प्रभारी रामेश्वर उपाध्याय, कैलान के पूर्व मुखिया राजकिशोर सिंह, भवनाथपुर उप प्रमुख पिंटू टोप्पो, शक्ति सिंह, धर्मेंद्र, उमेश सिंह, विजय सिंह, पप्पू सिंह, रामराज चेरो, शिवरतन उरांव, विमलेश उरांव, अखिलेश उरांव सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

संगवरिया में विश्व आदिवासी दिवस समारोह का आयोजन

आदिवासी समाज को शिक्षित, संगठित होने और अपने अधिकारों को पाने के लिए संघर्ष करने का किया गया आह्वान

आजाद सिपाही संवाददाता

मेराल। सामाजिक परिवर्तन केंद्र के तत्वावधान में नीलांबर पीतांबर चौक संगवरिया में विश्व आदिवासी दिवस का आयोजन किया गया। आदिवासी समाज में नेतृत्व क्षमता, संवर्धन कार्यक्रम की अध्यक्षता मटुकी सिंह ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि गढ़वा जिला अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कर्मचारी संघ के जिलाध्यक्ष रघुराई राम के द्वारा अमर शहीद निलम्बर पीताम्बर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया गया। इस अवसर पर रघुराई राम ने कहा कि आदिवासी समाज को लीडर बनने की जरूरत है। उन्होंने समाज के उत्थान के लिए आवश्यक कदम उठाने पर बल दिया। कार्यक्रम को बसपा के जिला कोषाध्यक्ष चंद्रिका सिंह, अनुज सिंह, मनीष सिंह, छात्र संघ के जिला अध्यक्ष कुंदन चंद्रवंशी, बसपा के मेराल प्रखंड अध्यक्ष उमाशंकर राम, संजय राम, सीता राम सिंह, चंदन कुमार सिंह, भगवान कुमार रवि देव कुमार सिंह, सुभाष कुमार रवि, सुबेश्वर राम, प्रशांत कुमार सिंह, सुदामा सिंह, एस कुमार सिंह, अनिल कुमार सिंह, शिक्षक वीरेंद्र कुमार पाल आदि ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे मटन की सिंह ने आदिवासी समाज को शिक्षित होने, संगठित होने और अपने अधिकारों को पाने के लिए संघर्ष करने का आह्वान किया। मौके पर अंबिका सिंह, सुनील सिंह, मुकेश कुमार सिंह, सुदामा चंद्रवंशी, चंदन कुमार सिंह, भगवान कुमार रवि, गणेश कुमार सिंह, धनुषधारी सिंह, विनय कुमार सिंह, विजय सिंह, कंचन प्रसाद, किशोरी सिंह, सुधीर कुमार, मंजय कुमार सिंह, उपेंद्र सिंह, छोटू सिंह, जयराम सिंह, रमेश सिंह, गोरखनाथ सिंह, अक्षय सिंह, बसरोपण सिंह, सागर सिंह, वीरेंद्र सिंह, अजीत चंद्रवंशी, हरावंत सिंह, राजा सिंह, साजन सिंह, शशि कुमार, जयकुमार सिंह, संदीप सिंह, आकाश सिंह व लोग मौजूद थे।

मेराल थाना प्रभारी ने जरूरतमंद के लिए रक्तदान कर मानवता की मिसाल पेश की

मेराल (आजाद सिपाही)। थाना प्रभारी नीतीश कुमार ने मंगलवार की देर शाम में एक जरूरत मंद के लिए रक्तदान कर मानवता की मिशाल पेश की है। उन्हें वाट्स एप्प के माध्यम से जानकारी मिली कि गढ़वा सदर अस्पताल में भर्ती रशीद अंसारी को तत्काल ए पॉजिटिव ब्लड की आवश्यकता है। मैसेज पढ़ने के तुरंत थाना प्रभारी मेराल नीतीश कुमार ने गढ़वा सदर अस्पताल पहुंच कर कांडी थाना क्षेत्र के रशीद अंसारी के लिए एक यूनिट रक्तदान किया। साथ ही थाना प्रभारी के प्रेरणा से मेराल थाना में रिजर्व गार्ड के आरक्षी राजू कुमार दुबे के द्वारा भी एक यूनिट ए पॉजिटिव रक्तदान किया गया। रक्तदान करने के बाद थाना प्रभारी नीतीश कुमार ने आम लोगों से भी जरूरतमंदों के लिए रक्तदान करने की अपील करते हुए कहा कि रक्तदान महादान है, उन्होंने युवाओं को रक्तदान के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि आपके रक्तदान से किसी जरूरतमंद की जान बच सकती है।

कार्यक्रम : विश्व आदिवासी दिवस पर बड़गड़ में कार्यक्रम में शामिल हुए उपायुक्त

खेल प्रतियोगिता में अव्वल आये बच्चों को किया सम्मानित

उपायुक्त ने परियोजना प्लस टू उवि, बड़गड़ में पिटी टीचर देने व ओपन जिम भी बनवाने की बात कही

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। विश्व आदिवासी दिवस के मौके पर परियोजना प्लस टू उच्च विद्यालय, बड़गड़ में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि उपायुक्त, शेखर जमुआर शामिल हुए। वहीं कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में निदेशक, खाद्य आपूर्ति विभाग झारखंड सरकार दिलीप तिर्की समेत अन्य कई पदाधिकरी एवं ग्रामीण शामिल हुए।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपायुक्त ने सभी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए विश्व आदिवासी दिवस की शुभकामनाएं दी। उपायुक्त ने कहा कि कार्यक्रम में बच्चों के बीच आकर उन्हें अपना बचपन याद आ रहा है। विभिन्न खेलों में भाग ले रहे खिलाड़ियों की हौसला अफजाई करते हुए उन्होंने कहा कि उन्हें भी खेल के प्रति काफी रुचि रही है इसलिए वह और भी बेहतर ढंग से खिलाड़ियों को समझते हैं। जिले में खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने हेतु कार्य किया जा रहा है। झारखंड के बच्चों में खेल के प्रति काफी प्रतिभा है। हमारे शिक्षक बच्चों का प्रतिभा बढ़ाने में काफी अहम भूमिका निभा रहे हैं। यहां के लोगों में काफी ऊर्जा है, उसे निखारने की आवश्यकता है। मैं भी बैडमिंटन का खिलाड़ी रहा हूं, इसलिए मैं अच्छे से समझ सकता हूं आपकी प्रतिभा को, राज्य एवं केंद्र सरकार आपको काफी सहयोग करेगी, आप निरंतरता बनाए रखें, मेहनत करें, हम सभी आपके साथ हैं। उन्होंने परियोजना प्लस टू उच्च विद्यालय, बड़गड़ में पिटी टीचर विद्यालय में देने की बात कही, ओपन जिम भी बनवाने की बात कही। साथ ही कहा कि आज के दौर में कम्प्यूटर की शिक्षा काफी आवश्यक है, जिसे देखते हुए परियोजना प्लस टू उच्च विद्यालय, बड़गड़ में कम्प्यूटर ट्रेनिंग सेंटर खोलने की बात कही।

कार्यक्रम में उपस्थित निदेशक, खाद्य आपूर्ति विभाग झारखंड सरकार द्वारा जिला स्तरीय खेलकूद का सफल आयोजन का श्रेय उपायुक्त को दिया गया। कहा कि हमारे खिलाड़ी बड़गड़ से निकलर राज्य एवं देश स्तर पर खेल कर जिला का नाम रौशन कर रहे हैं। कार्यक्रम में खाद्य आपूर्ति विभाग निदेशक दिलीप तिर्की, डीपीआरओ साकेत कुमार पांडेय, जिला खेलकूद पदाधिकारी उमेश लोहरा, सहायक निदेशक सामाजिक सुरक्षा नीतीश कुमार निशांत, प्रखंड विकास पदाधिकारी बड़गड़ बिपिन भारती, अंचल अधिकारी बड़गड़, परियोजना उच्च विद्यालय के शिक्षक एवं शिक्षिका समेत स्कूली बच्चें एवं स्थानीय लोग उपस्थित थे।

गढ़वा जिला फुटबॉल प्रतियोगिता को लेकर किया गया विचार विमर्श

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। गढ़वा जिला फुटबाल संघ के तत्वावधान में बुधवार को परिसदन भवन में फुटबॉल संघ के अध्यक्ष आलोक मिश्रा की अध्यक्षता में बैठक कर आगामी 17 अगस्त से आयोजित होने वाले स्व. कौशल कुमार ठाकुर गढ़वा जिला फुटबॉल प्रतियोगिता को लेकर विचार विमर्श किया गया। इसमें सिंतबर माह में आयोजित होने वाले झारखंड राज्य अंतर जिला फुटबॉल प्रतियोगिता आयोजित कराने को लेकर भी विचार विमर्श किया गया। विजेता और उपविजेता टीम को नगद राशि देने का भी निर्णय लिया गया। विजेता टीम को 21000 नगद और उपविजेता टीम को 11000 और फाइनल के दोनों टीमों के खिलाड़ियों को विशेष पुरस्कार दिया जाएगा। टीम का पंजीयन शुल्क 2000 रखा गया है। प्रतियोगिता में जिले की 20 क्लब को शामिल किया जाएगा। पंजीयन की आखिरी तारीख 14.8. 2023 होगी। प्रतियोगिता का आयोजन हेतु गढ़वा जिला फुटबॉल संघ के सचिव जैनुल आबेदीन खान के नेतृत्व में आयोजन उप समिति का गठन किया गया। जिसमें जैनुल आबेदीन खान को चेयरमैन, गढ़वा से उपेंद्र कुमार, कांडी से लक्ष्मण राम, रंका से सत्येंद्र यादव, नगर उंटारी से कमलेश पांडेय, मेराल से प्रदीप सिंह, तबीब आलम व राजन कुमार, भंडरिया से अमित रमकंडा से कंचन कुमार बरगढ़ से मनीष किस्पोट्टा, चिनिया से विनोद यादव, डंडई से नीलकंठ सिंह भवनाथपुर से शक्ति सिंह को सदस्य रखा गया है। सभी मैच रामा साहू उच्च विद्यालय के मैदान में होगा। पंजीयन आलोक स्पोर्ट में किया जायेगा। इसके लिये मो. नंबर 8102648932, 7739228922, 6201073740 जारी किया गया है। मौके पर राघवेन्द्र सिंह, जगरनाथ राम, सुशील तिवारी, अखिलेश पासवान, धनंजय पासवान, अजयकांत, धीरज चौबे, अंकित चौबे, राजकमल तिवारी, किशोर कुणाल, राजेश प्रसाद चंद्रवंशी, राजन कुमार उपस्थित थे।

स्कूल में ताला बंदी, शिक्षा और भोजन से वंचित हुए बच्चे

लातेहार(आजाद सिपाही)। लातेहार जिला के सदर प्रखंड स्थित परसही पंचायत ग्राम डुमरियाडाढ के उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय में अज्ञात व्यक्ति द्वारा ताला बंद कर दिये गया, जिससे विद्यालय में शैक्षणिक कार्य और मध्यान भोजन बंद है। यहां के लोग भयभीत हैं, जिसको लेकर इस संबंध में शिक्षा विभाग और थाना को आवेदन दे देकर मदद की गुहार लगायी गयी है। चार दिन बीत जाने के बाद भी अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुआ है। विद्यालय के प्रधानाध्यापक अंतू सिंह ने बताते हैं, कि गांव के ही कुछ लोग बा जबरदस्ती कर रहे हैं। उन लोग का कहना है कि स्कूल में 144 लागू हो गया है। इसलिए स्कूल को बंद कीजिए। समझ में नहीं आ रहा है कि स्कूल में 144 कैसे लागू कैसे हो सकता है। गांव के प्रधान चेतन सिंह का कहना है कि विद्यालय गांव के लोग मिल कर के हम लोग चालू कराये हैं। इस विद्यालय के फील्ड में बहुत पहले से गाय डाढ लगया जाता रहा है तथा, सार्वजनिक समारोह होता है। विवाद का कोई कारण नहीं है। इस मामले में प्रशासन को तुरंत हस्तक्षेप कर मामले को सुझाना चाहिए।

जनजातीय आवासीय विद्यालय महुआडांड में मनाया गया विश्व आदिवासी दिवस

महुआडांड़(आजाद सिपाही)। प्रखंड के जनजाति आवासीय विद्यालय महुआडांड़ में विश्व आदिवासी दिवस मनाया गया। विद्यालय परिसर में प्राचार्य गिरजाराम के भगवान बिरसा मुंडा की तस्वीर पर दीप प्रज्जवलित के साथ विश्व आदिवासी दिवस का समारोह आयोजन प्रारंभ हुआ। इस दौरान शिक्षक समेत छात्रो ने भी बिरसा मुंडा की तस्वीर पर माल्यार्पण किया। साथ ही छात्रों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये। शिक्षक/शिक्षिका ने भी इस अवसर पर संभाषण, संगीत आदि की प्रस्तुतिकरण किया।09

पंचायत भवन कैरो में नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन, 11 अगस्त को पुन:लगेगा शिविर

कैरो (लोहरदगा)(आजाद सिपाही)। प्रखंड कैरो जिला लोहरदगा के अंतर्गत 09 अगस्त बुधवार को पंचायत भवन कैरो मे पंचायत के मुखिया बीरेन्द्र महली की उपस्थिति मे सिटी ट्रस्ट हास्पीटल एंड रिसर्च सेंटर ईटकी रोड पिस्का मोड़ राँची के द्वारा नि:शुल्क नेत्र जाँच शिविर का किया गया आयोजन। उक्त शिविर मे 50 महिला पुरूषो की 10 रुपये पंजीकरण शुल्क लेकर नेत्र का जाँच कर चिकित्सक डॉ बी अली के द्वारा नेत्र मरीजों को आवश्यक परामर्श दी गयी। मौके पर डा बी अली ने बताया कि कैरो पंचायत मे पुनः 11 अगस्त को आँगनबाड़ी केंद्र कैरो नयाटोली मे शिविर का आयोजन ट्रस्ट के द्वारा किया जायेगा। जिसमे हास्पीटल के प्रमुख नेत्र चिकित्सक डॉ एम अहमद नेत्र मरीजो का जाँच कर आवश्यक परामर्श देंगे। मौके पर उपस्थित डा बी अली ने कहा कि ट्रस्ट के द्वारा समय समय पर सेवाभावना को लेकर इस तरह के शिविर का आयोजन नि:शुल्क किया जाता रहा है, शिविर मे आकर नि:शुल्क चिकित्सकीय परामर्श का ग्रामीण अधिक-से-अधिक उठायें लाभ।

जनता दरबार में बीडीओ ने सुनी समस्याएं

बालूमाथ(आजाद सिपाही)। उपायुक्त हिमांशु मोहन के निर्देश पर बालूमाथ प्रखंड कार्यालय परिसर में जनता दरबार लगाकर प्रखंड विकास पदाधिकारी ने ग्रामीणों की समस्यायें सुनी। इस दौरान ग्रामीणों के द्वारा जन्म प्रमाण पत्र से संबंधित 21, मृत्यु प्रमाण पत्र से संबंधित एक, वृद्धा पेंशन से संबंधित 13, विधवा और दिव्यांग पेंशन से संबंधित एक-एक और मनरेगा जॉब से संबंधित 5 आवेदन प्राप्त हुए। जिसमें प्रखंड विकास पदाधिकारी राज्यश्री ललिता बाखला ने जांचों उपरांत वृद्धा, विधवा पेंशन से संबंधित पांच मामलों का निष्पादन किया और शेष मामलों का निष्पादन जांच के बाद करने का आश्वासन दिया। मौके पर बालूमाथ प्रखंड ऋषि पदाधिकारी मनीष कुमार पांडे, प्रखंड महिला प्रसार पदाधिकारी मोनिका मिंज, प्रखंड के प्रधान सहायक राजीव रंजन कुमार, प्रखंड कर्मी सोनू कुमार समेत कई लोग मुख्य रूप से मौजूद रहे।

जेएमएम ने विश्व आदिवासी दिवस मनाया

लोहरदगा(आजाद सिपाही)। झारखंड मुक्ति मोर्चा के जिला अध्यक्ष मोजम्मिल अहमद के अगुवाई में झामुमो जिला कार्यालय में विश्व आदिवासी दिवस मनाया गया। मौके पर आदिवासी समाज के लोगो को साड़ी और आदिवासी गमछा देकर सम्मानित किया। जिला अध्यक्ष ने कहा की आज के दिन विश्व आदिवासी दिवस मनाया जाता है इस दिन दुनिया के सभी लोगो को आदिवासी के अधिकारों के बारे में बताया जाता है यह उत्सव आदिवासी लोगो के द्वारा किये गये योगदान और आदिवासियों के उपलब्धियों का पहचान करवाता है। झामुमो केंद्रीय अध्यक्ष शिबू सोरेन, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन आदिवासी के हक की लड़ाई लड़ रहे हैं। मौके पर जिला सचिव अनिल उरांव, अफरोज आलम, धनबाज उरांव, पूनम उरांव, देवकी, उमा, संतोष आदि मौजूद थे।

आदिवासी समाज के लोगों ने निकाला जुलूस

लोहरदगा(आजाद सिपाही)। राजी पड़हा सरना प्रार्थना सभा जिला समिति, युवा समिति और महिला समिति के संयुक्त बैनर तले विश्व आदिवासी दिवस के मौके पर जिले में जुलूस निकाला गया। जुलूस एमजी रोड स्थित झखरा कुंबा से निकलकर अजय उद्यान पार्क होते हुए बरवाटोली, मिशन चैक, राणा चैक, अपर बाजार होते हुए थाना टोली, बाड़ा तालाब, सोमवार बाजार होते हुए सुभाष चौक पहुंची। यहां से मुड़कर न्यू रोड होते हुए वीर शिवाजी चैक से मुड़कर एमजी रोड स्थित झखरा कुंबा पहुंचकर संपन्न हुई। जुलूस के दौरान आदिवासी समाज के लोगों ने हाथों में तख्ता लेकर अपने हक अधिकार पर अपनी मांग बुलंद किया। जुलूस में प्रार्थना सभा के अलावे प्रार्थना सभा के कोर कमेटी, आदिवासी छात्र संघ, आदिवासी विकास परिषद् भी शामिल हुए। मौके पर मुख्य रूप से सोमे उरांव, विरसा उरांव, जलेश्वर उरांव, केन्द्रीय कमिटी पदाधिकारी एवं कोर कमेटी के अध्यक्ष फूलदेव भगत, सुधू भगत, वीरेंद्र, अमरनाथ भगत, बीरेंद्र, बुधराम, प्रकाश, जिला समिति सोमदेव सहित आदिवासी समाज के लोग मौजूद थे।

ब्लैक एंड ह्वाइट तस्वीर और पुअर इमेज को 14 अगस्त तक करें ठीक: बीडीओ

कैरो(लोहरदगा)(आजाद सिपाही)। प्रखंड कैरो जिला लोहरदगा के अंतर्गत 08 अगस्त मंगलवार को कार्यालय प्रखंड सह अंचल सभागार मे प्रखंड विकास पदाधिकारी पवन कुमार महतो के द्वारा प्रखंड के सभी बूथों के बीएलओ की बैठक आहुत की गयी। बैठक मे प्रविपदा पवन कुमार महतो उपस्थित बीएलओ से कहा कि प्रत्येक बूथों से फार्म 06 मे 30 नये मतदाता का नाम अवश्य जोड़े। वही सभी बूथों पर डोर-टू-डोर मतदाता सूची का सत्यापन करने का कार्य 21 अगस्त तक हर हाल मे पुर्ण कर लिया जाये।

आदिवासी कर्मचारी समिति का विश्व आदिवासी दिवस समारोह आयोजित

आदिवासी समाज का एकजुट होना जरूरी: डॉ रामेश्वर उरांव

आजाद सिपाही संवाददाता

लोहरदगा। आदिवासी कर्मचारी समिति लोहरदगा द्वारा विश्व आदिवासी दिवस समारोह न्यू नगर भवन में मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत देशी मटका में दीप प्रज्वलित कर किया गया। इसके बाद आदिवासी संस्कृति कार्यक्रम का आयोजन छोटे-छोटे बच्चे और बच्चियों के द्वारा किया गया। मौके पर कई आकर्षक और रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति की गयी। मौके पर मंत्री रामेश्वर उरांव ने आदिवासी समाज के उत्थान व विकास के लिए एकजुट होने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि आज आदिवासी समाज अपने हक व अधिकार के प्रति जागरूक हो गया है। समाज को अपने अधिकारों की रक्षा के लिए शिक्षित होने की जरूरत है। शिक्षा ही वह हथियार है जिसका उपयोग करके समाज आगे बढ़ सकता है। जमीन, जंगल और जल की पूजा आदिवासी समाज करता है। आज अपनी धर्म संस्कृति को बचाने की जरूरत है। मंत्री ने कहा झारखंड जनजाति महोत्सव हर साल 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस के तौर पर मनाया जाता है। ये दिन आदिवासी समुदाय के लोगों के संरक्षण और उनके अधिकारों के प्रति जागरुक करने का दिन है। उपायुक्त डॉ वाघमारे प्रसाद कृष्ण ने कहा कि समाज के विकास के लिए एकजुटता जरूरी है। उपायुक्त ने कहा संयुक्त राष्ट्र महासभा ने पहली बार 1994 को अंतर्राष्ट्रीय आदिवासी वर्ष घोषित किया था। इसके बाद से हर साल ये दिन 9 अगस्त को मनाया जाता है। एसपी आर रामकुमार ने कहा भारत ही नहीं, दुनिया के तमाम हिस्सों में आदिवासी समुदाय के लोग रहते हैं, जिनका रहन-सहन, खानपान, रीति-रिवाज वगैरह आम लोगों से अलग है। मौके पर मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव, उपायुक्त डॉ वाघमारे कृष्ण प्रसाद, पुलिस अधीक्षक आर रामकुमार, अनुमंडल पदाधिकारी अरविंद कुमार लाल, आदिवासी कर्मचारी समिति के अध्यक्ष किशोर उरांव, कल्याण पदाधिकारी नारायण राम, सचिव विनोद उरांव कोषाध्यक्ष अभिषेक, बिफई उरांव, सुधीर उरांव, सत्यदेव भगत आदि भारी संख्या में आदिवासी समाज के लोग उपस्थित थे।

बालूमाथ में विश्व आदिवासी दिवस पर निकाली गयी आक्रोश रैली

आजाद सिपाही संवाददाता

बालूमाथ। आदिवासी समाज बालूमाथ, हेरहंज, बारियातु प्रखंड के संयुक्त तत्वावधान में विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर बालूमाथ प्रखण्ड जेएमएम अध्यक्ष ऐश्वर्या उरांव की अध्यक्षता में हजारो आदिवसी समाज के महिलाओ, युतियो पुरूषों विशाल ने तीर धनुष सहित परंपरागत हथियारो से लैश होकर जनाआक्रोश जताते हुऐ बालूमाथ प्रखंड मुख्यालय मे रैली निकालें। इस अवसर पर पारंपरिक आदिवासी परिधान में बालूमाथ प्रखंड मुख्यालय स्थित हाई स्कूल के मैदान से जोगियाडीह विरसा मैदान कांके तक पोस्टर तख्तियां और बैनर लेकर आदिवासी समुदाय के समर्थन में और आदिवासियों पर हो रहे अत्याचार और शोषण के खिलाफ नारेबाजी करते हुए जुलूस निकाला। इसके बाद मणिपुर में आदिवासी महिला को निर्वस्त्र करने की घटना, मध्यप्रदेश में आदिवासी व्यक्ति पर पेशाब करने सहित आदिवासियों के साथ हो रहे शोषण और अत्याचार जैसी घटनाओं से आक्रोशित लोगों ने केंद सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। मौके पर प्रभूदयाल उरांव, नरेश, प्रदीप गंझू नागदेव उरांव, नरेश लोहरा, शंतु उरांव रामलाल भगत, प्रीतलाल यादव सहित बालूमाथ प्रखंड, हेरहंज बारियातु प्रखंड के हजारो की संख्या मे आदिवसी महिलायें, युवतियां और पुरूष उपस्थित थे।

आदिवासी दिवस पर निकाली गयी रैली

आजाद सिपाही संवाददाता

मनिका (लातेहार)। मनिका झारखंड के 86.5 लाख आदिवसी जनसंख्या में से अधिकांश आज शोषण, उत्पीडन, भय, पलायन, भूख, कुपोषण, एनीमिया जैसी असंख्य समस्याओं के कारण जिल्लत भरी जिंदगी व्यतीत करने को विवश हैं अर्थात अमीरी की कोख से गरीबी पैदा होती रही है, कहने का आशय है कि देश के विकास के लिए राज्य 40 फीसदी खनिज सम्पदा का योगदान करती है। सिर्फ इतना ही नहीं यहाँ की कुल भूमि का लगभग 29 प्रतिशत वनभूमि जो मूलतः आदिवासी इलाकों में अवस्थित है, जंगलों को बचाकर जलवायु परिवर्त्तन के संकट से भी देश और दुनिया को बचाने में भी लोग अहम भूमिका निभा रहे हैं। रैली के दौरान लोगों ने वन संरक्षण संशोधन विधेयक 2023 - वापस लो, वापस लो, समान नागरिक संहिता आदिवासियों पर थोपना-बंद करो, बंद करो, महिलाओं का यौन उत्पीड़न-बंद करो, बंद करो, आदिवासियों पर अत्याचार करना -बंद करो, बंद करो, आदिवासियों के लूटे गए जमीन-वापस करो, वापस करो, झारखंड सरकार पेसा नियमावली - लागू करो, लागू करो जैसे नारे लगाते हुए प्रखंड परिसर पहुंचे। यहाँ कार्यक्रम का प्रारंभ प्रसिद्ध बालीवुड टाईटल गायिका मेघा श्रीराम डाल्टन के सुमधुर आदिवासी गानों से किया गया। कार्यक्रम में बिपिन बिहारी, पचाठी सिंह, लालबिहारी सिंह, दिलीप सिंह, मनोरमा देवी, सीमा देवी आदि मौजूद रहे।

भंडरा पुलिस ने वारंटी को गिरफ्तार कर भेजा जेल

भंडरा/लोहरदगा (आजाद सिपाही)। भंडरा पुलिस ने बुधवार को थाना कांड संख्या 53/2016 दिनांक 23/09/2016 धारा 376 आइपीसी के अभियुक्त अवधेश ठाकुर उम्र करीब 30 वर्ष पिता देवबीर ठाकुर ग्राम बुड़का बेदाल को उसके घर से गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में लोहरदगा भेज दिया गया। इसके विरुद्ध न्यायालय लोहरदगा से अजमानतीय वारंट निर्गत किया गया था।

27साल से फरार अपराधी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

बालूमाथ(आजाद सिपाही)। बुधवार को 27साल से फरार चल रहे एक लाल वारंटी को बालूमाथ पुलिस ने एक अभियुक्त को गिरफ्तार करने में सफलता पाई है। इस गिरफ्तारी के संबंध में जानकारी देते हुए थाना प्रभारी प्रशांत प्रसाद ने बताया कि बालूमाथ 1996 से आर्म्स एक्ट में फरार चल रहे लाल वारंटी राकेश सिंह पिता रावण सिंह ग्राम बालू थाना बालूमाथ जिला लातेहार को गिरफ्तार कर भेजा गया जेल।

कार्ड धारियों के बीच बांटी गयी धोती साड़ी

लातेहार(आजाद सिपाही)। सदर प्रखंड के सांसग पंचायत के समीप पतरातू ग्राम में बुधवार को झारखंड सरकार के महत्वकांक्षी योजना धोती साड़ी के तहत 30 कार्ड धारियों के बीच धोती साड़ी वितरण किया गया। मौके पर संजू देवी मंजू देवी, गीता देवी, अनीता देवी समेत कयी लोग मौजूद थे।

आजादी के अमृत महोत्सव अंतर्गत मेरी मिट्टी, मेरा देश अभियान शुरू

उपायुक्त ने कहा, भारत सरकार का यह अतिमहत्वकांक्षी अभियान स्वतंत्रता सेनानियों के वंशजों को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया

आजाद सिपाही संवाददाता

लोहरदगा। आजादी का अमृत महोत्सव अंतर्गत मेरी मिट्टी, मेरा देश अभियान नगर परिषद, लोहरदगा की ओर से प्रारंभ किया गया। देश के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर जवानों को श्रद्धांजलि देने के उद्देश्य से इस अभियान की शुरूआत की गयी। सर्वप्रथम देश के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान देने वाले स्वतंत्रता सेनानियों, वीरों की याद में बड़ा तालाब के किनारे स्थापित शिलापट्ट का अनावरण उपायुक्त डॉ वाघमारे प्रसाद कृष्ण और पुलिस अधीक्षक आर रामकुमार द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। साथ ही, बड़ा तालाब के किनारे ही अमृत वाटिका का उद्घाटन किया गया। मौके पर उपायुक्त, पुलिस अधीक्षक, अनुमंडल पदाधिकारी अरविंद कुमार लाल, स्वतंत्रता, देश के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान देने वाले स्वतंत्रता सेनानी बुधन सिंह के वंशज ओम सिंह, छेदी लाल आजाद के वंशज शशि गुप्ता व परिवार द्वारा अमृत वाटिका में वृक्षारोपण किया गया। मौके पर उपायुक्त ने कहा कि भारत सरकार का यह अतिमहत्वकांक्षी अभियान है। इसमें देश के कोने-कोने से शहीदों के घर को मिट्टी नयी दिल्ली भेजे जाने का अभियान चलाया जा रहा है। नयी पीढ़ी देश के लिए बलिदान देने वाले स्वतंत्रता सेनानियों को इसके जरिये याद करेगी। कार्यक्रम में मातृभूमि की स्वतंत्रता और उसके गौरव की रक्षा के लिए अपना बलिदान देने वाले वीरों को दीप के साथ पंच शपथ के जरिये याद किया गया।

पदाधिकारियों द्वारा शिलापट्ट के साथ सेल्फी भी ली गयी। उपायुक्त द्वारा इस मौके पर ध्वजारोहण किया गया और इसके उपरांत सामूहिक रूप से राष्ट्रगान गाया गया। कार्यक्रम में स्वतंत्रता सेनानियों के वंशजों को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया।

नगर परिषद द्वारा स्वतंत्रता सेनानियों के जन्म स्थली की मिट्टी कलश में इकट्ठा की गयी। कार्यक्रम में नगर परिषद प्रशासक देवेंद्र कुमार, जिला पंचायत राज पदाधिकारी पवन कुमार, सिटी मैनेजर विजय कुमार समेत अन्य उपस्थित थे।

विश्व आदिवासी दिवस पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

लोहरदगा(आजाद सिपाही)। झालसा रांची और प्रधान जिला और सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार के मार्गदर्शन में लोहरदगा डालसा पीएलवी की बैठक डालसा कार्यालय में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार राजेश कुमार के द्वारा बुलायी गयी। जिसमें पीएलवी के द्वारा किये जा रहे विभिन्न कार्यों की समीक्षा की गयी। इसके अतिरिक्त विशेष मध्यस्थता कार्यक्रम और राष्ट्रीय लोक अदालत जो अगले माह 9 सितंबर को होना है को लेकर चर्चा की गयी। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर पीएलवी ने अपने-अपने विचार व्यक्त किये। विश्व आदिवासी दिवस की महत्ता और इसकी अनिवार्यता पर प्राधिकार के सचिव राजेश कुमार ने प्रकाश डाला। महिला पीएलवी ने महंति मिंज और मंजू खाखा ने कुडुख भाषा में संगीतमय प्रस्तुति देकर सबका मन मोह लिया। देवमनी कुमारी ने भी जल-जंगल जमीन को बचाने को लेकर अपनी संगीतमय में प्रस्तुति दी। आज के कार्यक्रम में डालसा सचिव राजेश कुमार के अतिरिक्त पीएलवी जितेंद्र राम, पुन्नू देवी, सीमा कुमारी, शाहिद हुसैन, देवमणि, नेमहंति मिंज, छाया, मंजू खाखा, गौतम लेनिन, रवि कुमार लोहरा, अशोक यादव और जीत नारायण साही उपस्थित थे।

सदर अस्पताल में लापरवाह बने अस्पताल प्रबंधक और डॉक्टर मरीज रहे परेशान

लातेहार(आजाद सिपाही)। एक तरफ जिले में लोग मौसम जनित बीमारियों की चपेट में हैं, वहीं दूसरी तरफ स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी चिकित्सक लापरवाही से बाज नहीं आ रहे हैं। ऐसा हीं मामला सदर अस्पताल लातेहार का है। दरअसल में लातेहार निवासी पत्रकार संजय प्रजापति अपनी बेटी का इलाज कराने के लिए अस्पताल पहुंचे थे। उनकी बेटी को लगातार उल्टी और दस्त होने से हालत खराब होते जा रही थी। परंतु डॉक्टर ने मरीज को देखना जरुरी नहीं समझा। इसके बाद संजय प्रजापति ने अस्पताल प्रबंधक के कई अधिकारियों को फोन भी किया फिर भी डॉक्टर 6:30 बजे तक अपने कमरे में सोते रहे। ज्ञात हो कि पिछले दिनों भी कई न्यूज चैनल और अखबारों में खबरें चल चुकी है लेकिन अस्पताल में इसका कोई असर नहीं दिख रहा है। हालात अभी भी जस की तस बनी हुई है।

संयुक्त ग्राम सभा के बैनर तले आदिवासी दिवस का आयोजन

बरवाडीह (आजाद सिपाही)। बरवाडीह प्रखंड मुख्यालय के पुराना ब्लॉक परिसर में विश्व आदिवासी दिवस का आयोजन किया गया। मौके पर पूर्वी जिला परिषद सदस्य कन्हाई सिंह ने कहा कि आदिवासियों ने इस दुनिया को बचा रखा है। आदिवासी जल जंगल जमीन का रखवाला है। लेकिन आज आदिवासी की जल जंगल जमीन पर चौतरफा हमला हो रहा है। कन्हाई सिंह ने केंद्र की भाजपा सरकार पर हमला करते हुए कहा कि वन संरक्षण अधिनियम में संशोधन जंगल की लूट को बढ़ावा देगा। भाकपा माले के जिला सचिव बिरजू राम ने कहा मणिपुर में भाजपा सरकार के संरक्षण में आदिवासियों के खिलाफ हिंसा हो रही है। धीरज कुमार ने कहा कि आदिवासी समाज में शिक्षा के प्रचार प्रसार को बढ़ावा देने की जरूरत है। प्रखंड के विभिन्न गांव के ग्राम प्रधानों ने पेसा कानून एवम वन अधिकार कानून के मुद्दों को जोर शोर से उठाया। मौके पर बरवाडीह प्रखंड के 50 से ज्यादा गांवों से सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे। मौके पर विमल सिंह, महेंद्र सिंह, मकलदेव सिंह,सिलास गुडिया, निरंजन कुमार, विनीता देवी और अन्य ने भी अपने विचार व्यक्त किये।

एसआइएस की ओर से दो दिवसीय विशेष भर्ती कैंप के पहले दिन सात लोगों का चयन

किस्को/लोहरदगा (आजाद सिपाही)। जिले के किस्को थाना परिसर में भारतीय सुरक्षा दक्षता परिषद नयी दिल्ली और सिक्यूरिटी एंड इंटेलीजेंस सर्विसेज लिमिटेड के द्वारा सुरक्षा जवान और सुपरवाइजर बहाली हेतु किस्को थाना परिसर में दो दिवसीय विशेष भर्ती शिविर का आयोजन किया गया है। जिसमें पहले दिन कुल 25 अभ्यर्थियों के द्वारा शारीरिक और उंचाई जांच में शामिल होकर बहाली प्रक्रिया में भाग लिया गया। इस संदर्भ में एसआईएस के भर्ती अधिकारी सतीश कुमार सिंह ने बताया कि वरीय अधिकारियों के आदेशानुसार किस्को थाना परिसर में दो दिवसीय विशेष भर्ती शिविर का आयोजन किया गया जिसमें पहले दिन 7 लोगों का चयन किया गया। उन्होंने बताया कि दूसरे दिन भी थाना परिसर में चयन प्रक्रिया किया जायेगा। एसआईएस के भर्ती अधिकारी सतीश कुमार सिंह ने बताया कि जिनका चयन किया गया उन्हें एक महीने का ट्रेनिंग गढ़वा में होगा। उन्होंने आगे बताया कि ट्रेनिंग पूरी होने के बाद उन लोगों को देश के विभिन्न क्षेत्रों में नौकरी दिलाने का कार्य किया जायेगा।

नेतरहाट पुलिस ने सिमडेगा जिला में फरार आरोपी के घर चिपकाया इश्तिहार

महुआडांड़(आजाद सिपाही)। जिला सिमडेगा के कोलेबिरा प्रखंड अंतर्गत पुतरीटोली ग्राम में 8 अगस्त को मनोज कुमार साहू पिता स्वर्गीय रामनिवास साहू के घर पर नेतरहाट पुलिस द्वारा मनोज साहू के फरार होने का इश्तहार चिपकाया गया है। ज्ञात हो की नेतरहाट थाना क्षेत्र के सुरेश ठीठियो उम्र 37 वर्ष, पिता, धनसाय ठिठियो, दुरूप पंचायत निवासी ने कोलेबिरा के मनोज कुमार के ऊपर अपनी 15 वर्षीय पुत्री सुनैना कुमारी को बहला फुसला कर दिल्ली में बेच देने का आरोप लगाया है. इस संदर्भ में नेतरहाट थाना में कांड संख्या 19/21, 5 अक्टूबर 2021 को धारा 370, 371, 120, 34 भादवी 14 ए, बाल और किशोर श्रम अधिनियम के अंतर्गत मामला दर्ज हुआ था। अंततः थाना प्रभारी बंधन भगत के निर्देश पर नेतरहाट थाना के सब इंस्पेक्टर जानू कुमार और उनकी टीम के द्वारा मनोज साहू के घर पर इश्तहार चिपकाकर उन्हें सरेंडर करने की बात परिवार को कही गयी है।

डोर टू डोर सर्वे कर मवेशियों को नि:शुल्क वैक्सीन लगाया गया

सेन्हा-लोहरदगा(आजाद सिपाही)। सेन्हा प्रखंड क्षेत्र मे पशुपालन विभाग के तत्वधान में चिकित्सकों द्वारा डोर टू डोर सर्वे कर मवेशियों को वैक्सीन लगाया गया। प्रखंड पशुपालन पदाधिकारी मनोज कुमार सिंह ने लंपी बीमारी के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी पशुपालकों को देते हुए कहा कि यह ऐसा बीमारी है जिसका समय से इलाज नही किये जाने पर उस मवेशी की मौत भी हो सकती है। वही 113 पशुपालकों के करीब 400 से अधिक मवेशीयों को नि:शुल्क वैक्सीन लगाया गया। इस अभियान में पशु चिकित्सक शुशील कुमार, ओशीक अंसारी, रमेश कुशवाहा, केदार महतो, सूरज राम, राजकुमार केशरी शामिल थे।

तीखा मोड़ में बाइक पेड़ से टकरायी, एक की मौत, दूसरा गंभीर

कैरो(लोहरदगा)(आजाद सिपाही)। कैरो थाना क्षेत्र में 09 अगस्त बुधवार को कैरो चेटर मुख्य सड़क पर ऐड़ादोन खेल मैदान के समीप तीखा मोड़ के पास सड़क दुर्घटना में दो युवक घायल हो गये थे। ईलाज के लिए अस्पताल ले जाने के क्रम में एक की हुई मौत। प्राप्त जानकारी के अनुसार सढ़ाबे गांव के दो युवक अपने दो पहिया पल्सर मोटरसाइकिल से कैरो से अपने घर सड़ाबे जाने के क्रम में ऐड़ादोन खेल मैदान के समीप तीखा मोड़ पर जेएच 08 जी 1632 मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर एक पेड़ से जा टकरायी। मोटरसाइकिल का टक्कर इतना जोरदार था कि पेड़ का एक सूखा डाली टूट कर गिर गया। आसपास के लोगो ने बताया कि मोटरसाइकिल पर दो लोग सवार थे। जिसमें सड़ाबे निवासी रामकुंवर उरांव के 22 वर्षिय पुत्र मनोज उरांव और जगरनाथ महली के 20 वर्षिय पुत्र कुलदीप महली के रूप में बताया गया। जिसे ग्रामीणों की सहायता से अस्पताल ले जाने के क्रम में मनोज उरांव का रास्ते मे मौत हो गया। कुलदीप महली का ईलाज चल रहा है।

कार्तिक उरांव आदिवासी बाल विकास उवि में विश्व आदिवासी दिवस मनाया गया

सिसई (आजाद सिपाही)। कार्तिक उरांव आदिवासी बाल विकास उच्च विद्यालय में विश्व आदिवासी दिवस मनाया गया। अध्यक्षता अखिल भारतीय आदिवासी विकास परिषद सिसई के अध्यक्ष कैप्टन लोहरा उरांव ने की। कार्यक्रम की शुरुआत स्कूल परिसर में स्थित स्व. कार्तिक उरांव की प्रतिमा पर अतिथियों द्वारा माल्यार्पण व विनती-प्रार्थना कर किया गया। कैप्टन लोहरा उरांव ने कहा कि आदिवासियों के मुलभुत अधिकारों जैसे जल, जंगल, जमीन, सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक व न्यायों का सुरक्षा के लिए संयुक्त राष्ट्र संघ ने 9 अगस्त 1994 को विश्व आदिवासी दिवस के रूप में घोषित की। तब से पूरे विश्व में आदिवासी दिवस मनाया जा रहा है। उन्होंने आदिवासियों से कुरीतियों को छोड़कर समाज को शिक्षित बनाने के लिए संकल्प लेने की बात कही। इस मौके पर सच्चिदानंद उरांव, प्रकाश उरांव, रवि उरांव, शनियारो उरांव, फौदा उरांव, फ्लोरेंस देवी, सुनीता देवी, साधो उरांव, सुखदेव उरांव, रामनिवास भगत, गंदुर भगत, कार्तिक उरांव, सुनीता उरांव, लोभो उरांव, दरी उरांव, जीता भगत सहित कई लोग उपस्थित थे।

डायन बिसाही के शक में वृद्धा की हत्या के आरोपी को आजीवन कारावास की सजा

गुमला (आजाद सिपाही)। डायन बिसाही का आरोप लगा कर टैसेरा निवासी वृद्ध महिला सोमानी उराईन की हत्या का अभियुक्त गांव के ही उंटा उरांव को एडीजे वन दुर्गेश चंद्र अवस्थी की अदालत में धारा 302 के तहत आजीवन कारावास की सजा सुनायी गयी है। वहीं आरोपी को 50 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है। जुर्माना की राशि अदा नहीं करने पर दो साल अतिरिक्त कठोर कारावास की सजा भुगतना पड़ सकती है। इस मामले में सरकारी पक्ष की ओर से अपर लोक अभियोजक मो. जावेद हुसैन ने पैरवी की। घटना 11 जुलाई 2018 की है। घटना के दिन सोमानी उराईन घर में अकेली थी उसी समय उंटा उरांव अपने हाथ में टांगी लेकर आया सोमानी उराईन पर वार कर हत्या कर दी। घटना के बाद मृतक का पुत्र जयराम उरांव ने आरोपी के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज करायी थी। जिसमें कहा गया है कि अभियुक्त के द्वारा अक्सर उसकी मां को डायन बिसाही कहा जाता था। घटना के दिन उसकी मां घर पर अकेली थी। उसी दिन शाम को जब जयराम उरांव अपने घर लौटा को देखा कि उसके घर से उंटा उरांव टांगी लेकर निकल रहा था। जिसमें खून लगा हुआ था और उंटा उरांव कहने लगा कि तुम्हारी मां जो मेरे उपर डायन बिसाही की है उसको हम टांगी से काट दिये हैं। जिसके बाद अभियुक्त वहां से भाग गया। जब जयराम अपने घर में प्रवेश किया तो देखा कि उसकी मां मृत पड़ी हुई है।

गुमला पुलिस ने विंध्याचल नगर में हुई चोरी के दो आरोपियों को गिरफ्तार कर भेजा जेल

गुमला (आजाद सिपाही)। पुलिस ने विंध्याचल नगर में पंचमुखी मंदिर के समीप किराना की दुकान में हुई चोरी की घटना का पदार्फाश कर लिया है। पुलिस ने इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर आज जेल भेज दिया। वहीं एक अन्य आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापामारी कर रही है। घटना के बारे में जानकारी देते हुए गुमला थाना प्रभारी मनोज कुमार ने बताया कि चार दिन पूर्व विंध्याचल नगर में एक किराने की दुकान में तीन आरोपियों ने दुकान में घुसकर काउंटर में रखे पैसों की चोरी कर ली थी। वहीं बताया कि दुकान में महिला बैठी थी और किसी काम से घर के अंदर घुसी, इतने में ही तीनों आरोपी दुकान के अंदर घुस गए और पैसे की चोरी कर वहां से भाग गए। वहीं पुलिस ने इस मामले में जवाहर नगर निवासी 22 वर्षीय आशीष भगत और सरना टोली निवासी 27 वर्षीय संजय कुमार सिंह को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। वहीं पुलिस मामला दर्ज होने के बाद अनुसंधान में जुट गई थी और सीसीटीवी फुटेज में तीनों चोरों का चेहरा व एक्टिविटी सामने आया था। वहीं दिनदहाड़े इन चोरों ने इस घटना को अंजाम दिया था। वहीं पुलिस ने बताया तीनों आरोपी अन्य मामलों में पूर्व में भी जेल जा चुके हैं।

झापा का कार्यकर्ता सम्मेलन आज, हो रही हैं नगर कमेटी गठन की जोरदार तैयारियां

गुमला (आझाद सिपाही)। झारखंड पार्टी के द्वारा पालकोट रोड गुमला में स्थित रौनियार भवन में गुरुवार को कार्यकर्ता सम्मेलन और नगर कमिटी गठन हेतु बैठक अयोजित की गई है। यह बैठक दिन के 12 बजे से शुरू होगी। यह जानकारी गुमला विधान सभा के प्रभारी खुर्शीद आलम ने दी। उन्होने बताया कि इस बैठक में वो खुद भी शामिल होंगे। साथ ही सिसई विधान सभा के प्रभारी गजाधर ओहदार और बिशुनपुर विधान सभा के प्रभारी आनंद पॉल तिर्की , गुमला विधान सभा क्षेत्र के संभावित उम्मीदवार लेवनार्ड खलखो भी उपस्थित रहेंगे। इन सभी की उपस्थिति में गुमला नगर कमिटी का गठन किया जाएगा और आगामी जिला अधिवेशन की रूप रेखा तैयार की जाएगी।

जगन्नाथ स्वामी मंदिर की भूमि पर प्रबंधन समिति व बड़काडीह के ग्रामीणों ने धान रोपनी की

घाघरा (आजाद सिपाही)। प्रखंड के बड़काडीह गांव स्थित प्राचीन जगन्नाथ स्वामी मंदिर के तीन एकड़ कृषि योग्य भूमि पर बुधवार को प्रबंधन समिति व बड़काडीह के ग्रामीणों ने मिलजुल कर धान की खेती के लिए बिचड़ा की बुआई की। प्रबंधन समिति के अध्यक्ष सुरेंद्र कुमार ने बताया कि भगवान जगन्नाथ स्वामी के इस मंदिर की करीब तीन एक-ड़ भूमि है। जिसे मंदिर के पुजारियों के लिए दे दिया गया था, ताकि भगवान की पूजा अर्चना करें और उक्त भूमि से फसल उपजाकर अपना भरण पोषण भी करते रहे। लेकिन पिछले कुछ वर्षों पूर्व ही पुजारी बाहर निकलने लगे और इस भूमि का फसल के लिए सदुपयोग होना बंद हो गया। अध्यक्ष ने बताया कि इस वर्ष प्रबंधन समिति ने निर्णय लिया कि गांव के सभी लोगों के द्वारा धान की बुवाई की जाएगी। इसी निमित आज गांव की महिला मंडल व प्रबंधन समिति के लोगों ने मिलजुल कर मंदिर की यह कृषि योग्य भूमि में धान की खेती की। इस मौके पर प्रबंधन समिति के उपाध्यक्ष देवत यादव, सचिव संजय गुप्ता, कोषाध्यक्ष दशरथ बैठा, विजय नायर, सर्वेश राम, सुदामा लाल, कृष्ण पहान सहित गांव की कई महिला मंडल के दीदियों ने जिसमें राधा कृष्ण महिला मंडल, मां काली महिला मंडल, मां दुर्गा महिला मंडल, शिव पार्वती महिला मंडल, सीताराम महिला मंडल, मां संतोषी महिला मंडल, जय चाला महिला मंडल, मां भवानी महिला मंडल, मां सरस्वती महिला मंडल, मां भगवती महिला मंडल की दीदी सहित गांव की अन्य महिलाओं ने भाग लिया।

कार्यक्रम : विश्व आदिवासी दिवस पर जय सरना विद्यालय लुरकुड़िया में हुआ कार्यक्रम का आयोजन

सरना धर्म कोड को स्थान नहीं मिला तो नहीं होने देंगे जनगणना : चमरा लिंडा

विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर चमरा लिंडा ने स्कूल में कई प्रकार की प्रतियोगिताओं का कराया आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। जब तक जनगणना प्रपत्र धर्म कॉलम में सरना कोड का कॉलम नहीं दिया जाएगा, तब तक हम जनगणना होने नहीं देंगे। उक्त बातें बिशुनपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक चमरा लिंडा ने कही। वे बुधवार को विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर गुमला के डेवीडीह स्थित एक आदिवासी विद्यालय जय सरना लुरकुड़िया में स्कूली कार्यक्रम के दौरान प्रेस से मुखातिब हुए। उन्होंने कहा कि यूएनओ में भारतीय आदिवासियों के बारे में भारत के प्रतिनिधि सही जानकारियां नहीं देते हैं। जिसे कारण आदिवासियों का उत्थान नहीं होता है। उन्होंने केंद्र सरकार पर आरोप लगाया कि केंद्र सरकार के द्वारा यूनाइटेड नेशन में आदिवासियों की स्थिति जो बताई जाती है वह सरासर गलत होती है। यूनाइटेड नेशन आदिवासियों की भाषा आदिवासियों की संस्कृति आदिवासियों की जमीन और आदिवासियों का जंगल बचाने के लिए तरह-तरह की योजनाएं बनाती हैं। लेकिन हमारे देश में केंद्र व राज्य सरकार ने इन योजनाओं को ढंग से लागू नहीं करती हैं। उन्होंने कहा कि लगातार जंगल कटने के कारण पृथ्वी का तापमान भी लगातार बढ़ता जा रहा है। जिससे कई देश खतरे में आ गए हैं। बारिश अनियमित हो गई है जिससे खेती प्रभावित हो चुकी है। अगर अभी भी जंगल को नहीं बचाया गया तो वह दिन दूर नहीं है कि एक भयंकर प्रलय का सामना विश्व को करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि हम अपने अधिकारों की रक्षा के लिए लगातार लड़ रहे हैं। उन्होंने आदिवासी विद्यालय के छात्रों की ओर इशारा करते हुए कहा कि हम इस लड़ाई के लिए बच्चों को जागृत कर रहे हैं कि वह संवैधानिक तरीके से अपने हक और अधिकार के बारे में जान सकें और उसकी लड़ाई लड़ सकें। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर चमरा लिंडा ने उक्त स्कूल में कई प्रकार की प्रतियोगिताओं का आयोजन कराया। जिसमें कई आदिवासी विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। भाषण प्रतियोगिता, नृत्य प्रतियोगिता, वाद विवाद प्रतियोगिता सहित कई तरह की प्रतियोगिताएं छात्रों के बीच आयोजित की गई।

मौके पर एसीएस के केंद्रीय अध्यक्ष शिवराम कच्छप, मोहरलाल उरांव, ललिता लिंडा, जतरू उरांव, सुनील उरांव, संजीव उरॉव, मिठू उरांव, देवेन्द्र तिर्की, सतेन्द्र उरांव, संजय उरांव, साहित जय सरना लुरकुड़िया डीबडीह, घाघरा, खटंगा, चटकपुर, भंडरा, लोहरदगा साहित कई स्थानों के शिक्षक व प्रतिभागी छात्र छात्राएं मौजूद रहे।

आदिवासियों के संरक्षण से ही प्रकृति का संरक्षण संभव : भूषण तिर्की

गुमला जिले में धूमधाम से मनाया गया विश्व आदिवासी दिवस

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। आदिवासियों के संरक्षण से ही प्राकृति का संरक्षण संभव है। क्योंकि आदिवासी समाज ही जल जंगल जमीन की रक्षा करता है। उक्त बातें एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक भूषण तिर्की ने कही। नगर भवन में ज़िला प्रशासन द्वारा अयोजित इस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि गुमला विधायक भूषण तिर्की एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी सहित जिला परिषद अध्यक्ष किरण माला बाड़ा, पुलिस अधीक्षक एहतेशाम बकारिब, उप विकास आयुक्त हेमंत सती, अनुमंडल पदाधिकारी सदर रवि जैन,अपर समाहर्ता सुधीर कुमार गुप्ता, परियोजना निदेशक आईटीडीए इंदु गुप्ता, सिविल सर्जन राजू कच्छप, जिला परिवहन सह योजना पदाधिकारी विजय बिरूआ, जिला कल्याण पदाधिकारी आलोक रंजन सहित संबंधित विभागों के पदाधिकारी एवं कर्मी मौजूद रहें । कार्यक्रम का शुभारंभ सभी अतिथियों ने संयुक्त रूप से द्वीप प्रज्वलित कर किया।

विधायक भूषण तिर्की ने बताया कि गुमला जिला आदिवासी बहुमूल्य जिलों में से एक है जहां 68 प्रतिशत से अधिक आदिवासी जनजातीय समुदाय निवास करते हैं। आदिवासी समाज का संरक्षण एवं उन्हें आगे बढ़ाने में सहायता करना हम सब की जिम्मेदारी है। आदिवासियों का संरक्षण करना प्राकृतिक का संरक्षण करने के समान है। उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी ने अपने संबोधन में जिले वासियों को विश्व आदिवासी दिवस की शुभकामनाएं दी। आगे कहा कि झारखंड की नींव यहां के आदिवासी जनजाति समाज के लोग हैं। उपायुक्त ने सभी को आपसी समन्वय स्थापित करते हुए इस समाज के विकास के लिए अपनी परस्पर भूमिका को निभाने की बात कही। एसपी डॉ एहतेशाम बकारीब ने कहा कि आदिवासी समाज कई बुराइयों से लड़ रहा है। इन सभी चुनौतियों से आदिवासी समुदाय को लड़ना होगा एवं स्वयं को जागरूक रखना होगा, जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन के द्वारा भी हर संभव सहायता प्रदान की जाएगी इस दौरान जिप अध्यक्ष, डीडीसी, परियोजना निदेशक आईटीडीए, जिप उपाधीक्षक ने भी कार्यक्रम को संबोधित कर जिले वासियों को विश्व आदिवासी दिवस के लिए शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम के दौरान आदिवासी समुदाय द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वालो को सम्मानित किया गया। कल्याण विभाग द्वारा संचालित सात विद्यालयों में मांदर का वितरण किया गया।

चुंदरी ग्राम में आदिवासी अगुवा सम्मान कार्यक्रम का आयोजन

प्रकृति पूजक आदिवासी समाज की विश्व सभ्यता को अनुपम देन : अनिरुद्ध चौबे

आजाद सिपाही संवाददाता

घाघरा। प्राकृतिक सामंजस्य व मानव के बीच सात्विक जीवन संस्कृति आदिवासियों की देन। उक्त बातें अनिरुद्ध चौबे कल्याणकारी मानव विकास संस्थान के सचिव ने ग्राम चुंदरी में आदिवासी अगुवा सम्मान कार्यक्रम में कही। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अनिरुद्ध चौबे ने कहा आदिवासी संस्कृति समृद्ध है, सात्विक और ईमानदारी से जीवन जीने वाले आदिवासी समाज आजादी के बाद जिस गति से विकसित होती वो नहीं हो पाया, आज भी यह समाज ईमानदार लोक प्रशासन एवं सजग नेत्तृत्व की बाट जोह रहा है, विकास की गति बहुत धीमी है, केंद्र और राज्य सरकार को और भी मुखर होकर इस समाज के लिए चिंतन करना चाहिए। वहीं मौजूद आदिवासी बुद्धिजीवी सांस्कृतिक मंच द्वारा कहा गया कि आदिवासी का इतिहास ऐतिहासिक व शक्तिशाली है। प्रकृति पूजक समाज ने समान जीवन पद्धति प्रकृति से प्रेम जल जंगल की रक्षा का संदेश दिया है। वहीं मौजूद संतोष भगत ने कहा कि आदिवासी शिक्षण में गति लानी होगी। बतातें चलें कि कार्यक्रम का आयोजन आदिवासी बुद्धिजीवी सांस्कृतिक मंच व कल्याणकारी मानव विकास संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में किया गया।

इस अवसर पर राम कुमार भगत सेना के पूर्व सूबेदार सह समाजसेवी को अंग वस्त्र एवं पौधा देकर सम्मानित किया गया। साथ ही झारखंड-बिहार के फुटबॉल खेल के गोल्ड मेडलिस्ट अरुण उरांव के माता-पिता एवं खेलो इंडिया में चयनित होकर राष्ट्रीय स्तर पर नाम रोशन करने वाली सलीना कुमारी के माता-पिता को भी अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया।

मौके पर संजेश उरांव, इलाही राय, कैलाश महतो, दुले उरांव, सतीश उरांव, एतवा उरांव, रामचंद्र साहू, अमर भगत सहित कई लोग मोजूद थे।

उपेक्षा : विश्व आदिवासी दिवस पर जिला प्रशासन का इंतजार करती रहीं बिरसा व अल्बर्ट एक्का की प्रतिमाएं

मिशन बदलाव ने भगवान बिरसा को अर्पित किये श्रद्धा सुमन

प्रशासन की ओर से बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर माल्यार्पण नहीं किया जाना दुर्भाग्यपूर्ण : भूषण भगत

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। मिशन बदलाव युवाओं की टीम भूषण भगत सैयदा खातून,बिनय गोप,ज्योति वर्मा ज्योति ग्लोरिया कुजूर के नेतृत्व में बिरसा एग्रो पार्क जशपुर रोड में भगवान बिरसा मुंडा को माल्यार्पण किया और विश्व आदिवासी दिवस पर आदिवासियों की सामाजिक आर्थिक और राजनीतिक स्थितियों को ध्यानाकर्षण करते हुए कहा कि आदिवासी समाज से नशापान एवं अंधविश्वासों को दूर करने की आवश्यकता है। आदिवासियों को समाज में मिलजुल कर आगे बढ़ने की जरूरत है।

मिशन बदलाव के भूषण भगत ने कहा कि आज विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर राज्य सरकार और जिला प्रशासन ने कई कार्यक्रमों का आयोजन किया है। पूरे जिले में राज्य के मुखिया के पोस्टर भरे पड़े हैं लेकिन विश्व के महान क्रांतिकारी एवं सामाजिक अगुआ भगवान बिरसा मुंडा की मूर्ति पर प्रशासन द्वारा माल्यार्पण तक नहीं किया गया। ये बहुत शर्मनाक और दुर्भाग्यपूर्ण है। हमारे देश और राज्य के महान सपूत जिन्होंने अपना सब कुछ न्योछावर कर आदिवासी समाज के दे दिया उनको भुलाया जाना पूरे समाज के लिए अपमान की बात है। आज के महत्वपूर्ण कार्यक्रम में मिशन बदलाव के दीपू ठाकुर मिशन बदलाव इनेबल झारखंड के छोटेलाल महतो, संदीप उरांव, जगन्नाथ उरांव, चंद्रकला टोप्पो , ज्योति गुलरिया कुजूर, सरिता कुजूर, संगीता उरांव, संगीता तिर्की और कई कार्यकर्ता उपस्थित थे।

महत्वपूर्ण न्यूज

समाज को आगे बढ़ाने के लिए सभी आदिवासियों को एक पटल पर आना होगा : जगरनाथ भगत

डुमरी (आजाद सिपाही)। डुमरी प्रखंड में विश्व आदिवासी दिवस बुधवार को धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर प्रखंड सरहुल पूजा समिति के अध्यक्ष जगरनाथ भगत ने संबोधित करते हुए कहा कि आदिवासी ही इस धरती के रक्षक हैं। आदिवासियों ने ही जल, जंगल, जमीन और पर्यावरण का संरक्षित करने का काम किया है। सयुक्त राष्ट्र संघ ने आदिवासियों की स्थिति को देखकर विश्व भर में एक आयोग का गठन किया, जो आदिवासियों के विकास के लिए बनाया गया। जिसको आदिवासी दिवस के नाम जाना जाता है। इसके माध्यम से सभी आदिवासियों को एकजुट होने का एक अच्छा अवसर है। एकजुटता के साथ हमें अपने हक अधिकार को पाने के लिए संघर्ष करना होगा। साथ ही इस लड़ाई को सफल बनाने के लिए शिक्षा को हथियार बनाना होगा। जबतक हमारा समाज शिक्षित और जागरूक नहीं होगा तबतक हमलोग आगे नहीं बढ़ पाएंगे। शिक्षा के अभाव में हमलोग अपनी पहचान, हक और अधिकार से वंचित हैं। समाज को आगे बढ़ाने के लिए सभी आदिवासियों को एक पटल पर आना होगा। इसके पूर्व सरना स्थल में पूजा पाठ किया गया। तत्पश्चात सरना स्थल से गाजे बाजे के साथ नाचते गाते हुए डुमरी दुर्गा मंदिर पहुंच कर मांदर, नगाड़े की थाप पर जमकर सामूहिक नाच गाना किया गया। इस दिवस को सफल बनाने में पंसस बेला देवी, बीरेंद्र भगत, रविशंकर भगत, अकलू भगत, प्रेम प्रकाश भगत, सुखमुनी देवी, संपति देवी, अनुराधा देवी, बिमला कुजूर, जसिंता देवी, वासुदेव भगत, श्रीराम उरांव, हेमंत भगत, जून उरांव, रामकृपा उरांव, राकेश भगत, सुमेश उरांव, ममता देवी का विशेष योगदान रहा। मौके पर सैकड़ों सरना धर्मावलंबी शामिल थे।

चैनपुर प्रखंड में धूमधाम से मनाया गया विश्व आदिवासी दिवस

चैनपुर (आजाद सिपाही)। चैनपुर प्रखंड के कौशल विकास केंद्र सभागार में बुधवार को विश्व आदिवासी दिवस धूमधाम से मनाया गया। उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए प्रखंड विकास पदाधिकारी डॉक्टर शिशिर कुमार सिंह उपस्थित सभी लोगों को विश्व आदिवासी दिवस की बधाई दी। साथ ही कहा कि आदिवासी लोग प्रकृति के पुजारी हैं आदिवासी समाज की संस्कृति सभ्यता हमारी पहचान है। वहीं अंचल अधिकारी गौतम कुमार ने कहा कि सभी को बधाई देते हुए आदिवासियों के रीति-रिवाजों को संरक्षण करने एवं प्रकृति की रक्षा करने की बात कही। जिप सदस्य मेरी लकड़ा ने भी उपस्थित सभी लोगों को विश्व आदिवासी दिवस की बधाई दी। साथ ही कहा कि आदिवासी धर्म नहीं सभ्यता व संस्कृति है और यह आदिवासी संस्कृति प्रकृति से जुड़ा है। आदिवासी शुरू से ही जल, जंगल व जमीन की रक्षा करते रहे हैं और आदिवासी जनजाति के लोग संवेदनशील होकर आगे भी जल, जंगल व जमीन की रक्षा का संकल्प लें। प्रखंड प्रमुख ओलिभा कांता कुजूर ने कहा कि विश्व आदिवासी दिवस आदिवासियों के अधिकारों को बढ़ावा देने और उनकी सुरक्षा के लिए प्रत्येक वर्ष पूरे विश्व में मनाया जाता है। मौके पर मुख्य रूप से उप प्रमुख प्रमोद खलखो, बिस सूत्री अध्यक्ष एफरेम टोप्पो सहित कई लोग मौजूद थे।

विश्व आदिवासी दिवस पर एकलव्य विद्यालय के छात्रों व शिक्षकों ने प्रभातफेरी निकाली

बसिया (आजाद सिपाही)। एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय, बसिया में विश्व आदिवासी दिवस धूमधाम से मनाया गया। सर्वप्रथम प्रातः काल विद्यालय के छात्रों व शिक्षकों ने स्कूल बैंड के साथ प्रभातफेरी निकाली। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर छात्रों के बीच पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। तत्पश्चात आदिवासी संस्कृति एवं परम्परा के अनुसार छात्रों ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये। ढोल, नगाड़ा एवं मांदर की थाप पर थिरकते विद्यालय के छात्रों ने विश्व आदिवासी दिवस मनाया और भरपूर आनंद लिया। वहीं गुमला के नगर भवन में जिला प्रशासन द्वारा आयोजित कार्यक्रम में विद्यालय के 90 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले सात छात्रों उमेश सिंह मुंडा, संदीप उरांव, राहुल उरांव, महात्मा उरांव, सुधीर उरांव, मनोहर तिर्की तथा निशांत उरांव के अतिरिक्त राष्ट्रीय स्तर पर फुटबॉल में स्वर्ण पदक प्राप्त दो छात्रों बलराम हेम्ब्रम तथा रितिक सोरेन को सम्मानित किया गया। विद्यालय के छात्रों द्वारा 'युवा मंथन जी-20' कार्यक्रम के तहत भारत की अध्यक्षता में होने वाले जी-20 सम्मेलन का मॉडल प्रस्तुत किया। जिसे दर्शकों ने खूब सराहा। जिला कल्याण पदाधिकारी तथा परियोजना निदेशक, आई.टी.डी.ए. ने संयुक्त रूप से टीम जी-20 को बेहतरीन प्रदर्शन के लिए शील्ड देकर सम्मानित किया।

विश्व आदिवासी दिवस पर कृषि विज्ञान केंद्र ने किसानों के बीच किया त्रिपाल का वितरण

बिशुनपुर (आजाद सिपाही)। कृषि विज्ञान केंद्र गुमला विकास भारती बिशुनपुर के द्वारा बुधवार को विश्व आदिवासी दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विकास भारती बिशुनपुर के संयुक्त सचिव महेंद्र भगत ने की। कार्यक्रम में महेंद्र भगत ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि आदिवासी समाज मूलता परंपरागत भाषा सामाजिक रीति रिवाज विभिन्न फसलों की प्रजातियां का संरक्षण कर रहा है। इस कार्यक्रम में डॉक्टर संजय कुमार वरीय वैज्ञानिक ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि किसान अपनी संस्कृति के साथ-साथ अपने समाज को आगे ले जाने के लिए सामूहिक रूप से कार्य करने की आवश्यकता है। साथ ही साथ हमें कृषि को तकनीक के साथ जोड़कर अपनी समृद्धि को आगे बढ़ाना है। इस कार्यक्रम में किसानों को त्रिपाल का वितरण किया गया। जिसका मुख्य उद्देश्य किसान अपनी फसल को सुखाने एवं प्राकृतिक आपदा जैसे बारिश इतिहास से बचाने के लिए किसानों को प्रदान किया गया ' इस कार्यक्रम मैं कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक सुनील कुमार, डॉ विनोद कुमार, अटल बिहारी तिवारी, राजीव कुमार, रतन उरांव ,शीला खेस, सहित के किसान मौजूद थे ।

कांग्रेस ने स्वतंत्रता सेनानियों और महान विभूतियों को याद करते हुए मनाया विश्व आदिवासी दिवस

आदिवासियों के हित की रक्षा के लिए कांग्रेस हमेशा तत्पर : बिट्टू

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। विश्व आदिवासी दिवस पर पलामू जिला कांग्रेस के अध्यक्ष जैश रंजन पाठक उर्फ बिट्टू पाठक के नेतृत्व में आदिवासी गौरव दिवस मनाया गया। साथ ही आदिवासी समाज के प्रबुद्धजनों को सम्मानित किया गया। जिला अध्यक्ष ने शॉल ओढ़ाकर दर्जनों आदिवासी समाज के लोगों को सम्मानित किया। सर्वप्रथम कांग्रेस जनों ने भगवान बिरसा मुंडा एवं देश के जननायकों की तस्वीर पर फूल माला देखकर श्रद्धा सुमन अर्पित की। बिट्टू पाठक ने कहा कि आदिवासियों की लंबे संघर्ष एवं कुर्बानियों की कहानी है। संघर्षों की मूर्ति हम अपने महापुरुषों और वीरांगनाओं पर गर्व करते हैं। विश्व आदिवासी दिवस पर बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर एवं डॉ जयपाल सिंह मुंडा को विशेष रूप से याद करना चाहूंगा। जिसके प्रयास से आदिवासी समाज के हितों की रक्षा के लिए भारतीय संविधान में विशेष प्रावधान हो पाया। झारखंड आदिवासी बहुल्य राज्य आदिवासियों के हित की रक्षा के लिए कांग्रेस हमेशा तत्पर होकर कार्य कर रही है। इस मौके पर वरिष्ठ कांग्रेसी सत्यानंद दूबे, प्रदेश सचिव लक्ष्मी नारायण तिवारी, जिला उपाध्यक्ष विनोद तिवारी, ईश्वरी प्रसाद सिंह, जितेंद्र कमलापुरी, सुरेश पाठक, भिखारी राम, विद्या सिंह चेरो, शमीम अहमद राइन, रूद्र शुक्ला, कृष्णमणि दुबे, राजेंद्र अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

विश्व आदिवासी दिवस पर गणमान्य लोगों को सम्मानित करते कांग्रेसी।

पलामू के लिए महादेव भोलेनाथ खोलें अपनी जटा से धारा: देवेंद्र

पलामू को अकाल-सुखाड़ से मुक्ति के लिए राष्ट्रीय परशुराम युवा वाहिनी ने किया रूद्राभिषेक

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू जिले में बारिश की कमी से होने अकाल की स्थिति बनती देख इससे मुक्ति दिलाने और पलामू में सुख, शांति और समृद्धि के लिए राष्ट्रीय परशुराम युवा वाहिनी की ओर से बुधवार को रुद्राभिषेक किया गया। सुबह नौ बजे से पूजा-अर्चना एवं दो बजे से संकीर्तन आयोजित किया गया। रुद्राभिषेक के मुख्य पुजारी पंडित ऋषिकेश पांडेय पराशर वेदाचार्य ने मंत्रोच्चार से जहां पलामू मुख्यालय को गुंजायमान किया। वहीं मुख्य यजमान के रूप में पलामू जिला प्रभारी रिंकू तिवारी के बड़े भाई पंडित मुकेश तिवारी एवं उनकी पत्नी अंजनी तिवारी ने महादेव का अभिषेक किया। इस दौरान बारिश, हरियाली, सुख शांति समृद्धि की मंगलकामना की गई। युवा वाहिनी के प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र तिवारी ने कहा कि पलामू के लोग दशकों से पानी के लिए तरस रहे है। हालात इस कदर बदतर हो रहा है कि मनुष्य से ज्यादा चिंता मवेशियों के लिए होने लगी है। इसके लिए विप्र परिवार चिंतित है। पलामू की समृद्धि के लिए राष्ट्रीय परशुराम युवा वाहिनी अपने अराध्य का आह्वान किया है। रुद्राभिषेक के बाद संकीर्तन किया गया। जिसमें रजवाडीह संकीर्तन मंडली ने भक्तिमय समां बांधा। इस आयोजन में प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र तिवारी, सचिव आशुतोष पाण्डेय लक्की, आशीष भारद्वाज, नवीन तिवारी, कोषाध्यक्ष राकेश पाण्डेय, मीडिया प्रभारी आशीष अदंभ, संजय मिश्रा, शैलेश तिवारी, चंदन तिवारी, विकास दूबे, श्वेता तिवारी, प्रदीप दूबे, मनोज ओझा, राधेश्याम तिवारी, प्रभात दूबे, मनोज पाठक, गोरख पाठक, लल्लू पाण्डेय, संजय पाण्डेय, बृजेश शुक्ला, रुद्र शुक्ला, सौरव तिवारी, विक्रांत त्रिपाठी, आनंद दूबे मुन्ना, दिलीप तिवारी, राकेश तिवारी लडडू, विनित तिवारी, अभिमन्यु दूबे, सत्यवान पाण्डेय, व्यास शशि शंकर प्रसाद, रूपेश तिवारी आदि मौजूद थे।

किसान के खेत सूखे, सड़क पर धनरोपनी यही क्षेत्र का दुर्भाग्य : कर्नल संजय सिंह

बदहाल सड़क पर ग्रामीणों ने कर्नल संजय के नेतृत्व में धनरोपनी कर किया प्रदर्शन

आजाद सिपाही संवाददाता

हुसैनाबाद। प्रखंड के सुदूरवर्ती झरगड़ा पंचायत अंतर्गत ग्राम चरकौल में सड़क नहीं बनने से परेशान ग्रामीणों ने बुधवार को अनोखा विरोध प्रदर्शन किया। किसान ब्रिगेड के संरक्षक कर्नल डॉ संजय कुमार सिंह के नेतृत्व में ग्रामीणों ने जगह-जगह सड़कों में बने बड़े-बड़े गड्ढों में धान रोपाई करते हुए प्रदेश सरकार और स्थानीय जनप्रतिनिधियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। ग्रामीणों ने क्षतिग्रस्त सड़क को जल्द दुरुस्त करने की मांग की है। बता दें कि ग्राम चरकौल की हालात बेहद खराब है। बारिश के दिनों में ग्रामीणों की चुनौतियां और भी ज्यादा बढ़ जाती हैं। यहां सड़क खस्ताहाल है। वहीं, नाली निर्माण नहीं होने से नाली का गंदा पानी सड़क पर भर जाता है। चरकौल निवासी विष्णुदेव पासवान ने कहा कि तीन दिन पहले एक किशोरी को विषैले जंतु के काट लिया था। सड़क खराब होने के कारण कोई वाहन यहां नहीं पहुंच पाया, जिससे काफी मशक़्क़त से चारपाई के सहारे झरगाड़ा मुख्य पथ पर ले जाकर उसका इलाज कराया गया। तब उसकी जान बच सकी। कर्नल संजय सिंह ने कहा कि पहले सड़कों में गड्ढे होते थे, लेकिन अब हेमंत सरकार में गड्ढों में सड़क समा गई है। राष्ट्रीय राजमार्ग के अलावा किसी भी ग्रामीण सड़क की हालत अच्छी नहीं है। जन प्रतिनिधि कागज पर विकास का ढिढोंरा पीट रहे हैं। किसान के खेत सुखे है और सड़क पर धनरोपनी हो रही है यह हमारे क्षेत्र का दुर्भाग्य हैं। यदि इस सड़क का निर्माण जल्द नहीं कराया गया तो हमलोग उग्र प्रदर्शन करेंगे। मौके पर अरुण कुमार पासवान, सनोज यादव, मनोज शर्मा, अजय सिंह, डबल सिंह, गणेश प्रजापति, विजय प्रजापति ,इशरार अहमद (गुड्डू), अमित सिंह, प्रदीप पासवान ,सरोज पासवान ,मनोहर सिंह, सत्यनारायण यादव आदि मौजूद रहे।

सड़क पर धनरोपनी करते कर्नल संजय व ग्रामीण।

शहरी स्वास्थ्य केंद्र चालू करने की मांग को लेकर राजद नेता ने दिया आंदोलन का संकेत

आजाद सिपाही संवाददाता

हरिहरगंज/पलामू। हरिहरगंज शहरी स्वास्थ्य केंद्र को चालू करने की मांग को लेकर राजद नेता सह सामाजिक कार्यकर्ता कमलेश कुमार यादव के साथ दर्जनों लोगों ने बुधवार को बेलौदार मोड़ स्थित 98 पर उतरकर उग्र आंदोलन का संकेत दिया है। राजद नेता ने कहा कि 15 नवंबर 2022 को नए भवन में स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध होने के बाद शहरवासियों के साथ घटनाग्रसित मरीजों को पहुंचने में दिक्कत हो रही है। क्योंकि नए भवन तक जाने के लिए वाहनों की सुविधा नहीं है। पुरानी सीएचसी भवन को चालू रखने से आपातकालीन स्थिति में मरीजों को इलाज कर बाहर भेजा जा सकता है। वहीं पुराने सीएचसी भवन मेदिनीनगर और औरंगाबाद मुख्य सड़क पर स्थित है। जिस कारण मरीज का तुरंत इलाज हो जाएगा। उन्होंने बताया कि नये सीएचसी भवन के उद्घाटन के दौरान शहर के लोगों ने भी सीएस पलामू और क्षेत्रीय विधायक को आवेदन देकर पुराने भवन में शहरी स्वास्थ्य केंद्र बनाने की मांग की थी। जिस पर सीएस व विधायक द्वारा आश्वासन भी दिया गया था । लेकिन आज तक शहरी स्वास्थ्य केंद्र को चालू नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि आज हमने सिर्फ संकेत दिया है। 15 अगस्त तक शहरी स्वास्थ्य केंद्र चालू नहीं किया गया तो बड़े पैमाने पर उग्र आंदोलन होगा। इस मौके पर अर्जुन सिंह, शंकर चौधरी, गोपाल प्रसाद गुप्ता, मुनारिक यादव, काजू कुमार, रविंद्र चौधरी, विक्की चौधरी आदि थे।

स्नातक सत्र 2023-27 की मेधा सूची में सीयूइटी की परीक्षा में भाग लेने वाले विद्यार्थियों को मिले प्राथमिकता

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने कुलपति को सौंपा ज्ञापन

मेदिनीनगर (आजाद सिपाही)। विद्यार्थी परिषद की ओर से नीलांबर पीतांबर विश्वविद्यालय के कुलपति को संयोजक मंजूल शुक्ला की अध्यक्षता में ज्ञापन सौंपा गया। जिसके माध्यम से परिषद के कार्यकर्ताओं द्वारा ध्यान आकृष्ट कराते हुए कहा गया कि स्नातक सत्र 2023027 की मेधा सूची में सीयूइटी की परीक्षा में भाग लेने वाले विद्यार्थियों को प्राथमिकता दी जाए। स्नातक सत्र 2023-27 की मेधा सूची को विश्वविद्यालय के वेबसाइट पर आवश्यक रूप से जारी किया जाए। मॉडल डिग्री कॉलेज गढ़वा एवं छतरपुर में नामांकन से पूर्व शिक्षक एवं शिक्षकेतर कर्मचारियों की नियुक्ति की जाए। नामधारी महाविद्यालय गढ़वा में प्रभारी प्राचार्य डॉ धर्मचंद लाल अग्रवाल एवं वोकेशनल समन्वयक प्रो कुंदन सिंह द्वारा बीबीए डिपार्टमेंट से लगभग 23 हजार रुपए की अवैध निकासी की गई है। जिसका भुगतान कॉलेज के जनरल फंड से किया जा सकता था। ज्ञात हो कि वोकेशनल डिपार्टमेंट के फंड का उपयोग विभाग के शिक्षकों का वेतन व अन्य विकास संबंधित कार्य के लिए किए जाते हैं। नामधारी महाविद्यालय के परीक्षा विभाग में प्रो मिथिलेश रंजन, एनसीसी में प्रो शोभा कुमारी एवं वोकेशनल डिपार्मेंट में प्रो कुंदन सिंह को बिना प्रोवेशन अवधि पूर्ण किए समन्वयक नियुक्त किया गया है जो कि गलत है। उन्हें तत्काल समन्वयक के पद से हटाया जाए। विश्वविद्यालय की नवनिर्मित भवन में व्याप्त अनियमितताओं को लेकर उच्च स्तरीय जांच कराई जाए। प्रदेश कार्यसमिति सदस्य विनीत पांडे ने कहा कि नीलांबर पीतांबर विश्वविद्यालय अधिकारी विहीन हो गया है। विश्वविद्यालय में न कुलपति न ही प्रतिकुलपति हैं। ऐसी स्थिति में शिक्षा व्यवस्था चरमरा गई हैं। छात्रों की समस्याओं को सुनने वाला कोई भी नहीं हैं। विश्वविद्यालय निर्माण में करोड़ों का पैसे का बंदरबांट होने से गुणवत्तापूर्ण नवनिर्मित भवनो का निर्माण नहीं होने से दरार देखने को मिल रहा हैं।

विश्व आदिवासी दिवस पर किया गया पौधरोपण

पांकी/पलामू (आजाद सिपाही)। प्रखंड के मजदूर किसान महाविद्यालय में अध्यनरत राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक सेविकाओं द्वारा बुधवार आदिवासी दिवस पर महाविद्यालय में आरएसएस व एनसीसी कैडेट द्वारा पौधारोपण किया गया। प्राचार्य डॉ दिलीप कुमार राम, प्रो पुरुषोत्तम सिंह, ग्रुप लीडर नीरज कुमार ने इसके महत्व का समझाया।

विश्व आदिवासी दिवस पर भाजपा ने राजा मेदिनी राय की प्रतिमा पर किया माल्यार्पण

सतबरवा/पलामू (आजाद सिपाही)। अंतर्राष्ट्रीय आदिवासी दिवस के अवसर पर सतबरवा थाना परिसर में पौधारोपण किया गया। वहीं, भाजपा कार्यकर्ताओं व अन्य सामाजिक संगठनों द्वारा बुधवार को पलामू किला मेला परिसर में स्थापित लोकप्रिय राजा मेदिनी राय की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। जिला परिषद सदस्य सुधा कुमारी ने कहा कि विश्व आदिवासी दिवस पर हम आदिवासी धर्म, संस्कृति, प्रकृति के प्रति हमेशा सचेत रहते हैं। हम प्रकृति प्रेमी हैं। थाना प्रभारी अमीत कुमार सोनी ने कहा कि जिस रफ्तार से पर्यावरण दूषित हो रहा है, उसे बचाने का एकमात्र रास्ता पेड़-पौधा लगाना है। इस मौके पर विधायक प्रतिनिधि राजेंद्र सिंह चेरो, सामाजिक कार्यकर्ता आशीष सिन्हा, धावाडीह मुखिया रिंकी यादव, भाजयुमो के सतबरवा प्रखंड अध्यक्ष ज्योति सिंह, अजय उरांव, आशुतोष सिंह, विष्णु उरांव आदि थे।

हुसैनाबाद विधायक की बड़ी उपलब्धि : एक दर्जन गांव के किसानों को मिलेगी सिचाई की सुविधा

हरही बीयर योजना के पुनरुद्धार एवं मुख्य नहर के लाइनिंग कार्य को मिली स्वीकृति

2236.78 लाख रुपये खर्च के प्राक्कलन को प्रशासनिक ने दी स्वीकृति

आजाद सिपाही संवाददाता

हुसैनाबाद। विधायक कमलेश कुमार सिंह का प्रयास लगातार रंग ला रहा है। अब हुसैनाबाद की महत्वकांक्षी हरही बीयर योजना के पुर्णोद्धार कार्य को स्वीकृत कराकर एक दर्जन गांव के किसानों को सिंचाई का मुकम्मल इंतजाम करा दिया है। यह खबर मिलते ही संबंधित क्षेत्र के किसानों में खुशी का माहौल है। इस योजना पर 22 करोड़ 36 लाख 78 हजार रुपए खर्च होंगे। उन्होंने बताया कि मुख्य अभियंता, जल संसाधन विभाग, मेदिनीनगर प्रक्षेत्राधीन पलामू जिलांतर्गत हुसैनाबाद प्रखंड में निर्मित हरही बीयर योजना के पुनरुद्धार एवं मुख्य नहर के लाईनिंग कार्य के लिए कुल 2236.78 लाख रुपए के प्राक्कलन की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई है। हरही वीयर योजना के दायें तरफ से एकमात्र मुख्य नहर निकलती है जिसकी कुल लंबाई 7.590 किमी है । विधायक ने बताया कि इस योजना का रूपांकित सिंचाई क्षमता 800 हेक्टेयर है। इस योजना के जीर्णोद्धार से रपुरा, गारहेगोरया, चउवाचट्टान, गम्हरबिगहा, कुर्मिपुर, कमगारपुर, मुबारकपुर, टिकरी, उपरी होलया, लंगरकोट तथा विशुनपुर आदि गांवों में सिंचाई सुविधा बहाल हो सकेगी। वर्तमान में नहर का अस्तित्व मात्र 7.500 किमी तक ही है। उक्त नहर को मोहम्मदगंज बराज के दायां मुख्य नहर को पार कर हुसैनाबाद स्थित सरकारी कृषि फॉर्म तक जाना था। पर मोहम्मदगंज बराज के दायां मुख्य नहर के उस पार के बाद हरही नहर अस्तित्व में नहीं है। नहर का जीर्णोद्धार कार्य 7.500 किमी तक ही कराया जाएगा। इस योजना अंतर्गत वीयर के बेड की सफाई, वीयर के सभी संरचनाओं के मरम्मति कार्य कराया जाएगा। वीयर से निःसृत एकमात्र मुख्य नहर के पीसीसी लाईनिंग के साथ-साथ नहर पर अवस्थित पुराने क्षतिग्रस्त विभिन्न संरचनाओं का मरम्मति एवं जीर्णोद्धार कार्य कराया जाएगा। विधायक ने कहा कि इस योजना के पूरा हो जाने से हुसैनाबाद प्रखंड के एक दर्जन गांव के किसानों को खेती के लिए पानी का इंतजार नहीं करना पड़ेगा। बटाने जलाशय योजना व काशी सोत डैम से निकलने वाली पाइन का विस्तार के साथ पुरानी पाइन का जीर्णोद्धार भी जल्द कराने का प्रयास किया जा रहा है। आने वाले दिनों में हुसैनाबाद हरिहरगंज विकास की दौड़ में सबसे आगे होगा।

विधायक कमलेश कुमार सिंह

बीसीसीएल प्रबंधन व यूनियन प्रतिनिधियों ने किया रीजनल अस्पताल का निरीक्षण

कुव्यवस्था देख भड़के यूनियन प्रतिनिधि

प्रबंधन ने दिया अस्पताल की कमियों को जल्द दूर करने का आश्वासन

आजाद सिपाही संवाददाता

कतरास। डुमरा रीजनल अस्पताल को धनबाद केंद्रीय अस्पताल की तर्ज पर विकसित करने को लेकर बुधवार को बीसीसीएल एरिया-वन के प्रबंधन व यूनाइटेड कोल वर्कर्स यूनियन के पदाधिकारियों ने संयुक्त रूप से बुधवार को अस्पताल का निरीक्षण किया। आपातकालीन सेवा को सुदृढ़ कर मरीजों का उचित उपचार व अस्पताल में कमियों को दूर करने के लिए बीसीसीएल एरिया-वन के प्रबंधन ने अश्वासन दिया। निरीक्षण के दौरान अस्पताल में

अस्पताल का निरीक्षण करते यूनियन के प्रतिनिधि व प्रबंधकीय टीम

टीम को मूलभूत सुविधा तक नहीं दिखी। प्रबंधन की ओर से कहा गया कि नर्सिंग स्टाफ एवं अन्य कर्मियों को आउटसोर्स के माध्यम से बहाल करने के लिए सीएमडी से स्वीकृति ले ली गई है।

उधर, अस्पताल के कमियों को देख यूनाइटेड कोल वर्कर्स यूनियन के लोग आक्रोश में आ गए। जिस समय निरीक्षण को प्रबंधन व यूनियन के लोग पहुंचे उस समय डॉक्टर ओपीडी में मरीज देख रहे थे। डॉक्टर के चेंबर के बाहर मरीजो की संख्या भी ठीक ठाक थी। पर किसी के बैठने का इंतजाम नहीं था। इसके

समय पर अस्पताल में चिकित्सा व्यवस्था नहीं सुधरा तो होगा आंदोलन : यूनियन

यूनाइटेड कोल वर्कर्स यूनियन एरिया-वन के अध्यक्ष नर्मदेश्वर पांडेय के साथ यूनियन के सभी सदस्यों ने एक स्वर में स्थानीय बीसीसीएल प्रबंधन को चेतावनी भरे लहजे में कहा कि अगर समय रहते प्रबंधन ने रीजनल अस्पताल की कमियों को दूर नहीं किया गया तो उग्र आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगें। जरूरत पड़ी तो एरिया-वन व ब्लॉक-टू का चक्का भी जाम करेंगें। निरीक्षण के दौरान एरिया कार्मिक प्रबंधक मुकेश कुमार, कार्मिक प्रबंधक (प्रशासन) हेमंत कुमार हेना, अस्पताल के चिकित्सा पदाधिकारी सिस्टा सिन्हा, संतोष सिन्हा, डॉ बीके राम, सिविल अभियंता दीपक कुमार रजक, विद्युत अभियंता अभय नारायण, नवल किशोर, यूनियन की ओर से संतोष गोराई, अमरेंद्र कुमार, राजीव प्रसाद महतो, नर्मदेश्वर पांडेय, एचएन प्रसाद गांधी,अशोक चक्रवर्ती और विजय रजवार आदि शामिल थे।

अलावे इंजेक्शन लेने के लिए मरीज के परिजन बाहर से सीरींज खरीद कर लाते दिखे। यह देख यूनियन के लोग गुस्से में आ गए और बीसीसीएल प्रबंधन पर जमकर अपनी भड़ास निकाली।

टुंडी में पकड़े गये अपराधियों ने पूर्व में दिया था सात घटनाओं को अंजाम

- एसएसपी ने संवाददाता सम्मेलन कर किया खुलासा
- अपराधियों के पास से पिस्टल व गोली भी बरामद

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। टुंडी पुलिस के हत्थे चढ़े दो अपराधी मकबूल अंसारी और अकबूल अंसारी की गिरफ्तारी और उनसे पूछताछ में कई चौंकाने वाले खुसासे हुए हैं। पूछताछ में पूर्व में हुए सात लूट व डकैती के अलग-अलग मामले का खुलासा पुलिस ने किया है। इस बाबत बुधवार को एसएसपी संजीव कुमार ने अपने कार्यालय में संवाददाता सम्मेलन कर बताया कि बीते विगत मंगलवार को टुंडी थाना अंतर्गत मिडलैंड माइक्रो फिन लिमिटेड के सेंटर ऑफिसर के साथ अपराधियों ने लूटपाट का प्रयास किया था। हालांकि गांव के लोगों और पुलिस की सक्रियता से अपराधीयों को दबोच लिया गया। पुलिस की गिरफ्त में आए अपराधियों से पूछताछ में पूर्व के सात कांड जिनमें तीन टुंडी, एक बरवाअड्डा और दो एमपीएल ओपी क्षेत्र और एक राजगंज थाना क्षेत्र में आपराधिक घटना का उद्भेदन किया गया है। अपराधियों के पास से देसी पिस्टल, पांच कारतूस, एक मोबाइल फोन और लुटकांड में प्रयुक्त बाइक भी बरामद किया गया था। गौरतलब हो कि माइक्रो कंपनी के कर्मचारी 52 हजार रुपये प्रदत्त मासिक किश्त का कलेक्शन लेकर बाइक से अपने शाखा लौट रहे थे। तभी दो बाईक पर सवार होकर पांच अपराधी उसका पीछा करते हुए सुनसान रास्ते पर रुकवा दिया औक बंदूक का भय दिखाकर उनसे पैसे लूटने का प्रयास किया। इस पर वादी ने हेलमेट से एक अपराधी को धक्का देकर शोर मचाते हुए गांव की तरफ भाग निकले। इधर, अपराधियों ने भी उसका पीछा किया। तभी पुलिस को भी सूचना मिल चुकी थी। जिसके बाद स्थानीय ग्रामीण और पुलिस की सक्रियता से उपरोक्त दोनों अपराधी पकड़े गए, जबकि तीन अपराधी भागने में सफल रहे। पुलिस उन सबकी तलाश में जुटी है।

12 अगस्त को निकलेगी 76 मीटर लंबी तिरंगा यात्रा: शालिनी बेशिख्यार

- अग्रसेन चौक पर होगी भारत माता की भव्य आरती

आजाद सिपाही संवाददाता

गिरिडीह। आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर आगामी 12 अगस्त को आयोजित होने वाले तिरंगा यात्रा को लेकर भाजपा नेत्री शालिनी बेशिख्यार ने बुधवार को संवाददाता सम्मेलन कर बताया कि गिरिडीह की धरती पर पहली बार 76 मीटर भव्य तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी। बताया कि इस तिरंगा यात्रा का मुख्य उद्देश्य राष्ट्रभक्ति के साथ ही देश की खुशहाली की मंगलकामना करना है। यात्रा की अगुवाई घोड़े पर सवार झांसी की रानी लक्ष्मीबाई करेंगी। भव्य रथ पर भारत माता सवार होंगीं। जिसमें हम सभी गिरिडीहवासी हजारों की संख्या में शामिल होंगे। झंडा मैदान में झंडोत्तोलन करने के उपरांत तिरंगा यात्रा शहर के मुख्य चौराहों और बाजारों से होकर अग्रसेन चौक पर समाप्त होगा। जहां भारत माता की भव्य आरती की जायेगी। उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष भी आजादी के 75वीं वर्षगांठ पर गिरिडीह में भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई थी। जिसमें सैंकड़ों लोगों ने भाग लिया था। इस बार भी तिरंगा यात्रा में चेंबर ऑफ कामर्स एंड इंडस्ट्रीस, केमिस्ट एंड ड्रग एसोसिएशन, महिला चौपाल, वनवासी कल्याण केंद्र एवं पतंजलि परिवार के सदस्य भी अपनी सहभागिता निभायेंगे और देश के लिए शहीद हुए शूरवीरों के सपने को पूरा करने के लिए इस अभियान को सफल बनाएंगे। प्रेस वार्ता में वनवासी कल्याण केंद्र के विनोद केशरी, संगीता बैसखियार, सोना प्रकाश, कुसुम सिन्हा, परमेंद्र कुमार, पतंजली रणधीर कुमार गुप्ता, अमित श्रीवास्तव, उत्कर्ष पांडेय शामिल थे।

बांसजोड़ा में रेलवे ट्रैक पर मिला युवक का सिर कटा शव

लोयाबाद (आजाद सिपाही)। धनबाद चंद्रपुरा रेल लाइन के बांसजोड़ा रेलवे स्टेशन के समीप बुधवार अहले सुबह रेलवे ट्रैक पर एक युवक का सिर कटा शव बरामद होने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। रेलवे ट्रैक पर शव पाए जाने की खबर मिलते ही लोगों की भीड़ जुट गई। शव की पहचान मदनाडीह कुम्हार पट्टी निवासी दिलीप राम पटेल (28) के रूप में हुई। इसकी सूचना पाकर कुसुंडा जीआरपी मौके पर पहुंच शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। रेल

पुलिस के अनुसार युवक की मौत ट्रेन से कटने के चलते हुए होगी। पर वह वहां कैसे पहुंचा और किस ट्रेन की चपेट में आकर उसकी मौत हुई इसकी जानकारी नहीं मिल पाई है। चर्चा है कि 12 साल पूर्व दिलीप के पिता का भी इसी रेल लाइन से कटकर मौत हो गयी थी। मां रिटायर्ड बीसीसीएल कर्मी है। युवक की अभी तक शादी नहीं हुई थी।

वेदांता इएसएल ने आदिवासियों के लिए जैविक खाद इकाइयों और सोलर पंप का किया उद्घाटन

आजाद सिपाही संवाददाता

बोकारो। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर वेदांता ईएसएल स्टील लिमिटेड ने नाबार्ड के साथ मिलकर उनके प्रतिष्ठित साथी कार्यान्वयन एजेंसी ग्रामीण सेवा संघ (जीएसएस) के साथ विभिन्न सुविधाओं का बुधवार को उद्घाटन किया, जो कुंवरपुर गांव के आदिवासी लोगों के जीवन को व्यवस्थित करने का वादा करते हैं। इसमें 10 जैविक खाद इकाइयां शामिल हैं, जिसमें हर बेड पर 10

किसान जुड़ेंगे और एक सोलर पंपहाउस, जो अपने प्रसिद्ध वाडी प्रोजेक्ट के हिस्से के रूप में 16 एकड़ कृषि भूमि को सिंचाई सुविधाएं प्रदान करने के लिए है। अपने दृष्टिकोण वाडी प्रोजेक्ट के माध्यम से वेदांता ईएसएल स्टील लिमिटेड आदिवासी और गैर-आदिवासी परिवारों के लिए कृषि की संभावनाओं का सार्वजनिक विकास करते रहते हैं, जिससे उन्हें आत्मनिर्भरता और एक उज्ज्वल भविष्य की दिशा में आगे बढ़ने में मदद मिलती है।

बालासोर ट्रेन दुर्घटना में मृतक के परिवार को रेलवे ने दिया मुआवजा

महुआटांड़ (आजाद सिपाही)। बोकारो जिले के जरीडीह प्रखंड के तांतरी दक्षिणी ग्राम पंचायत अंतर्गत तोताडीह निवासी स्वर्गीय छोटू लाल सोरेन जिसका निधक ओड़िशा के बालासोर के ट्रेन एक्सीडेंट पर हो गया था। बुधवार को दक्षिण पूर्व रेलवे के आद्रा मंडल की ओर से रेलवे द्वारा छोटू लाल सोरेन के दो भाई राजकुमार सोरेन और शेखर सोरेन दोनों को पांच-पांच (कुल 10) लाख रुपए के मुआवजे राशि के चेक का भुगतान किया गया। दोनों भाइयों के हाथ में पांच-पांच लाख रुपये का चेक आद्रा मंडल से आए वाणिज्य विभाग के सोमनाथ घोष द्वारा सौंपा गया। इस अवसर पर तांतरी पंचायत (दक्षिणी) की मुखिया शांति देवी और वार्ड सदस्य संख्या-1 मीरा देवी उपस्थित थीं। इस अवसर पर दोनों व्यक्तियों ने मुखिया शांति एवं वार्ड स्वदेश को धन्यवाद दिया।

पानी की समस्या का निदान नहीं होने से नाराज निवर्तमान पार्षद समर्थकों के साथ धरने पर बैठे

चिरकुंडा (आजाद सिपाही)। चिरकुंडा नगर परिषद क्षेत्र में पिछले कई सालों से लगभग पांच हजार से अधिक की आबादी पानी और बिजली की समस्या से जूझ रही है। वार्ड संख्या नौ के निवर्तमान पार्षद सुशील कुमार चंद्रवंशी उर्फ विक्की के लिखित शिकायत के बाद भी चिरकुंडा नगर परिषद के तरफ से कोई कार्रवाई नहीं की गई। अंततः नगर परिषद के इस उदासीन एवं नकारात्मक रवैया से नाराज होकर बुधवार को निवर्तमान पार्षद अपने समर्थकों के साथ नगर परिषद के सामने धरना पर बैठ गए। हालांकि की कुछ तथाकथित लोगों द्वारा धरना को समाप्त करने के लिए मनाने का प्रयास भी किया जाता रहा। खबर लिखे जाने तक धरना जारी था। वहीं समस्या के निदान के लिए किसी ने भी पहल नहीं किया। नगर परिषद के इस उदासीन एवं नकारात्मक रवैया को देखते स्थानीय लोगों में आक्रोश है। लोगों का आरोप है कि जनता की समस्या के समाधान के लिए कुछ नहीं कर रहा है। वहीं, सुशील चंद्रवंशी ने कहा कि जब तक समस्या का निदान नहीं हो जाता धरना जारी रहेगा।

लंबित मांगों को लेकर जमंस (कुंती गुट) की जीएम संग वार्ता

कतरास (आजाद सिपाही)। बीसीसीएल ब्लॉक-टू क्षेत्र के एबीओसीपी में कार्यरत मजदूरों के 54 सूत्री लंबित मांगों को लेकर बुधवार को जमंस (कुंती गुट) ने जीएम चितरंजन कुमार के साथ वार्ता की। जमसं के केंद्रीय उपाध्यक्ष गोपाल मिश्रा ने कहा कि प्रबंधन द्वारा सहमति जताये बिंदुओं का क्रियान्वयन नहीं किया जाना गंभीर मामला है। इस पर जीएम ने सभी मांगों पर सकारात्मक पहल करते हुए एक सप्ताह के अंदर क्रियान्वयन का आश्वासन दिया है। इस पर जमसं ने पूर्व घोषित चक्का जाम आंदोलन को तत्काल स्थगित कर दिया।

कचरा फेंकने के लिए किसी दूसरे स्थान का चयन करे निगम: एसडीएम

आजाद सिपाही संवाददाता

लोयाबाद। बांसजोड़ा में नगर निगम का कचरा डंपिंग अब नहीं होगा। बुधवार को एसडीएम प्रेम कुमार तिवारी बांसजोड़ा के बंद खदान पहुंचे, जहां निगम के कचरा जंपिंग का विरोध किया जा रहा था। एसडीएम ने कहा कि नगर निगम ने यह साइट ही गलत चयन किया था। निगम को दूसरी जगह तलाशने को कहा गया है। एसडीएम के फैसले से ग्रामीणों और कांग्रेस समर्थक खुश हैं। कांग्रेस नेता डब्ल्यू पासवान, रामेश्वर तुरी और विशाल पासवान ने कहा कि एसडीएम के फैसले का स्वागत है। एसडीएम ने यहां

निरीक्षण कर महसूस किया कि यहां कचरा डंप हुआ तो ग्रामीणों को कितनी समस्याओं से दो चार होना पड़ेगा। हालांकि एसडीएम की आने सूचना पर ग्रामीण और जलेश्वर समर्थक फिर से माइंस के पास जमा हो गए थे। ज्ञात्त हो कि मंगलवार की सुबह बांसजोड़ा के दर्जनों ग्रामीण और जलेश्वर महतो समर्थक जुट गए थे और कचरा डंपिंग करने आए ट्रकों को रोक दिया था। ग्रामीणों का विरोध देख सभी बिना कचरा डंप किये वापस लौट गए थे। मौके पर टुलू साव, गोतम रजक, डब्ल्यू पासवान, चंद्रीका मंडल, मुस्ताक मंसुरी, आलम मंसुरी, नरेश सिंह, विशाल महतो, मनोज मंडल, जितेंद्र सिंह, शंकर चंद बाउरी, बीमल मोहली आदी मौजूद थे।

घर खाली करने के नोटिस के विरोध में ग्रामीणों ने दिया धरना

आजाद सिपाही संवाददाता

कतरास। बरोरा क्षेत्र के प्रबंधन की ओर से गणेशपुर एवं बरवाबेड़ा के ग्रामीणों को घर खाली करने का नोटिस दिया गया है। इसके विरोध में बुधवार को मंदरा पंचायत के ग्रामीणों ने बीसीसीएल एरिया-वन जीएम कार्यालय के समक्ष एक दिवसीय धरना दिया। ग्रामीणों ने कहा कि प्रबंधन झरिया पुर्नवास एवं विकास प्राधिकार के तहत ग्रामीणों को जबरन घर खाली करने का कुचक्र चल रहा है। यह सरासर गलत है। ग्रामीणों की जमीन रैयती है। तीन-चार पीढ़ियों से लोग यहां रह रहे हैं। यदि प्रबंधन रैयतों का

जमीन व घर खाली कराना चाह रहे हैं तो बातचीत कर समस्या का समाधान करे। अन्यथा बेवजह लोगों को तंग करना बंद करे। ग्रामीणों ने संचालित आउट सोर्सिंग कंपनी में 75 फीसदी ग्रामीणों को नियोजन देने के साथ गांव में कल्याणकारी कार्य करे। अन्यथा उग्र आंदोलन कर आउटसोर्सिंग का चक्का जाम करने को बाध्य होंगे। इस मौके पर शंकर बेलदार, कन्हाई चौहान, राजू रवानी, धनेश्वर रवानी, संजय चौबे, अवधेश रवानी, लक्ष्मण चौहान, विक्की कुमार, नारायण चौहान, रविंद्र चौहान, सुनील ठाकुर, कारू भुईयां, सूरज चौहान, पंकज चौहान, हेमंत चौहान, सोनू चौहान, मुकेश भुईयां, रोहित चौहान आदि थे।

आरोप : भ्रष्ट अधिकारियों और ठेकेदारों की साठगांझ से चल रहा भ्रष्टाचार तंत्र

ठेका मजदूरों के हक का सालाना 200 करोड़ रुपये लूट की हो सीबीआइ जांच : राजेंद्र सिंह

आजाद सिपाही संवाददाता

बोकारो। हिंद मजदूर सभा से संबद्ध क्रांतिकारी इस्पात मजदूर संघ की ओर से सेल बोकारो स्टील के मजदूर और ठेका मजदूरों की लंबित मांगों के समर्थन में पूर्व घोषित कार्यक्रम के तहत बुधवार को विरोध प्रदर्शन किया गया। इसका नेतृत्व कर रहे संगठन के महामंत्री सह एनजेसीएस के सदस्य राजेंद्र सिंह ना सिर्फ बोकारो प्रबंधन, बल्कि सेल प्रबंधन पर भी जमकर बरसे। कहा कि आजादी के 75 वर्ष बाद भी यहां के मजदूर खास कर ठेका मजदूर गुलामी और दासता को मजबूर हैं। लंबे इंतजार के बाद सेल के मजदूरों का वेज रिवीजन का टडव हुआ मगर सेल प्रबंधन इतना सुस्त है कि अब तक वेज रिवीजन का पूर्ण लाभ मजदूरों को नहीं मिल सका है। आज भी 39 महीने का एरियर प्रबंधन दबाकर

बैठा है। दूसरी ओर ठेका मजदूरों की स्थिति और भी दयनीय है। कारखाना में भवन निर्माण एवं बीड़ी पत्ता का मिनिमम वेज सुनने से ही हास्यास्पद लगता है। मगर यहां यही नियम है। वह भी मिनिमम वेज लगभग 90 फीसदी मजदूरों को नहीं मिलता है। जो मजदूर मिनिमम वेज के लिए आवाज उठाते है उसे प्लांट से बाहर निकाल दिया जाता है। सेल के ही कई इकाइयों में ठेका मजदूरों को ग्रेच्युटी मिलती है मगर बोकारो प्रबंधन को सिर्फ उत्पादन का रिकॉर्ड हासिल करना है। बाकी मजदूर मरते हैं तो मरे। भ्रष्टाचार का आलम यह है कि ठेका मजदूरों की गाढ़ी कमाई जैसे मिनिमम वेज, एडब्ल्यूए, फाइनल का हर वर्ष लगभग 200 करोड़ रुपये अधिकारी और ठेकेदार मिलकर बंदरबांट कर रहे हैं। इस प्रदर्शन के माध्यम से लूट-भ्रष्टाचार तंत्र की सीबीआई जांच की मांग कर रहे हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि नगरसेवक पूरी तरह से नगद सेवा बन चुकी है। हजारों आवासों को अवैध रूप से भाड़े पर लगाकर अधिकारी बिचौलिए के माध्यम से जेबें भर रहे हैं। सिर्फ इसी वजह से डी एवं सी टाईप के आवास को लाइसेंस पर नहीं दिया जा रहा है। अस्पताल की दशा और डॉक्टरों का व्यवहार तो पूछिए भी नहीं। इलाज तो छोड़िए गंभीर बिमारी के बावजूद मजदूरों का टकई तो किया जाता है मगर अनफिट नहीं किया जाता है। ना ही रेफर किया जाता है।

आज अगस्त क्रांति की इस पावन जयंती पर मजदूरों की ओर से एक ही नारा देना चाहूंगा 'प्लांट मजदूरों का है भ्रष्टाचारियों प्लांट छोड़ो'। कहा कि अगर प्रबंधन लंबित मामलों के निपटारे में टालमटोल करता है तो 9-10 सितंबर 2023 को दुगार्पुर में होने वाली यूनियन के महासम्मेलन में आरपार की आखिरी लड़ाई की घोषणा के साथ सैकड़ों मजदूर दिल्ली सेल अध्यक्ष कार्यालय कूच करने को बाध्य होंगे।

मतदाताओं के घर-घर जाकर बीडीओ ने किया भौतिक सत्यापन

चिरकुंडा (आजाद सिपाही)। एसएसआर 2024 के तहत मतदाता सूची का शत प्रतिशत भौतिक सत्यापन (पन्ना जांच एवं गर-घर भौतिक सत्यापन) कार्यक्रम के तहत एग्यारकुंड बीडीओ सह सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी विनोद कुमार कर्मकार ने बुधवार को मैथन क्षेत्र में अवस्थित मतदान केंद्र संख्या 256, 260 और 267 के मतदाताओं के घर-घर जाकर सत्यापन किया। बीडीओ ने बीएलओ रजिस्टर, पन्नासत्यापन, मतदाता के घर में स्टीकर, प्रपत्र-6, प्रपत्र-7, प्रपत्र-8 का गहनता से अवलोकन किया। बीएलओ एवं बीएलओ पर्यवेक्षक को इस कार्यक्रम को सफल बनाने को लेकर मार्गदर्शन दिया। उन्होंने बीएलओ एवं बीएलओ पर्यवेक्षक को निर्देशित करते हुए कहा कि मतदाता सूची का शत प्रतिशत भौतिक सत्यापन सुनिश्चित करने और स्पेशल संक्षिप्त मतदाता पुनरीक्षण 2024 के फल स्वरुप त्रुटिरहित एवं समावेशी मतदाता सूची का निर्माण इमानदारी से करें, ताकि भारत निर्वाचन आयोग के संकल्प कोई मतदाता छूटे ना को पूरा किया जा सके। इस मौके पर निर्वाचन कोषांग प्रभारी प्रमोद कुमार झा, बीएलओ शोभा कुमारी, सविता मिर्धा, सरोज देवी, गुलशन खातून, संगीता देवी व दीपांकर राय आदि थे।

आदिवासी समाज झारखंड की शान है : संजय

आइइएला (आजाद सिपाही)। विश्व आदिवासी दिवस को गोमिया में केक काटकर धूमधाम से मनाया गया। संजय जेम्स मिंज ने कहा कि आदिवासी समाज

झारखंड की शान है। आज का दिन बहुत ही खास है। इस अवसर पर उपस्थित गणमान्य लोगों ने भी अपना-अपना वक्तव्य दिया। इस मौके पर आजसू नेता महेंद्र पासवान, सत्यनारायण राय, शंकर मोदी, रिंकू पासवान और अशोक राम आदि उपस्थित थे।

न्यूज रील्स

केरल का नाम केरलम किया जाये, राज्य विधानसभा में प्रस्ताव पास

केरल। केरल राज्य का नाम केरलम किया जाये। केरल विधानसभा में यह प्रस्ताव बुधवार को पारित हो गया। अब इस प्रस्ताव को केंद्र सरकार के पास भेजा गया है। सीएम पिनाराई विजयन ने विधानसभा में कहा कि नियम 118 के तहत इस सदन में एक प्रस्ताव पेश किया जा रहा है। केंद्र सरकार से अनुरोध किया गया है कि भारत के संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल सभी भाषाओं में हमारे राज्य का आधिकारिक नाम बदलकर 'केरलम' किया जाये।

बंगाल के पूर्व सीएम बुद्धदेव भट्टाचार्य को अस्पताल से छुट्टी मिली

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री बुद्धदेव भट्टाचार्य को 11 दिनों के इलाज के बाद बुधवार को एक अस्पताल से छुट्टी दे दी गयी। वह 29 जुलाई से सांस लेने में दिक्कत के चलते अस्पताल में एडमिट थे। डॉक्टरों की एक टीम घर पर उनकी देखरेख करेगी। बुद्धदेव साल 2000 में पश्चिम बंगाल के सीएम बने थे। वह 2011 तक इस पद पर बने रहे थे।

चंद्रयान-3 ने दूसरी बार अपनी कक्षा घटायी

बेंगलुरु। इसरो ने आज दूसरी बार चंद्रयान-3 की ऑर्बिट घटायी है। अब यह चंद्रमा की 174 किमी ७ 1437 कीमी की ऑर्बिट में आ गया है। यानी चंद्रयान-3 ऐसी अंडाकार कक्षा में घूम रहा है, जिसमें उसकी चांद से सबसे कम दूरी 174 किमी और सबसे ज्यादा दूरी 1437 किमी है। अब चंद्रयान 14 अगस्त को 11:30 से 12:30 बजे की बीच फिर से अपनी ऑर्बिट बदलेगा।

ज्ञानवापी सर्वे के खिलाफ फिर याचिका

वाराणसी। ज्ञानवापी में एएसआइ सर्वे पर रोक के लिए बुधवार को मुस्लिम पक्ष एक बार फिर कोर्ट पहुंचा। मुस्लिम पक्ष ने जिला कोर्ट में सर्वे रोकने के लिए याचिका दाखिल की। इसमें 5 तकनीकी पॉइंट्स को आधार बनाते हुए सर्वे पर रोक लगाने की मांग की गयी। कोर्ट ने याचिका स्वीकार कर ली है। साथ ही सुनवाई के लिए 17 अगस्त की तारीख दी है।

पटना में हवा में मंडराती रही इंडिगो की फ्लाइट

पटना। दिल्ली से पटना आने वाली इंडिगो की फ्लाइट संख्या 6 ए 5128 हवा में 45 मिनट तक मंडराती रही। पटना एयरपोर्ट पर फ्लाइट के लैंड करने का वक्त 11.45 था लेकिन यह फ्लाइन 12.33 बजे में लैंड की। इस दौरान फ्लाइट पटना का चक्कर लगाती रही। फ्लाइट के लेट लैंडिंग को लेकर यह बताया जाता है कि बरसात की वजह से सिग्नल मिलने में दिक्कत हुई। सही समय पर सिग्नल नहीं मिलने के कारण फ्लाइट को लैंड होने का आदेश एटीएस ने नही दिया।

आदिवासी महोत्सव : झारखंड आदिवासी महोत्सव के उद्घाटन समारोह में मुख्यमंत्री के उद्गार

विस्थापन का दर्द झेल रहा है आदिवासी समुदाय

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड आदिवासी महोत्सव के उद्घाटन समारोह में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि देश के लगभग सभी हिस्सों में आदिवासी समाज को विस्थापन का दर्द झेलना पड़ा है एवं केंद्र तथा राज्य में सरकार चाहे किन्हीं की हो, आदिवासी समाज के दर्द को कम करने के लिए कभी समुचित प्रयास नहीं किये गये। हमारी व्यवस्था कितनी निर्दयी है कि कभी किसी ने यह पता लगाने का काम भी नहीं किया कि कहां गये खदानों, डैमों, कारखानों के द्वारा विस्थापित किये गए लोग। खदानों, उद्योगों, डैमों से विस्थापित हुए, बेघर हुए लोगों में से 80 प्रतिशत आदिवासी हैं। लाखों लोगों का अपनी भाषा से, अपनी संस्कृति से, अपनी जड़ों से काट दिया गया। कल का किसान आज वहां साइकिल पर कोयला बेचने को मजबूर है। बड़े-बड़े शहरों में जाकर बर्तन धोने, बच्चे पालने या ईंट भट्ठों में बंधुआ मजदूरी करने के लिए विवश किया गया है। बिना पुनर्वास किये एक्ट बनाकर लाखों एकड़ जमीन कोयला कंपनियों को दी गयी। हमारा झरिया शहर बरसों से आग की भट्ठी पर तप रहा है, लेकिन कोयला कंपनियां एवं केंद्र कान में तेल डालकर सोयी हुई है।

आखिर इस विकास को आदिवासी समाज कैसे अपनाये

मुख्यमंत्री ने कहा कि आखिर इस विकास को आदिवासी समाज कैसे अपना मान सकता है। आखिर विकास की चपेट में किनकी जमीन गयी है, किनकी रोजी-रोटी छीनी गयी है, किनकी भाषा खत्म हो रही है, किनकी संस्कृति खतरे में है, क्या इसका जायजा सत्ता को नहीं लेना चाहिए था। जो विकसित हुए हैं, वे कौन हैं। तथाकथित मुख्य धारा के इतिहासकारों ने भी आदिवासियों के साथ बेइमानी की है। उन्होंने उनका इतिहास ही दर्ज नहीं किया और न ही देश के विकास में आदिवासियों के योगदान को चिन्हित किया गया। चाहे अंग्रेजों के खिलाफ युद्ध हो या महाजनों के जुल्म के खिलाफ संघर्ष या फांसी पर लटकने की हिम्मत हो या अंतिम आदमी के रूप में लड़ते हुए मर जाने का साहस, इनमें अगुआई के बावजूद इतिहासकारों ने हमारे पूर्वजों को जगह नहीं दी।

हमें टुकड़ों में बांटकर देखने का प्रयास किया गया

मुख्यमंत्री ने कहा कि जब हम आदिवासी संस्कृति, आदिवासी समाज के इतिहास को जानने का प्रयास करते हैं, तो 1800 ई. के पूर्व का ज्यादा जिक्र नहीं मिलता है। जब हमारे बारे में लिखना प्रारंभ किया गया, तब भी हमें केवल क्रांति की श्रृंखला का नेतृत्वकर्ता मान लिया। हमें टुकड़ों में बांट कर देखने का प्रयास हुआ, जबकि इतिहास के हर दौर में आदिवासी समाज अपनी विशिष्ट उपस्थिति दर्ज करवाता रहा है। हमारे पूर्वजों ने गणतंत्र की स्थापना की, राज्य निर्माण किया, लोक कल्याणकारी शासक वंशों की स्थापना की। इन परिस्थितियों में यह कहना गलत नहीं होगा कि इस देश की सभ्यता-संस्कृति को गढ़ने में आदिवासी समाज के योगदान की पुनः व्याख्या की जाये। हमें आदिवासी समाज को आदिवासी विचारक, लेखक, विद्वान की नजरों से देखने की जरूरत है। यह सच है कि आज भी देश का सबसे गरीब, अशिक्षित, प्रताड़ित, विस्थापित एवं शोषित वर्ग, आदिवासी वर्ग है, परंतु यह भी सच है कि हम एक महान सभ्यता के वारिस हैं, हमारे पास विश्व एवं मानव समाज को देने के लिए बहुत कुछ है। जरूरत है कि नीति निमार्ताओं के पास दृष्टि हो।

आदिवासियों के लिए अपनी जमीन, संस्कृति, भाषा बहुत महत्वपूर्ण है

मुख्यमंत्री ने कहा कि क्या यह दुर्भाग्य नहीं है कि जिस अलग भाषा-संस्कृति-धर्म के कारण हमें आदिवासी माना गया, उसी विविधता को आज के नीति निर्माता मानने के लिए तैयार नहीं हैं। हम आदिवासियों के लिए अपनी जमीन, अपनी संस्कृति, अपनी भाषा बहुत महत्वपूर्ण है। आदिवासी समुदाय एक स्वाभिमानी समुदाय है, मेहनत करके खाने वाला समुदाय है, यह किसी से भीख नहीं मांगता है। हम भगवान बिरसा, एकलव्य, राणा पूंजा की समुदाय के हैं। हम इस देश के मूल वासी हैं। हमारे पूर्वजों ने ही जंगल बचाया, नदियां बचायीं, पहाड़ बचाया है।

आदिवासी संस्कृति को आदर की दृष्टि से देखने की जरूरत

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस महान आदिवासी संस्कृति को आदर की दृष्टि से देखने की जरूरत है। हमें सिर्फ जंगल में रहने वाले गरीब के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। जंगल एवं मानव विकास की पूरी कहानी हमारे पूर्वजों के पास है। आज जरूरत है कि एक आम देशवासी के अंदर आदिवासी समाज के प्रति संवेदना जगायी जाये। जरूरत है आम जन के अंदर आदिवासी समाज के प्रति सम्मान एवं सहयोग की भावना पैदा करने की।

ये रहे उपस्थित

इस महोत्सव में अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग के मंत्री चंपाई सोरेन, विधायक विनोद सिंह, विधायक कुमार जयमंगल, विधायक राजेश कच्छप, मुख्य सचिव सुखदेव सिंह, पुलिस महानिदेशक अजय कुमार सिंह, प्रधान सचिव राजीव अरुण एक्का, मुख्यमंत्री की प्रधान सचिव वंदना दादेल और मुख्यमंत्री के सचिव विनय कुमार चौबे समेत कई गणमान्य मौजूद रहे।

छायाकार : प्रदीप ठाकुर

विलुप्त होती जा रही है आदिवासी भाषाएं

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज देश के विभिन्न हिस्सों में आदिवासियों की अनेक भाषाएं गायब हो चुकी हैं या गायब होने की कगार पर हैं। आज हमारे जीवन को आस्था के केंद्रों से बांधने का प्रयास किया जा रहा है। लोग तो हमसे हमारा नाम तक छीनने में लगे हुए हैं। हम आदिवासी-मूल निवासी हैं, पर विचित्र बात है! जिस समाज की कोई जाति नहीं, उसे कोई 'जनजाति' कह रहा है, तो कोई वनवासी कह कर एक ढंग से चिढ़ा रहा है। आज जब आदिवासी अपनी पहचान के लिए इतिहास में की गयी उपेक्षा के विरुद्ध बोलने का प्रयास कर रहा है, तो उसे चुप कराने का प्रयास हो रहा है। भले ही आदिवासियों में अनेक क्रांतिकारी वीर, विद्वान, चिंतक हुए हैं, लेकिन समाज की मुख्य धारा के द्वारा हमेशा प्रयास किया गया है कि हमारी कोई औकात नहीं बन सके एवं नीति-निर्धारण में हमारी कोई भूमिका नहीं रह सके।

आदिवासी समुदाय पर आधारित 35 पुस्तकों और डाक टिकट का विमोचन

इस अवसर पर टीआरआइ की ओर से आदिवासी समुदाय पर आधारित 35 पुस्तकों का विमोचन किया गया। वहीं डाक विभाग द्वारा विश्व आदिवासी महोत्सव पर आयोजित हो रहे झारखंड आदिवासी महोत्सव के लोगो पर आधारित डाक टिकट का भी अतिथियों ने विमोचन किया।

विभिन्न आदिवासी समूहों के बीच परस्पर संवाद शुरू हो

मुख्यमंत्री ने कहा कि मेरी चाहत है कि विभिन्न आदिवासी समूहों के बीच परस्पर संवाद शुरू हो। आज जो हम विभाजित हैं, असंगठित हैं, यही कारण है कि मणिपुर के आदिवासी उत्पीड़न का विषय झारखंड के मुंडा लोगों का विषय नहीं बन पा रहा है। राजस्थान के मीणा भाई के दर्द को मध्यप्रदेश के भील अपना मान कर आगे नहीं आ रहे। किसी ने इसी स्थिति पर ठीक ही लिखा है - जब लड़ाई अस्तित्व की हो, वजूद की हो, तो सामने आना ही पड़ता है। मिटकर भी अगर कुछ बचाया जा सकने की उम्मीद हो, तो कदम स्वयं आगे बढ़ाना पड़ता है। उन्होंने कहा कि हमें यह सबों को बताना होगा कि जिस आदिवासी का बोलना गाना है एवं चलना नृत्य है, वह जब गुस्साता है, तो उसकी जुबान नहीं, उसके तीर और धनुष लिये हाथ चलते हैं।

देश के आदिवासी समाज का मुझे प्यार मिलता रहा है

मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं उन सभी लोगों को धन्यवाद देता हूं, जिन्होंने हमारे ऊपर विश्वास जताया है। आदिवासी मुख्यमंत्री होने के अपने मायने हैं। झारखंड ही नहीं, देश के दूसरे हिस्से के आदिवासियों का भी जो प्यार मुझे मिलता है, जो उम्मीद मुझसे है, उससे मैं भली-भांति परिचित हूं। आइये हम अपनी एकजुटता को आगे बढ़ने का संकल्प लें।

बच्चों के खेल मैदान का उद्घाटन

भूवनेश्वर। रेल विहार में पुनर्निर्मित बच्चों के खेल के मैदान का उद्घाटन पूर्व तट रेलवे के महिला कल्याण संगठन (इकोरो) दिव्या शर्मा और पूर्व तट रेलवे के महाप्रबंधक मनोज शर्मा की उपस्थिति में किया गया है। बच्चों को मनोरंजन और शारीरिक व्यायाम का आनंद मिले इसके लिए पार्क में विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध कराई गयी हैं। इसके अलावा श्रीमती शर्मा ने इकोरो द्वारा संचालित फुलवारी स्कूल के नवीनीकृत कक्षाओं का भी उद्घाटन किया। इस अवसर पर रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों सहित महिला कल्याण संगठनों के सदस्य उपस्थित थे।

ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते : 62 नाबालिगों को पूर्व तट रेलवे क्षेत्राधिकार से बचाया गया

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। पूर्व तट रेलवे के रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते अभियान के माध्यम से जुलाई 2023 के दौरान अपने अधिकार क्षेत्र से विभिन्न स्टेशन प्लेटफार्मों और ट्रेनों से 62 नाबालिग बच्चों को बचाया है। चाइल्डलाइन और जिला बाल कल्याण समिति जैसे गैर सरकारी संगठनों की मदद से 50 लड़कों और 12 लड़कियों को उनके माता-पिता से मिलाया गया है। प्रशिक्षित आरपीएफ कर्मियों ने उन बच्चों को बचाया है जो पारिवारिक मुद्दों के कारण या बेहतर जीवन की तलाश

में अपने माता-पिता को बताए बिना अपने घर से भागकर रेलवे स्टेशनों पर चले गए थे/ट्रेन से अन्य गंतव्यों की ओर जा रहे थे। आरपीएफ कर्मियों ने उन्हें उनके माता-पिता से मिलाने से पहले उनकी काउंसलिंग की। रेलवे के माध्यम से मानव तस्करी को खत्म करने की दिशा में काम करने के लिए रेलवे भी बचपन बचाओ आंदोलन अभियान में शामिल हो गया है। इसके अलावा, आरपीएफ ने ऑपरेशन आहट (मानव तस्करी के खिलाफ कार्रवाई) भी शुरू किया है और मानव तस्करी पीड़ितों को बचाया है। जुलाई 2023 में बचाए गए 62 नाबालिगों में से, खुर्दा रोड डिवीजन ने 33 लड़कों और 02 लड़कियों को बचाया है, संबलपुर ने 05 लड़कों और 04 लड़कियों को बचाया है और वाल्टेयर डिवीजन ने 12 लड़कों और 06 लड़कियों को बचाया है। सभी नाबालिगों को चाइल्डलाइन एवं जिला बाल कल्याण समिति के माध्यम से उनके माता-पिता को सौंप दिया गया है।

हाइकोर्ट ने एएसओ चयन प्रक्रिया की प्रगति पर लगायी रोक

भुवनेश्वर/कटक। उच्च न्यायालय ने ओड़िशा लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित एएसओ की चयन प्रक्रिया पर रोक लगा दी है। चयन प्रक्रिया की प्रगति रुक गयी है। उच्च न्यायालय ने एकल पीठ के फैसले पर रोक लगा दी है। ओपीएससी को जवाब दाखिल करने के लिए नोटिस जारी किया गया है। कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई 21 सितंबर को निर्धारित की है। पिछले 4 दिनों में हाई कोर्ट में एएसओ परीक्षा अनियमितता मामले का फैसला आया था। हाईकोर्ट ने पिछले आदेश को 6 सप्ताह के भीतर लागू करने का निर्देश दिया। हाईकोर्ट ने ओपीएससी को पूर्व में प्रकाशित मेरिट सूची को रद्द कर नई मेरिट सूची प्रकाशित करने का आदेश दिया। हाई कोर्ट द्वारा 19 मई को पारित फैसले को दो माह के अंदर लागू करने का आदेश दिया गया था। कुछ याचिकाकर्ताओं ने आदेश के कार्यान्वयन में देरी का हवाला देते हुए ओपीएससी के खिलाफ उच्च न्यायालय में अदालत की अवमानना का मामला दायर किया।

एनएबीइटी रैंकिंग 2023: किट पॉलिटेक्निक को लगातार दूसरी बार ओड़िशा का सर्वश्रेष्ठ संस्थान चुना गया

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। किट पॉलिटेक्निक को भारतीय गुणवत्ता परिषद (क्यूसीआई) के एक घटक बोर्ड, जो राष्ट्रीय शिक्षा और प्रशिक्षण प्रत्यायन बोर्ड (एनएबीईटी) द्वारा सभी राज्य और निजी संचालित पॉलिटेक्निक के बीच ओडिशा में सर्वश्रेष्ठ पॉलिटेक्निक के रूप में स्थान दिया गया है। रैंकिंग परिणाम आज ग्रामीण विकास, कौशल विकास और तकनीकी शिक्षा मंत्री, प्रीतिरंजन घडाई द्वारा घोषित किए गए। ओड़िशा के किट पॉलिटेक्निक

ने 581 का उच्चतम स्कोर हासिल किया और रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल किया, जो 7 मापदंडों पर आधारित थी। रैंकिंग में सरकारी और निजी दोनों मिलाकर कुल 100 पॉलिटेक्निक ने भाग लिया। किट पॉलिटेक्निक को लगातार दूसरी बार ओडिशा में सर्वश्रेष्ठ पॉलिटेक्निक का दर्जा दिया गया है। ओड़िशा में पॉलिटेक्निक की रैंकिंग पहली बार 2022 में की गई थी। यह अभ्यास तकनीकी संस्थानों की गुणवत्ता में सुधार लाने और गुणवत्तापूर्ण शिक्षण का पालन करने वाले सर्वोत्तम संस्थानों की पहचान करने पर राज्य सरकार के बढ़ते फोकस की पृष्ठभूमि में आया था। रैंकिंग एनएबीईटी-क्यूसीआई और स्टेट काउंसिल फॉर वोकेशनल एजुकेशन एंड ट्रेनिंग द्वारा की गयी थी। इस घोषणा पर किट पॉलिटेक्निक के छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों ने खुशी मनायी। किट के संस्थापक डॉ. अच्युत सामंत ने किट पॉलिटेक्निक के प्रिंसिपल, डॉ तनमय महांति, शिक्षकों और कर्मचारियों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा, रैंकिंग एक बड़ी उपलब्धि थी क्योंकि संस्थान को सभी सरकारी और निजी पॉलिटेक्निक में सर्वश्रेष्ठ चुना गया था। उन्होंने विशेषकर विद्यार्थियों को उनकी सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं। किट पॉलिटेक्निक की स्थापना 1995 में हुई थी और इसे अपनी उच्च गुणवत्ता वाली तकनीकी शिक्षा के लिए व्यापक रूप से मान्यता प्राप्त है।

आजाद सिपाही की ओर से स्वत्वाधिकारी लैंडस्केप मीडिया प्रा. लि., प्रकाशक एवं मुद्रक हरिनारायण सिंह के लिए 176 कोकर चौक, ओल्ड एचबी रोड, रांची 834001 (झारखंड) से प्रकाशित तथा डीबी प्रिंट सोल्यूशंस (ए यूनिट ऑफ डीबी कार्प लिमिटेड), प्लॉट नं. 535 एवं 1272, ललगुटवा, पुलिस स्टेशन, रातू, रांची से मुद्रित।
संपादक : हरिनारायण सिंह, **स्थानीय संपादक* :** विनोद कुमार, ***पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, **राज्य समन्वय संपादक :** अजय शर्मा। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 9264434560, **R.N.I. No.-JHAHIN/2015/65109,** Postal Registration No. **RN/249/2019-21**